शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तुंगभद्रा जलाशय के शिखर द्वार की चेन टूटी, नीचे की ओर बाढ़ का खतरा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 12 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-224

पीएम मोदी ने 109 जैव-सशक्त फसल की किस्में जारी की

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त विभिन्न फसलों की 109 किस्में जारी की। इस अवसर पर श्री मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी मौजूद रहे।

श्री मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की। इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी हुई। प्रधानमंत्री ने

जलवायु का असर होगा कम, किसानों को मिलेगा लाभ,किस्में पोषक तत्वों से भरपूर

किसानों और वैज्ञानिकों से भी की बात, कहा- जैविक कृषि पर लोगों का भरोसा बढ़ा

कहा कि नयी फसल किस्म से कृषि में मूल्य संवर्धन होगा। उन्होंने मोटे अनाज का उल्लेख किया और कहा कि लोग पोषक खानपान की ओर आकर्षित हो रहे है। श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में बात की और कहा कि आम जनता का जैविक कृषि पर भरोसा बढ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग कर रहे हैं और इनकी मांग करते है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

श्री मोदी ने नई फसल किस्म विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की। कार्यक्रम में शामिल किसानों ने कहा कि नई किस्मों से उनके खर्चों में कमी आएगी और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पडेगा। किसानों ने प्राकृतिक कृषि को बढावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र की जागरूकता बढाने में महत्व-पूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री के सुझावों के अनुरूप काम कर रहे है।

बाद में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से कहा कि आज किसानों के लिए ऐतिहासिक दिन है जब 61 फसलों की 109 किस्में जारी की गई हैं।

▶10 पर

तीन राज्यों में घुसपैठ की कोशिश बांग्लादेश के 11 नागरिक पकड़े गए

पूछताछ जारी,आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस को सौंपा जाएगा

कोलकाता, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के 11 नागरिक पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय सीमाओं के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश करते पकड़े गए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से यह जानकारी दी गई है। दरअसल, बांग्लादेश में छात्र आरक्षण विरोधी आंदोलन कर रहे हैं। इस वजह से वहां हिंसा का दौर चल रहा है। तमाम कोशिशों के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। लोग अपनी जान बचाकर सीमा पार कर भारत आने की कोशिश कर रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर घुसपैठिए भी सीमा पार करने की साजिश रच रहे हैं। इन सब के बीच राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बीते सोमवार को पड़ोसी मुल्क की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली आई थीं। इसके बाद 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी।

बीएसएफ की ओर से रविवार को बताया गया कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य पुलिस को सौंप दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि भारत में घुसपैठ करते हुए 11 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर पकड़ा गया है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा सीमा से दो-दो और मेघालय सीमा से सात को पकड़ा गया है।

बताया गया कि बीएसएफ बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचारों को लेकर अपने समकक्ष बीजीबी के साथ संपर्क में है। इससे पहले पूर्वी कमान प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने शनिवार को 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक ऑपरेशनल कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की थी। इस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेश में मौजूदा अशांति और 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा की समीक्षा की गई। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के सामने आने वाले मुद्दों पर विचार करने के लिए एडीजी के तहत एक समिति का गठन किया है।

बेलगावी एविएशन एकेडमी का टू सीटर प्लेन क्रैश

दोनों पायलट घायल, इंजन फेल होने से हादसे की आशंका

गुना, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना जिले में एयर स्ट्रिप पर टू सीटर प्लेन क्रैश हो गया। दुर्घटनाग्रस्त प्लेन एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट का बताया जा रहा है, हादसे में दो पायलट घायल हुए हैं। हादसे की सूचना पर कैंट पुलिस समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। इंजन के फेल होने के कारण हादसा की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार कर्नाटक के बेलगावी एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट के एयरक्राफ्ट 152 ने रविवार दोपहर करीब एक बजे टेस्टिंग के लिए उड़ान भरी थी।

कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार करीब 40 मिनट तक एयरक्राफ्ट को उड़ाते रहे, लेकिन फिर वह एयर स्ट्रिप पर क्रैश हो गया। हादसे में दोनों पायलट घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बेलगावी एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट के एयरक्राफ्ट 152 को टेस्टिंग और मेंटेनेंस के लिए गुना की शा-शिब एकेडमी में लाया गया था। इसकी टेस्टिंग के लिए पायलट वी चंद्र ठाकुर और नागेश कुमार को हैदराबाद से बुलाया गया था।

▶10 पर

सीएए के तहत कर्नाटक में पांच बांग्लादेशी शरणार्थी भारतीय नागरिक बने

रायचूर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के रायचूर के सिंधनूर तालुक में दशकों से राहत शिविरों में रह रहे पांच बंगलादेशी शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता प्रदान की गई है। पांच नागरिक रामकृष्णन अभिकारी, अद्विथ, सुकुमार, बिप्रदास गोल्डर और जयंत मंडल हैं। उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा 1970 के दशक की शुरुआत में स्थापित पुनर्वास (आरएच) शिविरों में बिताया है। कर्नाटक में यह पहला मामला है, जहां इस अधिनियम के तहत नागरिकता प्रदान की गई है। जबकि अन्य राज्यों ने पहले सीएए के तहत नागरिकता प्रदान की है।

ये लोग उन परिवारों से हैं जो 1971 में बंगलादेश मुक्ति युद्ध के दौरान उनके परिवार भारत भाग कर आये थे। उन्होंने अपने जीवन का एक लम्बा समय सिंधनूर में

आरएच शिविर अस्थायी आश्रय में बिताया। लम्बे समय तक रहने के बाद बंगलादेश के 727 परिवारों और बर्मा (अब म्यांमार) के 205 परिवारों के लिए, ये शिविर उनके स्थायी घर बन गए। एक वकील और लंबे समय से शिविरों के निवासी प्रणब बाला के अनुसार, पिछले चार दशकों में लगभग 25 हजार व्यक्ति यहां रह चुके हैं। उनमें से 20 हजार बंगलादेश से हैं, और शेष पांच हजार बर्मा से हैं, जो आंतरिक संघर्ष के समय अपना देश छोड़कर भाग गए थे।

इन पांच नए नागरिकों के लिए निर्णायक मोड़ तब आया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंधनूर का दौरा किया था।

दौरे के दौरान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद के विरुपक्षप्पा ने शरणार्थियों की ओर से एक याचिका दायर की, जिसमें अनुरोध किया गया कि उन लोगों को नागरिकता दी जाए जिन्होंने पीढ़ियों से शिविरों को अपना घर बना रखा है। याचिका में शिविरों में आवश्यक सेवाओं की सख्त आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया गया है। याचिका प्रस्तुत करने के बाद, शरणार्थियों के मामलों का मूल्यांकन करने के लिए एक जिला-स्तरीय समीक्षा समिति की स्थापना की गई।

▶10 पर

जयशंकर ने मालदीव में भारतीय सहायता प्राप्त प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया

माले, 11 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख भागीदार है और पड़ोसी प्रथम नीति के केंद्र में है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष मूसा मीर के साथ संयुक्त रूप से अड्डू रिक्लेमेशन प्रोजेक्ट और अड्डू शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के बाद कहा, मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक

प्रमुख भागीदार है और यह हमारी पड़ोस-प्रथम नीति के केंद्र में है। दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है और आज एक आधुनिक साझेदारी बनने की आकांक्षा रखता है।

उन्होंने कहा, हमारे विकास सहयोग का उद्देश्य यहां के लोगों के जीवन के सभी पहलुओं को छूना और उनके जीवन में ठोस लाभ लाने के तरीके ढूंढना है। मुझे लगता है कि हम आज मालदीव के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक हैं और भारत से मालदीव में विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्र में अधिक निवेश हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने मालदीव में क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्व को समझते हुए अड्डू में लगभग 220 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने मार्च, 2022 में नेशनल कॉलेज ऑफ पुलिसिंग एंड लॉ एनफोर्समेंट स्टडीज का उद्घाटन करने का भी उल्लेख किया, जो 30 मिलियन डॉलर की भारतीय अनुदान-वित्त पोषित परियोजना थी।

▶10 पर

तुंगभद्रा बांध का गेट दुर्घटनाग्रस्त आंध्र प्रदेश में बाढ़ की चेतावनी

बेंगलुरु/हैदराबाद, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में तुंगभद्रा बांध का एक गेट शनिवार देर रात बह जाने से नीचले इलाके में भारी मात्रा में पानी भर गया जिससे आंध्र प्रदेश में बाढ़ की आशंका उत्पन्न हो गयी है।

इस घटना ने आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) को कृष्णा नदी के किनारे रहने वाले निवासियों के लिए तत्काल बाढ़ चेतावनी जारी करनी पड़ी। तुंगभद्रा बांध का गेट

नंबर 19 बाढ़ के पानी के भारी दबाव के कारण ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बहा। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानध के अनुसार, कुल डिस्चार्ज 48,000 क्यूसेक तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे निचले इलाकों में समुदायों के लिए संभावित खतरा पैदा हो सकता है। स्थिति के जवाब में एपीएसडीएमए ने कुरनूल जिले के निवासियों, विशेष रूप से कोसिगी, मंत्रालयम, नंदवरम और कौथलम के गांवों के निवासियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। वरिष्ठ अधिकारी ने स्थानीय लोगों से नहरों और नदियों को पार करने से बचने का आग्रह किया, जहां बांध से छोड़े जाने के कारण जल स्तर में अचानक वृद्धि होने की संभावना है।

कुर्मानध ने एक बयान में कहा, इन क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहना चाहिए

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,740/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,418/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 22°

कंगाली के कगार पर पहुंचा पाकिस्तान

पाक में और गहराया आर्थिक संकट

इस्लामाबाद, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की खुद को बड़ी ताकत समझने की खुशफहमी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान अभी भी भारत में घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है और वहीं इज़राइल के खिलाफ ईरान को सैन्य मदद देने पर भी विचार कर रहा है। पाकिस्तान खुद को अरब दुनिया का रहनुमा समझता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अरब देशों के सामने भीख के लिए हाथ फैलाने में भी उसे शर्म नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान पर यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है कि घर में नहीं हैं दाने, अम्मा चली भुनाने। अब एक ताजा रिपोर्ट में पता चला है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है और वह कंगाली के कगार पर पहुंच गया है। पाकिस्तान में हुए एक ताजा आर्थिक सर्वे में पता चला है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। हालात ये हैं कि देश के 74 प्रतिशत लोग अपने मासिक खर्चों को पूरा करने के लिए जूझ

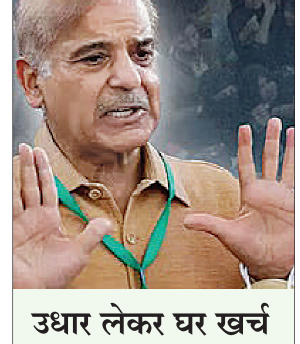

उधार लेकर घर खर्च चला रहे लोग, 56 प्रतिशत नहीं कर पा रहे कोई बचत

रहे हैं। पिछले साल के मुकाबले ये 14 प्रतिशत ज्यादा है। पाकिस्तान में आम जनता को अपने खर्चे पूरे करने के लिए या तो उधार लेकर काम चलाना पड़ रहा है या फिर वे पार्ट टाइम नौकरी करने को मजबूर हो रहे हैं। सरकार ने एक आर्थिक योजना तैयार की है, लेकिन बढ़ता कर्ज पाकिस्तान का सिर दर्द बढ़ा रहा है। पाकिस्तान के 11 बड़े शहरों में हजारों लोगों पर जुलाई और अगस्त महीने में एक सर्वे किया गया था। इस सर्वे में पता चला कि मई 2023 में जहां 60 फीसदी लोगों को अपने घरेलू खर्चा चलाने में परेशानी हो रही थी, अब उनकी संख्या बढ़कर 74 प्रतिशत हो गई है। 60 प्रतिशत लोगों को अपने घरेलू खर्चों में कटौती करनी पड़ी है। वहीं 40 प्रतिशत लोग उधार लेकर अपना परिवार पाल रहे हैं। 10 प्रतिशत लोगों ने अपने खर्च चलाने के लिए पार्ट टाइम नौकरी करना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के 56 प्रतिशत लोग कोई बचत नहीं कर पा रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान की माली हालत कैसी है। पाकिस्तान के लोगों की खर्च की क्षमता में आई कमी, महंगाई के असर को लेकर भी एक सर्वे किया जा रहा है। हालात को देखते हुए उसमें भी चौंकाने वाले आंकड़े आने की उम्मीद है। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार अब संघीय बजट में राज्यों की हिस्सेदारी को 39.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 48.7 प्रतिशत करने की तैयारी कर रही है। पाकिस्तान ने बीते वित्तीय वर्ष में खूब कर्ज लिया है और पाकिस्तान का कर्ज 79,731 अरब पाकिस्तानी रुपये हो गया है। पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ भी सात अरब डॉलर की नई डील की है।

कार्टून कॉर्नर

सावन का झूला खुशियों का मेला कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हरियाली तीज के पावन पर्व के उपलक्ष्य में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने हरियाणा भवन में तीज उत्सव- सावन का झूला खुशियों का मेला कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया। उत्सव में 350 स्टार सदस्यों और उनके परिवारजन मौजूद थे। शिव और पार्वती के प्रेम और सुहाग के प्रतीक तीज के त्यौहार की शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने मंच के सभी परिवार सदस्यों को शुभकामनायें दी। मंच का संचालन शाखा उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल और सचिव पंकज जैन एवं मशहूर मेजबान बिंदु मेहता ने बेहद खूबसूरती के साथ किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में

उत्साह बढ़ाने और जोश लाने के लिए तीज से संबंधित खेल खिलाये गए, जिसमें सदस्यों ने बढ चढ़ कर हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते।

साथ ही निवर्तमान शाखा अध्यक्ष संदीप चनानी ने रोमांचक तरीके से तम्बोला खिलाया जिसका सभी सदस्यों ने मजा लिया। उत्सव का प्रमुख आकर्षण रहा फैशन शो जिसमे 28 महिलाओं ने फैशन के जलवे बिखेरे और साथ ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि बेंगलूरु की अध्यक्षा माया अग्रवाल मौजूद थी। उन्होंने इस प्रतियोगिता की निर्णायिका की भूमिका निभाई और सीमा सिंघानिया के साथ तीज क्वीन बनी खुशबू जैन को पुरस्कार दिया। साथ ही प्रथम उपविजेता सुनीता बंसल और द्वितीय उपविजेता पूजा असोपा को भी पुरस्कृत किया। सभी प्रतिभागियों को रॉक्सी निवाह आटा की तरफ से उपहार दिए गए। मायुम शाखा की महिला सदस्यों और बच्चों ने तीज के भिन्न भिन्न गीतों पर नृत्य प्रदर्शन करके जश्न में चार चाँद लगा दिए। कार्यकारिणी समिति की महिला सदस्यों ने सावन के मनमोहक गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रदर्शित कर सबकी वाह वाही बटोरी। सावन के पारम्परिक झूले और लजीज व्यंजनों का सभी ने खूब लुत्फ उठाया। अद्भुत रूप से सजे हुए झूले पर सभी ने फोटो खिंचवाई और चटाकेदार पकवानों का खूब आनंद लिया। कोषध्यक्ष सुनील अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुनीत गोयल, मुख्य कार्यक्रम संयोजक नितिन गोयल और वरुण गुप्ता की कार्यक्रम को सँवारने में भूमिका सराहनीय रही।

ज्ञानशाला के बच्चों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में रविवार को ज्ञानशाला के बच्चों के बीच अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2024 की सभी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र से इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट के राष्ट्रीय संयोजक एवं अणु विभा के संगठन मंत्री राजेश चावत ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए कहा अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट में संपूर्ण भारत में 800 से भी ज्यादा स्कूल एवं ज्ञानशाला के बच्चे भाग ले रहे है। जिसमें 18 राज्य 500 शहर में यह आयोजन स्कूल लेवल में हो रहा है। इसमें संगीत प्रतियोगिता, भाषण चित्रकला, निबंध एवं कविता प्रतियोगिता रहेगी। इसका मूल उद्देश्य बच्चों में नैतिकता एवं प्रामाणिकता के साथ-साथ

रचनात्मक, कलात्मक कलाओं का निखार लाना है। इसी उद्देश्य के साथ विजयनगर ज्ञानशाला ने भी इस आयोजन को समाहित किया।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के दक्षिण प्रभारी लाभेश कांसवा ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए सभी के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित की। इस कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में सोनाली एवं किरण उपस्थित थी। ज्ञानशाला से 30 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, मंत्री हरक चंद ओसवाल एवं निर्मल पोखरना उपस्थित रहे। संचालन सुमित्रा बरडिया ने किया एवं ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत ने पूरा सहयोग दिया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, मंत्री दिनेश हिंगड़, तेयूप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा एवं महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया की भी उपस्थिति रही। ललिता डागा, अंजू सेठिया, कविता बाफना, मोना गिरिया और मनीषा घोषल का भी सहयोग रहा।

मन टूटा तो सब कुछ टूटा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्व-ावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खीचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए सावद्य योगों के त्याग सहित अनशन करने की प्रेरणा दी। रस परित्याग के महत्व पर गहरी विवेचना दी।

सावद्य योग का त्याग श्रावकों के लिए एक महान विश्राम है। पाप कर्मों से छुटकारा मिलता है। प्रश्नचंद राजर्शी और सनत कुमार चक्रवर्ती की कथा के माध्यम से अभिमान त्याग और धर्म में ठहराव की प्रेरणा देते हुए आत्मा का उत्तरोत्तर विकास करने को जीवन का लक्ष्य बताया। मोक्ष प्राप्ति के लिए आभ्यंतर तक नियमत: करना होता है। बाहरी तपस्या भजना से की जाती है। संसार सागर में घूमते हुए इस जीव ने सबसे थोड़ा समय मनुष्य भव में बिताया।

देव नर्क और पशु पक्षी में अनंत काल बिताया, परंतु धर्म के योग्य भाव नहीं होने से वहां रुका रहा। इस भव भ्रमण की परंपरा में दुर्लभ मनुष्य भव को माना है। आवश्यक सूत्र में सामायिक की प्रवृत्ति का कैसे शुद्धिकरण करना यह सिखाया जाता है। मन टूटा तो सब कुछ टूट जाता है। तन की बीमारी थोड़ी दवाई से ठीक हो सकती है परंतु टूटे हुए मन की बीमारी ठीक होना महा मुश्किल है।

प्रयत्नशील रहने से ही सफलता मिलती है: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा अक्सर कहा-सुना जाता है कि कर भला, हो भला, अंत भला तो सब भला। परंतु जीवन और संसार में क्या भला और बुरा है, क्या पुण्य है और क्या पाप है, इस संबंध में कोई भी व्यक्ति अंतिम या निर्णायक रूप से कुछ नहीं कह सकता। मुझे जो चीज या बात अच्छी लगती है वही दूसरे को बुरी भी लग सकती है। यदि हम यही मानकर मनमानी करने लगे, अपने आसपास रहने वालों की इच्छा-आकांक्षा या भावना का ध्यान न रखें, तब भला यह जीवन और समाज कैसे ठीक ढंग से चलकर विकास कर सकता है? निश्चय ही हर मनुष्य को अपनी इच्छा-आकांक्षा के साथ-साथ पूरे

समाज का भी ध्यान रखना पड़ता है। इसी में अपना तथा सबका भला हो सकता है। इस कहावत का सार-तत्व यही स्पष्ट करना है। हम कड़वी दवाई, नीम या आंवले को ही ले सकते हैं। दवाई खाई नहीं जाती, अपनी कड़वाहट के कारण नीम पी नहीं जाती, कसैलेपन के कारण आंवला खाया नहीं जाता। सभी जानते हैं कि इनके सेवन का परिणाम अंत में भला ही सामने आता है। आंवले को अमृतफल इसी कारण कहा गया है कि उसका अंतिम परिणाम बड़ा सुखद होता है और बाद में ही मालूम पड़ता है। इसी प्रकार मानव होने के नाते कई बातें रूचि के अनुकूल न होने के कारण, अनुकूल न लगने पर भी हमें इसी कारण करनी या निभानी पड़ती है कि उनका अंतिम परिणाम सारे मानव समाज के लिए भला होने की आशा हुआ करती है। यह आशापूर्ण व्यवहार ही जीवन-संसार में संतुलन बनाए हुए हैं। अत: ऐसा व्यवहार करना चाहिए, जो वास्तव में जन-हित साधक हो। जीवन में सफलता तभी संभव है जब मनुष्य प्रयत्नशील होगा।

विश्व शांति के लिए जाप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपाध्याय प्रवर केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट, शूले में दिवाकर दरबार में पूज्य श्री वसंत मुनि जी के तत्वावधान में रविवार को विश्व शांति के लिए शांति जाप का आयोजन किया गया। बसंत मुनि ने कहा कि जाप से देश विदेश में फैल रही अराजकता कम होती है और परस्पर युद्ध से बचते हैं। इससे शांति और सौहार्द का माहौल बनता है। घर परिवार में शांति जाप से, लोगों में प्रेम और स्नेह बढ़ता है। उन्होंने फरमाया कि रक्षा बंधन पर बहन बेटियों को अपने ससुराल और पीहर में आपसी भाईचारे और प्यार से व्यवहार करना चाहिए। प्रवचन में शूले संघ के अध्यक्ष देवराज चोपड़ा, शांत क्रांति संघ के सज्जन राज चोपड़ा, जैन क्रान्फेस के राजेंद्र मरलेचा, आस्टीन टाउन से मोती लाल रांका, शूले संस्कार महिला मंडल की रुक्मिणी गादिया और क्रांति बहू मंडल की प्रतिभा चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

बच्चों को संस्कार देने में मां की सबसे बड़ी भूमिका: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में महिला दिवस पर आयोजित प्रवचन में राजेश मुनि जी ने फरमाया कि महिला वह है जिसमें धरती को भी हिलाने की शक्ति है। महिला में घर, परिवार, समाज और देश को चलाने की शक्ति है। महिला को नारी भी कहते हैं। नारी का अर्थ जिसका कोई शत्रु नहीं हो। नारी में एक नहीं बल्कि दो मात्रा है, इसीलिए नारी नर पर भारी है। महिला एक मां के रूप में सबसे बड़ी शिक्षक होती है। बच्चों को संस्कार देने में मां की सबसे बड़ी भूमिका होती है। वह गर्भ से ही बच्चों को संस्कारित करना शुरु कर देती है। मुनि ने फरमाया कि लक्ष्मी समृद्धि एवं सरस्वती ज्ञान की प्रतीक हैं। लक्ष्मी वही ठहरती है जहां पर प्रमाणिकता, सच्चाई व ईमानदारी होती है। सहनशील बनो, तपस्या करो, इसी में सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। जो काम सहने से होता है वह बोलने से नहीं होता। इस मौके पर ऋषभमुनि का भी सान्निध्य रहा। महिला दिवस पर महावीर चंद मुथा ने विचार व्यक्त किए। गौतम श्रीश्रीमाल ने गीत की प्रस्तुति दी। संघ मंत्री छगनमल लुणावत ने धर्मसभा का संचालन किया।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व हिन्दू परिषद हुब्बल्ली महानगर जिला व श्री जगद्गुरु सदा शिवानन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में शिशु केयर सुपर चिल्ड्रन हॉस्पिटल के सहयोग से महानगर के उनकल प्रखंड में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया।

जिसमें अनेक परिजनों ने अपने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। जिसमें डॉ अलोक पाटिल ने परीक्षण कर आवश्यक

दिशा निर्देश प्रदान कर दवाइयाँ दी। विहिप महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चन्द्रा डंक ने बताया कि महानगर के 10 प्रखंडों में सेवा योजना के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। पहले शिविर में अनेक परिजनों ने अपने बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करवाई और शिविर आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान सत्संग प्रमुख अरुण प्रभु, अक्कीहोंडा प्रखंड पूर्व अध्यक्ष खेतसिंह राजपुरोहित, सह सेवा प्रमुख अविनाश बेंद्रे, रामचन्द्र हडगल, उमेश हेडली सहित अन्य विहिप के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्ञानवर्धक रोचक धार्मिक खेल का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी के विनीत सुशिष्य श्री मुनिराज मलयप्रभसा-गरजी एवं गुरुवर्या श्री प्रियस्वर्णजनाश्रीजी की पावन निश्रा में श्री जिनकुशलसूरि जैन आराधना भवन के पवित्र प्रागण में कांति- मणि धार्मिक खोखो खेल का आयोजन किया गया। टीम पराक्रम रोमांचिक मुकाबले को जीत कर कांति- मणि धार्मिक आयोजन की विजेता रही, जबकि उपविजेता टीम विक्रम रही। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालाणी, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवाणी, तनसुख गुलेच्छा, राजेन्द्र गुलेच्छा, ललित डाकलिया ने विजेता टीम पराक्रम एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मैन ऑफ द सिरीज तेजस छाजेड़, सब से ज्यादा रन बनाने वाले लेविस कवाड़, सब से ज्यादा विकेट लेने वाले भरत गटागट एवं सन्नी रांका रहे।

इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था तनिष्ठ सांखला, कुणाल मरलेचा, गौरव संखलेचा ने संभाली। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में रियायती दर पर लिपिड एवं थाइरॉइड प्रोफाइल टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। लिपिड प्रोफाइल में कुल सात टेस्ट एवं थाइरॉइड प्रोफाइल में तीन टेस्ट शामिल थे। इस शिविर से कुल 123 सदस्य लाभान्वित हुए। सभी सदस्यों को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं से अवगत करवाया गया। स्थानीय लोगों ने मानव सेवा के इस उपक्रम की सराहना की एवं समय समय पर विशेष अवसरों पर शिविर लगाने हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। स्व. सुखराज हिंगड की पुण्यस्मृति में धर्मपत्नी सूरज देवी हिंगड, टीकमचंद, नवीन, ऋषभ हिंगड परिवार ने प्रायोजक के रूप में अपना अर्थ विसर्जन कर शिविर आयोजन करने में अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। शिविर के सुव्यवस्थित आयोजन करने में तेयुप पूर्व अध्यक्ष अरविंद गन्ना, अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, मुकेश भंडारी, जयंतीलाल गांधी एवं विनोद कोठारी का विशेष सहयोग रहा। एटीडीसी स्टाफ स्मिता, दीपा, श्यामला एवं दीपाश्री का विशेष श्रम नियोजित हुआ।

भक्ति की शक्ति सर्वश्रेष्ठ शक्ति: साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी धर्मप्रभा जी ने कहा कि भक्ति की शक्ति सर्वश्रेष्ठ शक्ति है। इस शक्ति में वो सामर्थ्य है कि कभी-कभी भगवान को भी इस मृत्युलोक में आना पड़ता है। भक्ति तभी सच्ची कहलाती है जब उसमें सच्चा समर्पण, विश्वास, आस्था एवं श्रद्धा का मिश्रण होता है। उन्होंने कहा कि भारत की इस पावन- पवित्र भूमि पर बड़े - बड़े भक्तों का जन्म हुआ जैसे कि - सूरदास, कबीरदास, केशवदास, मीराबाई, बिहारी, तुलसीदास, करमाबाई आदि। इन्हीं भक्तों की लिस्ट में एक बड़ा ही प्रसिद्ध नाम आता है नरसी भक्त का। जिन्होंने श्रीकृष्ण वासुदेव की सच्ची भक्ति की। इसी भक्ति पर प्रसन्न होकर त्रिखण्डाधिपति नरसी भक्त की बेटी नानी बाई का मायरा भरने के लिए आए। भक्ति में वो शक्ति होती है कि भक्ति की भावना कभी-कभी चट्टानों को भी हिला देती है। भक्ति महामूल्यवान औषधि है, महारसायन है, साधना

का महाप्रयाण है। श्रद्धापूर्वक समर्पण भाव ही भक्ति की सच्ची परिभाषा है। भक्ति एक ऐसी ताकत है जो भक्त को भगवान बना देती है। सच्ची भक्ति की तरंगें जब श्रद्धेय तक पहुंचती है तो अच्छे-अच्छों के शासन हिला देती हैं। भक्ति की थी चंदनबाला ने प्रभु महावीर की तो तीर्थकर भगवान महावीर को भी चन्दनबाला की द्रव्य और भाव बेड़ियाँ तोड़ने के लिए उसके द्वार तक जाना पड़ा। भक्ति में यदि स्वार्थ, मोह, आसक्ति, राग-द्वेष की मिलावट हो जाए तो वो भक्ति भक्ति ना रहकर मात्र आडम्बर और दिखावा बनकर रह जाती है। आडम्बर और दिखावा करने वाले भक्त इस धरती पर लाखों-करोड़ों मिल जाएंगे, मगर सच्चे भक्त लाखों में कोई एक। इस अवसर पर साध्वी धर्मप्रभाजी ने नानी बाई रो मायरो का रोचक कथानक सुनाया, जिसे सुनकर धर्मसभा में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धाल-ुगण भावविभोर हो गए। इस मौके पर पारसमल लोढा, राजेन्द्र कोटरिया, रतनलाल सिंघवी, अशोक धोका, तगतराज बाफना, देवराज कोठारी, मिश्रीमल कारिया, पदम आछा, सुरेश चन्द छल्लाणी, सुरेश बागरेचा,

सुशील आधा, मीठा लाल मकाणा, रिकव चन्द मेहता, रमेश खाबीया, उत्तम चन्द बांठीया, विकास कोठारी , नेमीचन्द भन्साली, गौतम चन्द बोहरा, ज्ञानचंद पोखरणा आदि कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाभ संघ अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, किशोर कुमार यक्ष कोटारिया ने लिया। लाभार्थी परिवार एवं सभा में पधारे हुए गणमान्य व्यक्तियों का हनुमन्तनगर संघ के अध्यक्ष गौतम चन्द सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका, हुकमीचन्द बाफणा, कल्याण सिंह बुरड, हुकमीचन्द कांकरिया, नेमीचन्द दक, पारसमल दुग्गडू, संजय सिंघवी, रमेश गुन्देचा ने स्वागत किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदीके द्वारा सदाशिव नगर स्थित श्री कृष्ण देव राय कला मंदिर में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों एवं कन्नड़ माध्यम मैट्रिक एवं पीयूसी में 95 प्रतिशत से ज्यादा अंक अर्जित करने वाले मेधावी छात्रों को समारोह अध्यक्ष महेंद्र मुणोत, मुख्य अतिथि बीबीएमपी के मुख्य अभियंता डीजे प्रसाद, वेदीके अध्यक्ष कृष्णप्पा, हरि कृष्ण एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया।*

तुंगभद्रा जलाशय के शिखर द्वार की चेन टूटी, नीचे की ओर बाढ़ का खतरा

जिले के प्रभारी मंत्री ने लिया जायजा

विजयनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के होसपेट के पास तुंगभद्रा जलाशय में क्रेस्ट गेट नंबर 19 की चेन लिंक शनिवार देर रात टूट गई, जिससे नीचे की ओर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया हैं, क्योंकि गेट से लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बह रहा है। जलाशय के अधिकारियों ने तत्काल अलर्ट जारी कर लोगों से नदी में न जाने को कहा, क्योंकि कभी भी पानी का बहाव 2 लाख क्यूसेक तक बढ़ सकता है।

जलग्रहण क्षेत्र में बारिश कम होने के कारण जलाशय में पानी का बहाव कम हो गया, जिसके कारण शनिवार को बांध के अधिकारियों ने डिस्चार्ज को करीब 28,000 क्यूसेक कम कर दिया, ताकि जलाशय का पूर्ण स्तर (एफआरएल) 1633 फीट बना रहे और कुल भंडारण 105.788 टीएमसीएफटी हो। क्रेस्ट गेट नंबर 19 की चेन लिंक रात करीब 10.50 बजे टूटने के बाद टूटे गेट पर दबाव कम करने के लिए सभी 33 क्रेस्ट गेट खोल दिए गए। डिस्चार्ज धीरे-धीरे बढ़ता गया और रविवार सुबह एक लाख क्यूसेक तक पहुंच गया। अधिकारियों ने कहा कि स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों में दक्षता के स्तर को कम करने के लिए डिस्चार्ज बढ़ाया गया था। घटना के बाद शनिवार रात कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज थंगदागी और विधायक राघवेंद्र हितनाल ने जलाशय का दौरा किया और इसका निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में 19वें गेट की हकीकत पता कर उसकी मरम्मत कराना संभव नहीं है। यदि मरम्मत करनी है तो जलाशय से 65 टीएमसी पानी निकालना होगा। 120 टीएमसी क्षमता वाले तुंगभद्रा जलाशय में आधा पानी खत्म करने की जरूरत है। 1633 फीट पानी में 20 से 25 फीट पानी की निकासी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 19वें गेट से 35 क्यूसेक पानी जा रहा है और बाकी 30 गेट से कुल एक लाख क्यूसेक पानी की निकासी हो रही है। इस घटना को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के संज्ञान में लाया गया है। उनके इस स्थान का दौरा करने की भी संभावना है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मरम्मत कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि जलाशय से भारी मात्रा में पानी खाली होने के कारण अगली गर्मियों में पीने के पानी की समस्या होने की आशंका है। भारी मात्रा में पानी निकलने के कारण 20 फीट पानी खाली होने पर ही गेट दिखाई देता है। चूंकि गेट की चेन का लिंक पूरी तरह टूटा हुआ है, इसलिए पता नहीं चल रहा है कि गेट कहां है। संबंधित इंजीनियर बांध का खाका उन डिजाइनरों के पास भी ला रहे हैं जो जलाशय के निर्माण के समय वहां मौजूद थे। विशेषज्ञों और बांध का डिजाइन ब्लूप्रिंट मिलने के बाद अगला निर्णय लिया जाएगा। अगर एक साथ बांध से पानी छोड़ा गया तो आसपास के गांवों के लिए परेशानी खड़ी हो जायेगी। इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पहले ही सभी को सचेत कर दिया

उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी ने पहले ही सभी को सचेत कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक 2.35 लाख क्यूसेक तक पानी छोड़ा जा सकता है। यह कोई समस्या नहीं होगी। गांव नहीं डूबेंगे, लेकिन कुछ हद तक फसल को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि अधिक पानी छोड़े जाने पर नुकसान की आशंका है। सूखे से जूझ रहे लोग बारिश से खुश दिखे। जलाशय लबालब होने से इस क्षेत्र के लोग स्वाभाविक रूप से खुश थे। उम्मीद थी कि फसलों, लोगों और पशुधन को लाभ होगा। लेकिन क्रेस्ट गेट का चेन लिंक रातोंरात लीक हो रहा है और बांध में जमा भारी मात्रा में पानी को अनावश्यक रूप से छोड़ना पड़ रहा है, इसलिए संभावना है कि किसानों को भविष्य में और भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। 69 साल पहले बना यह बांध चेनलिंक के अनुचित रखरखाव के कारण टूट गया। इस बार अच्छी बारिश के कारण जलाशय लबालब हैं। लेकिन ऐसी आलोचनाएँ हुई हैं कि पानी को रोकने के लिए कोई एहतियाती कदम नहीं उठाए गए हैं।

कांग्रेस के किसी नेता ने नहीं कहा कि सीएम बदलेंगे: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि किसी भी कांग्रेस नेता ने यह नहीं कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बदल जायेंगे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने साफ किया कि ऐसी चर्चाएं अप्रासंगिक हैं और सिद्धरामैया अपने पद पर बने रहेंगे। हमारी पार्टी के किसी नेता ने इस बारे में कोई बयान नहीं दिया है। भाजपा-जेडीएस के नेता घूम-घूम कर दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति नहीं देनी चाहिए। कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया और राज्यपाल को सलाह दी गई कि इस संबंध में दायर शिकायत को खारिज कर दिया जाए और कारण बताओ नोटिस वापस ले लिया जाए। इसके बावजूद अगर वे जारी रहे तो हमारे लिए भी कानूनी लड़ाई अपरिहार्य होगी। लेकिन हमें नहीं लगता कि राज्यपाल कानून छोड़कर कोई फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें कानून के मुताबिक काम करने की उम्मीद है। संसद सत्र समाप्त होने के बाद राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए जाने की चर्चाओं पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा, हम इंतजार करेंगे

और देखेंगे कि राज्यपाल क्या करेंगे। यदि निर्णय निष्पक्षता से लिया गया तो हम सहमत होंगे। अन्यथा, कानूनी लड़ाई अपरिहार्य होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ दायर पॉक्सो मामले में हाई कोर्ट द्वारा जारी स्थगन आदेश को हटाने के लिए सरकार कार्रवाई करेगी। अभियोजक पहले ही अपील दायर कर चुका है। उन्होंने कहा कि महाधिवक्ता या अगली सुनवाई में जो भी उपस्थित होगा, उसके आधार पर राज्य सरकार की ओर से सक्षम दलील पेश की जायेगी। पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले आम तौर पर गैर-जमानती होते हैं। लेकिन जज ने स्थगन आदेश दे दिया। राज्य सरकार के वकील कोर्ट के समक्ष तथ्य स्पष्ट करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंधात्मक आदेश को दूर करने का प्रयास किया जायेगा। इस तथ्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और क्रीम लेयर से ऊपर के लोगों को आरक्षण से बाहर करने का निर्णय लेने का अनुरोध किया था, उन्होंने कहा, मेरे जो भी विचार हैं, वह व्यक्तिगत हैं। एआईसीसी विचार-विमर्श करती है और उसके आधार पर निर्णय लेती है, जिसके लिए राज्य इकाई को दिए गए निर्देश महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हम बाद में प्रतिक्रिया देंगे।

26 अगस्त को बेंगलूरु में कम्बाला सत्र की होगी शुरुआत

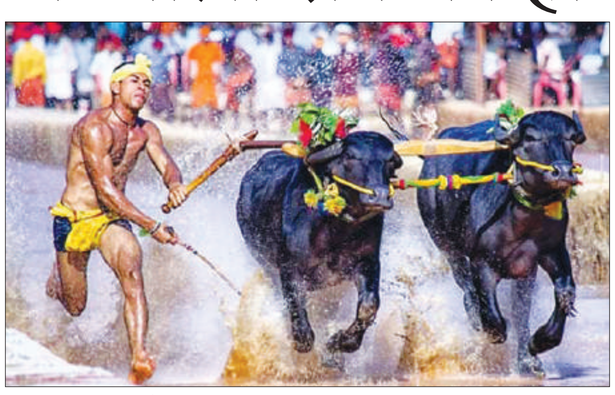

शिवमोग्गा में होगा फाइनल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कम्बाला सत्र 26 अगस्त को बेंगलूरु में शुरू होगा, जिसमें जिला कम्बाला समिति के नेतृत्व में कुल 26 कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। यह सत्र 19 अप्रैल, 2025 को शिवमोग्गा में अंतिम कम्बाला के साथ समाप्त होगा। जिला कम्बाला समिति के अध्यक्ष बेलापु देवीप्रसाद शेट्टी ने विवरण साझा करते हुए कहा कम्बाला दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में अनुशासित तरीके से आयोजित किया जा रहा है और इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसकी अपील को बढ़ाने के लिए, संबंधित कम्बाला समितियों को विशिष्ट नियमों का पालन करना होगा, जिसमें देरी को रोकने और कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उप-नियम बनाए जाएंगे। शेट्टी ने यह भी घोषणा की कि पिलिकुला कम्बाला, जिसे रोक दिया गया था, इस साल फिर से शुरू होगा। कम्बाला को पर्यटन में एकीकृत करने के लिए तुलुनाडा वैभव कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। साथ ही कम्बाला से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, एक कम्बाला भवन का निर्माण भी किया जाएगा।

शेट्टी ने कहा सरकार को प्रत्येक कंबाला कार्यक्रम के लिए पांच लाख रुपये आवंटित करने चाहिए। एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की है और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मछली पकड़ते समय नाले में गिरने से व्यक्ति की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के सस्ताना कोडी में मछली पकड़ते समय एक व्यक्ति की नाले में गिरने से मौत हो गई। शनिवार को उसका शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान राजू मरकला (60) के रूप में हुई है। वह कोटा के पास यक्षिमाता का निवासी था।

वह 8 अगस्त को अपने घर के पास कोडी नाले में मछली इकट्ठा करने गया था और लापता हो गया। शनिवार सुबह स्थानीय मछुआरों ने उसका शव उसी नाले में तैरता हुआ देखा। उन्होंने घटना की सूचना कोटा पुलिस स्टेशन और ग्राम पंचायत को दी। बाद में पुलिस ने जीवनमित्र टीम की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला।

तुंगभद्रा बांध गेट की मरम्मत पर हो रही चर्चा : शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य के पानी को किसी तरह बचाने के लिए तुंगभद्रा बांध के गेट की मरम्मत करने पर चर्चा हो रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने साइट पर रवाना होने से पहले रविवार सुबह बेंगलूरु में अपने आवास पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा हम जल संरक्षण का प्रयास करेंगे। हमारी राय और किसानों की राय जो भी हो, विशेषज्ञों की राय महत्वपूर्ण है। उसके मिलने के बाद हम आगे का निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि बांध में क्रेस्टगेट के लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक पानी नहीं छोड़ा

जाएगा तब तक गेट की मरम्मत नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि तकनीशियन की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। बांध के गेट 1 से 16 तक का रखरखाव सीडब्ल्यूसी द्वारा किया जाता है। 17 से 32 तक के लिए कर्नाटक सरकार जिम्मेदार है। केंद्रीय जल आयोग ने कुछ तकनीशियन भी भेजे हैं। हमने कुशल तकनीशियन भी भेजे हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी शनिवार रात से फोन पर अधिकारियों के संपर्क में हूं और पल-पल की जानकारी ले रहा हूं। तुंगभद्रा बांध के 19वें गेट की चेन लिंक टूटने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। भारी मात्रा में पानी बह रहा है और बांध की सुरक्षा को देखते हुए सभी गेट खोलकर पानी नदी में छोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बांध और नदी बेसिन के निचले हिस्से के सभी लोगों को सावधान रहने का निर्देश दिया गया है। यह बेहद गंभीर मामला है जब सवाल उठता है कि क्या आने वाले दिनों में पानी की कमी होगी। मैं इसमें किसी की नहीं सुनता। स्थानीय लोग और किसान कुछ राय सुझा रहे हैं। सभी की राय का सम्मान किया जाएगा। लेकिन अंततः तकनीशियन की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों का कल्याण हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

सरकार की गैरजिम्मेदारी से तुंगभद्रा बांध खतरे में: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तुंगभद्रा बांध के 19वें क्रेस्टगेट की चेन टूटने के मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है और सरकार कह रही है कि फिलहाल बांध की सुरक्षा प्राथमिकता है। विपक्षी दलों ने बांध को खतरे में डालने के लिए सरकार की गैरजिम्मेदारी की आलोचना की है। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बेल्लारी, रायचूर, विजयनगर जिले के किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। बांध को खाली करने के लिए डिस्चार्ज बढ़ने के खतरे को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पानी के बहाव वाले हिस्से के गांवों के लोगों को हटाया जा रहा है। अभी चिंता करने की जरुरत नहीं है। एक राय यह भी है कि बांध सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण करने के बाद तथ्यों का पता चलेगा। अधिकारियों और विशेषज्ञों की एक टीम बैठकें और परामर्श कर रही है। दो-तीन दिन में पानी कम होने के बाद गेट लगाने का मरम्मत कार्य अमल में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह किसानों के हितों की रक्षा का

प्रयास करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने क्रेस्ट गेट तोड़ने को लेकर राज्य सरकार की गैरजिम्मेदारी की आलोचना की है। बांध की जांच के लिए इंजीनियरों समेत अधिकारियों की एक टीम होती है। समय-समय पर इनकी समीक्षा की जानी चाहिए। इसके अलावा बांध प्रबंधन समिति में केंद्र सरकार के अधिकारी भी हैं। उन्होंने सुरक्षा मुद्दों पर बार-बार सलाह दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस पर तत्काल ध्यान देना चाहिए था। उन्होंने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि जब वह सत्ता में थे तो उन्हें तुंगभद्रा बांध के विकल्प के रूप में एक संतुलित बांध के निर्माण के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन परियोजना अनसुनी कर दी गई। पूर्व मंत्री हलप्पा अचार ने कहा कि तुंगभद्रा बांध में बड़ा अन्याय हुआ है। यदि सरकार ने सावधानी बरती होती तो संभावित अन्याय से बचा जा सकता था। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों के दुख-दर्द को न समझने वाले ही इस तरह का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार कर सकते हैं। बांध की सुरक्षा समिति के अधिकारी ओआरके रेड्डी ने बताया कि 28 गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। मौजूदा हालात पर पूरी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को दे दी गयी है। उन्होंने डैम की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वेल्डिंग कट के कारण 19वां गेट टूट गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसकी मरम्मत करायी जायेगी।

सीएम कल तुंगभद्रा जलाशय का करेंगे निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने तुंगभद्रा जलाशय के क्रेस्ट गेट कटने की घटना को लेकर जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की और पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री के मंत्रालय ने कहा कि मुख्यमंत्री मंगलवार को जलाशय का दौरा करेंगे और इसका निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री ने रविवार सुबह विभाग के प्रमुख सचिव गौरव गुप्ता से बातचीत की और पूरी जानकारी ली। उन्होंने किसी भी नुकसान से बचने के

लिए सावधानी बरतने की सलाह दी। सीएम ने शिवकुमार, विजयनगर जिले के प्रभारी मंत्री जमीर अहमद खान, कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज थंगदागी से भी चर्चा की।

महिला के दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी के बाद विहिप ने लव जिहाद का लगाया आरोप

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर की एक कॉलेज छात्रा विस्मया ने हाल ही में केरल के कासरगोड निवासी अशफाक से शादी की। इस शादी ने विवाद को जन्म दिया है, क्योंकि कुछ संगठनों ने जबरदस्ती का आरोप लगाया है। विस्मया के पिता विनोद ने 30 जून को उल्लाल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें मोहम्मद अशफाक पर उनकी बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाया गया। शिकायत में विनोद ने आरोप लगाया कि अशफाक, जो कथित तौर पर पहले से शादीशुदा है और उसके खिलाफ 15 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, ने विस्मया का धर्म परिवर्तन करने के इरादे से अपहरण किया। शिकायत के बाद विनोद ने अपनी बेटी का पता लगाने में सहायता के लिए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) से संपर्क किया। इन समूहों ने स्थिति को जबरदस्ती या लव जिहाद का मामला बताते हुए गहन जांच का आग्रह किया। पुलिस ने विस्मया का पता लगाया और शुरू में उसे परामर्श केंद्र भेजा। हालांकि, विस्मया ने अपने माता-पिता के पास लौटने से इनकार कर दिया और इसके बजाय एक रिश्तेदार के साथ रहने का फैसला किया। मौजूदा स्थिति के बीच, अशफाक ने विस्मया को खोजने में अदालत की सहायता का अनुरोध करते हुए एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की। जवाब में, केरल पुलिस ने विस्मया को अदालत में पेश किया, जहाँ उसने अशफाक के साथ रहने की इच्छा व्यक्त की। तब से उनकी शादी की तस्वीर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रही है। विस्मया मूल रूप से कासरगोड के विद्यानगर की रहने वाली है। वह एक साल कॉलेज छोड़ने के बाद कासरगोड की एक दुकान में काम करने से पहले मेंगलूरु में छात्रा थी। बताया जाता है कि दुकान के पास ही उसकी मुलाकात अशफाक से हुई थी। स्थानीय विहिप नेता शरण पंपवेल ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कहा अशफाक, जिसका आपराधिक इतिहास है, ने विस्मया से शादी की। हमें खेद है विनोद, हम आपकी बेटी को नहीं बचा सके। विस्मया का मामला लव जिहाद का एक स्पष्ट उदाहरण है। उसकी मदद करने के हमारे प्रयासों के बावजूद, वह इस हद तक प्रभावित हुई कि उसने अपने माता-पिता की बात नहीं मानी।

भाजपा–जेडीएस की पदयात्रा से और मजबूत हुई सिद्धरामैया की सीएम कुर्सी?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी जेडीएस और भाजपा की पदयात्रा के संघर्ष ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सीट को और मजबूत कर दिया है। सिद्धरामैया ने मुडा मामले में प्रभाव का इस्तेमाल किया है। भाजपा–जेडीएस पार्टियों ने उनसे अपने पद से इस्तीफा देने की मांग को लेकर बेंगलूरु से मैसूरु तक मार्च निकाला। ऐसी व्याख्याएं थीं कि इससे कांग्रेस पार्टी को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है, सिद्धरामैया के लिए यह परेशानी का सबब बन सकता है। लेकिन लगता है कि असर बिल्कुल उल्टा हुआ है। विपक्ष के संघर्ष का कांग्रेस ने राजनीतिक तौर पर जवाब दिया है। चूंकि पूरी पार्टी सिद्धरामैया के समर्थन में खड़ी हो गई है, इसलिए कांग्रेस के भीतर सिद्धरामैया के विरोधियों के मुंह भी बंद हो गए हैं। मार्च का जवाब

देने के लिए कांग्रेस ने एक दिन पहले पांच जगहों पर बड़ी रैलियां कीं और न सिर्फ शुरू से अंत तक इंच–इंच घटनाक्रम पेश किया, बल्कि भाजपा–जेडीएस नेताओं के जमीन घोटालों को भी उजागर किया। सबसे बढ़कर, कांग्रेस पार्टी में बड़ी एकता दिखाई गई है, जिसने सिद्धरामैया और सभी नेताओं के समर्थन में मजबूती से खड़े होने की अनिवार्यता पैदा कर दी है। सूत्रों के अनुसार सिद्धरामैया एक सार्वजनिक हस्ती हैं। उनका अपना एक वोट बैंक है। यह राय सर्वमान्य है कि सिद्धरामैया कांग्रेस के बावजूद चुनाव जीत सकते हैं और जिसे चाहें हरा सकते हैं। उन्होंने उस समय एबीपीजेडी की स्थापना की थी जब यह बहुत प्रभावशाली नहीं थी और जनता दल की हार की शुरुआत हुई थी। कांग्रेस में आने और मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सत्ता में लागू कार्यक्रमों की बदौलत न सिर्फ अपने अनुयायी बनाए बल्कि वोट बैंक भी मजबूत किया। ऐसे में स्थिति यह बन गई है कि सिद्धरामैया कांग्रेस पार्टी के लिए अपरिहार्य हो गए हैं। यह गणित कि पदयात्रा के जरिए सिद्धरामैया को सत्ता से हटाया जा सकता है, पूरी तरह से पलट गया है। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से सिद्धरामैया के साथ है और यहां तक कि विधायक भी इस बात से सहमत दिख रहे हैं कि सिद्धरामैया ही राज्य के सर्वोच्च नेता हैं। ऐसे में भाजपा–जेडीएस की पदयात्रा व्यर्थ होती नजर आ रही है। साफ है कि मुडा मामले में कानूनी संघर्ष ही असर डाल सकता है, लेकिन पदयात्रा या राजनीतिक संघर्ष व्यर्थ प्रयास है। राजनीति में यह एक अनकहा सत्य है कि शीशे के घर के अंदर वालों को बाहर वालों पर पत्थर नहीं फेंकना चाहिए। तदनुसार, मार्च के निराशाजनक नतीजे ने विपक्ष को परेशान कर दिया है क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी को हिलाने की कोशिश बेकार हो गई है क्योंकि कांग्रेस आलाकमान सिद्धरामैया के साथ खड़ा है।

कई त्योहारों के मद्देनजर केले की कीमतों में हो रही तेजी से वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

त्योहारों की एक श्रृंखला और शुभ समारोह अक्सर श्रावण के महीने के दौरान आयोजित किए जाते हैं। इसलिए पूजा के लिए जरूरी केले की कीमत दिन–ब–दिन आसमान छू रही है। वरमहालक्ष्मी के त्योहार में कुछ ही दिन बचे हैं, इसलिए इसके और बढ़ने की संभावना है। कुछ महीने पहले 50 से 60 रुपये प्रति किलो बिकने वाली यलक्की केला अब 120 से 150 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इससे फल नहीं बिकने से सड़क किनारे ठेले पर केला बेचने वालों को परेशानी हो रही है। कई बार वे 100 रुपये प्रति किलो वसूलते हैं। नहीं बिकने के कारण केले खराब हो रहे हैं। यहां तक कि केले के व्यापारी जो सीधे किसानों से खरीदकर फलों को घर पर रखते हैं, भंडारण करते हैं और समय पर जनता और नागरिकों तक पहुंचाते हैं, वे भी इस सड़े हुए केले को लेकर परेशान और असहाय हैं।

केले को ज्यादा दिनों तक रखकर बेचा नहीं जा सकता। किसानों और व्यापारियों का कहना है कि फल पकते ही उन्हें बेच देना चाहिए, चाहे दाम ज्यादा हो या कम, केला उत्पादकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि किसान कई समस्याओं से जूझ रहे हैं जैसे वर्षा जल की कमी, रोग और कीट, बाजार में निश्चित मूल्य न मिलना, बिचौलियों द्वारा शोषण, परिवहन में बहुत सारे फलों का नष्ट हो जाना और सक्षम न होना आदि समस्याएं हैं। वे इसे किसानों से औने–पौने दाम पर खरीद कर लाते हैं और बाजार में ऊंचे दाम पर बेचते हैं। यहां व्यापारियों को कोई लाभ नहीं है और किसानों को भी कोई लाभ नहीं है। बिचौलियों को ही अधिक लाभ हो रहा है। वरमहालक्ष्मी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, श्रावण शनिवार, गौरी–गणेश और कई अन्य त्योहार आने वाले हैं और यालक्की केले की कीमत में और वृद्धि होने की संभावना है। हरे केले की कीमत भी बढ़ेगी, जो 20 से 30 रुपये प्रति किलो बिक रहा था।

टॉयलेट में हिडन कैमरा लगाने के आरोप में कॉफी शॉप का कर्मचारी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महिला द्वारा कॉफी शॉप के टॉयलेट में हिडन कैमरा पाए जाने के बाद, बेंगलूरु पुलिस ने एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है, जिसने वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए महिला टॉयलेट के डस्टबिन में मोबाइल फोन छिपाया था।

यह घटना शनिवार को बेंगलूरु के बीईएल रोड की है। इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देने वाले एक सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, फोन को टॉयलेट सीट के सामने वॉशरूम के डस्टबिन में छिपाया गया था, और करीब दो घंटे तक वीडियो रिकॉर्डिंग चलती रही। कथित तौर पर फोन को फ्लाइट मोड पर रखा गया था और डस्टबिन बैग में छिपाया गया था, जिसमें एक छेद किया गया था ताकि केवल कैमरा ही दिखाई दे। जल्दी ही पता चला कि फोन वहां काम करने वाले पुरुषों में से एक का था। पुलिस को सूचना दी गई और वे जल्द ही वहां पहुंच गए।

यह देखना बहुत भयानक था। मैं अब से जिस भी वॉशरूम का इस्तेमाल करूंगा, वहां सतर्क रहूंगा, चाहे वह कैफे या रेस्तरां की चेन कितनी भी प्रसिद्ध क्यों न हो। मैं आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करता हूं। यह बिल्कुल घृणित है। पोस्ट का जवाब देते हुए, कॉफी शॉप प्रबंधन ने कहा कि हमारे ग्राहकों की सुरक्षा और भलाई हमेशा हमारी प्राथमिकता है। कॉफी शॉप की सख्त शून्य सहनशीलता नीति है और बीईएल रोड स्टोर में संदिग्ध व्यक्ति को तुरंत बर्खास्त कर दिया गया है, साथ ही आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

पुलिस ने कॉफी शॉप पहुंचकर मामले की पुष्टि की, आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान 23 वर्षीय मनोज के रूप में हुई है, और उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी भद्रावती का निवासी है, जो कुछ समय से कॉफी शॉप में काम करता था। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने पहले भी इसी तरह के वीडियो बनाए हैं।

रिश्तेदार की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। चिंतामणि ग्रामीण पुलिस ने शनिवार को 5 अगस्त को कथित आर्थिक विवाद के चलते कैवारा गांव में घर में अकेली महिला की हत्या करने के आरोप में 30 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पीड़िता ललितम्मा, सरकारी स्कूल के सामने अपने घर में दिनदहाड़े खून से लथपथ मृत पाई गई। उसकी 1 लाख की सोने की चेन गायब थी। चिक्कबल्लापुर जिले के पुलिस अधीक्षक कुशल चौकसे ने बताया कि घटना के समय पीड़िता का बेटा और बहू काम पर गए हुए थे।

हत्या से निवासियों में दहशत फैल गई, जिसके बाद पुलिस ने हमलावरों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम बनाई। डिजिटल साक्ष्यों के सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बाद, पुलिस ने पीड़िता के दूर के रिश्तेदार टी.एस. देवराजू पर ध्यान केंद्रित किया और एक बाइक और सोने की चेन बरामद की, जिसे उसने 90,000 में गिरवी रखा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि शिदलाघट्टा के थुम्मेनहल्ली गांव का रहने वाला देवराजू अक्सर ललिताम्मा के घर आता–जाता था। आरोपी ने बताया कि ललिताम्मा के साथ उसका कुछ वित्तीय विवाद था, जिसके चलते उसने हत्या की।

सी–कैंप बीआईआरएसी राष्ट्रीय जैव उद्यमिता प्रतियोगिता में 19 स्टार्ट–अप

5 छात्रों ने जीते 15 करोड़

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के सहयोग से बेंगलूरु में आयोजित सी–कैंप राष्ट्रीय जैव उद्यमिता प्रतियोगिता (एनबीईसी) 2024 में 19 स्टार्ट–अप और 5 छात्र नवप्रवर्तक विजेता बने। विजेता स्टार्ट–अप को कुल 15 करोड़ रुपये नकद पुरस्कार और निवेश के अवसर मिले, जबकि छात्रों के नेतृत्व वाली टीमों ने ग्रैंड फिनाले में प्रस्तुत विभिन्न पुरस्कारों में 5 लाख रुपये नकद पुरस्कार प्राप्त किए।

चयनित विजेताओं को प्रमुख उद्योग नेताओं के साथ साझेदारी के माध्यम से मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस वर्ष की प्रतियोगिता में 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 3,300 से अधिक आवेदन आए, जिनमें टियर 2 और टियर 3 शहरों से काफी संख्या में आवेदन आए, जो देश के छोटे शहरों से उभर रहे जैव प्रौद्योगिकी विचारों की गुणवत्ता और गहराई को प्रदर्शित करते हैं।

विजेता परियोजनाओं में कैंसर स्क्रीनिंग और चिकित्सा, त्वरित निदान, गैर–संचारी रोगों के लिए चिकित्सा, त्वचा संबंधी स्वास्थ्य, स्वास्थ्य अनुप्रयोगों के लिए एआई संचालित डेटा विश्लेषण, पशु स्वास्थ्य, कृषि, जलीय कृषि, जल और स्वच्छता सहित अपशिष्ट जल उपचार, खाद्य और न्यूट्रास्युटिकल्स, जैव ईंधन, बायोपॉलिमर और स्वच्छ प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान किया गया। जूरी टीम की अध्यक्षता कर्नाटक के स्टार्ट–अप विजन ग्रुप के चेयरमैन और एक्सेल पार्टनर्स के पार्टनर प्रशांत प्रकाश ने की और इसमें एनबीईसी 2024 के पार्टनर विन फाउंडेशन, नोवोनेसिस, एंथम बायोसाइंसेज, माहिको, ऑरिजेन, लोरियल रिसर्च एंड इनोवेशन, सोशल अल्फा, इंडियन एंजल नेटवर्क और बायो एंजल्स, आईआईएमए वेंचर्स, एक्सेल, मॉलिक्यूलर कनेक्शन, बायोकॉन, बायोकॉन बायोलॉजिक्स, सिंजेन, सिनैप्स और बायोकॉम्बिनेटर के विशेषज्ञ शामिल थे।

नवीनता, मापनीयता और व्यावसायिक क्षमता मापदंडों के आधार पर कुल 62 प्री–फाइनलिस्ट स्टार्टअप्स में से 22 फाइनलिस्ट चुने गए। पुरस्कार प्रदान करने वाले आईटी–बीटी और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि राज्य सरकार उद्यमियों को समर्थन देने के लिए अपनी योजनाओं और नीतियों को लगातार विकसित कर रही है, खासकर जैव–उद्यमिता के चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में। लंबे समय तक सीखने की प्रक्रिया और गर्भधारण अवधि के साथ, जैव–उद्यमी वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को गति देने और जैव प्रौद्योगिकी स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नाटक देश की जैव–अर्थव्यवस्था में लगभग पाँचवाँ हिस्सा योगदान देता है, और एनबीईसी जैसी पहलों ने हमारे प्रतिभा पूल की सफलतापूर्वक पहचान की है और उसका पोषण किया है।

सी कैंप बेंगलूरु के जैव–उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र में रहा है, जो युवा उद्यमियों को नवाचार करने, इनक्यूबेट करने और बदलाव लाने के लिए समर्थन और पोषण देता है। उन्होंने कहा कि एनबीईसी समूह न केवल अभिनव समाधानों को बढ़ावा देगा, बल्कि आर्थिक विकास में भी योगदान देगा, रोजगार सृजित करेगा और वैश्विक बाजार में भारत की उपस्थिति को बढ़ाएगा।

सीपी योगेश्वर के दिल्ली दौरे से काफी दिलचस्पी जगी

चन्नपटना उपचुनाव में टिकट के हैं दावेदार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

किसी भी वक्त होने वाले रामनगर जिले के चन्नपटना उपचुनाव के सिलसिले में पूर्व मंत्री और वर्तमान विधान परिषद सदस्य सी.पी.योगेश्वर दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में होने वाली बैठक में सीपी योगेश्वर से बातचीत की संभावना है। इसीलिए पार्टी नेताओं ने उन्हें दिल्ली आने का निमंत्रण दिया है और योगेश्वर के अगले राजनीतिक कदम को लेकर राजनीतिक हलके में यह दिलचस्पी जगी है कि क्या दिल्ली में होने वाली बातचीत के दौरान उन्हें चन्नपटना सीट से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा जाना चाहिए? क्या निर्वाचन क्षेत्र जेडीएस को सौंप दिया जाना चाहिए? हालांकि चर्चा के बाद ही पता चल पाएगा। टिकट नहीं मिलने पर वह निर्दलीय चुनाव लड़ने की सोच रहे थे। इसकी पुष्टि करने के लिए योगेश्वर प्रशंसक समूह ने शहर के सरकारी प्री–ग्रेजुएशन कॉलेज फॉर बॉयज के परिसर में एक सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई है।

उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने को लेकर राय जुटाने के लिए सम्मेलन करने की योजना बना रहे योगेश्वर को भाजपा आलाकमान ने दिल्ली आने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के इस्तीफे से खाली हुए चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव लड़ने के इच्छुक योगेश्वर को गठबंधन नेताओं से उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली। गैर पार्टी के तौर पर मैदान में उतरने के इरादे से उन्होंने एक बड़ा सम्मेलन आयोजित कर अपनी ताकत दिखाने की योजना बनाई थी। भाजपा–जेडीएस की पदयात्रा से दूर रहकर बगावत का झंडा बुलंद करने वाले योगेश्वर ने निकट भविष्य में चन्नपटना सीट पर होने वाले उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया था, जिन्हें पूरा भरोसा था कि उन्हें जीत मिलेगी। उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि वह गठबंधन के उम्मीदवार होंगे। लेकिन केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने उनकी इस इच्छा पर पानी फेर दिया।

उन्होंने चन्नपटना उपचुनाव में बेटे निखिल कुमारस्वामी को टिकट देने की पैरवी की। बदले में, योगेश्वर विपक्ष को स्पष्ट संदेश भेजने के लिए अपने राजनीतिक निर्णय की घोषणा करने के लिए तैयार थे। सीपी योगेश्वर सम्मेलन के जरिए विरोधियों को सबक सिखाना चाहते थे, लेकिन पार्टी के केंद्रीय नेताओं के बुलावे के बाद सम्मेलन रद्द कर दिया गया।

इससे राजनीतिक फैसला लेने में जल्दबाजी कर रहे सीपी येगेश्वर को निराशा हाथ लगी। सोमवार को दिल्ली में बैठक होगी और तय होगा कि बहुमत का टिकट किसे मिलेगा। सीपी योगेश्वर का अगला फैसला बैठक के बाद पता चलेगा। इस प्रकार, चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव ने काफी दिलचस्पी पैदा कर दी है।

पदयात्रा के बाद असंतुष्ट भाजपा नेताओं की गुप्त बैठक

अलग संघर्ष की योजना

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस के खिलाफ भाजपा–जेडीएस की पदयात्रा में शामिल नहीं होने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने एक गुप्त बैठक की। भाजपा के वरिष्ठ नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली के नेतृत्व में बेलगावी शहर के एक निजी होटल में असंतुष्ट लोगों की एक गुप्त बैठक हुई और उन्होंने पिता–पुत्र की पार्टी पर पकड़ को लेकर गहरा असंतोष व्यक्त किया। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली पहले ही भाजपा के भीतर असंतुष्ट लोगों को इकट्ठा करने में सफल हो गए हैं, जो अनुबंध की राजनीति कर रहे हैं। बीवाई विजयेंद्र और अशोक के कार्यों की निंदा की और पदयात्रा में भाग नही लिया।

भाजपा की पदयात्रा में बेलगावी जिले से कोई भी नेता शामिल नहीं हुआ। बालचंद्र जारकिहोली ने भी दूरी बनाए रखी। अब असंतुष्ट नेता बैठक कर वाल्मीकि घोटाले के खिलाफ कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ने की योजना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि यतनाल के नेतृत्व में एक और टीम सक्रिय हो रही है। इस ग्रुप की कार्यप्रणाली भाजपा के कद्दावर नेताओं के लिए अजीर्ण बन गई है।

हालांकि उत्तर कर्नाटक के प्रमुख नेताओं ने मैसूरु चलो पदयात्रा में भाग लिया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि कई नेता यतनाल के पीछे हैं। इसी बीच यतनाल, जारकीहोली के नेतृत्व में हुई बैठक ने कई संदेह पैदा कर दिए हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विपक्ष भारत में आर्थिक अराजकता क्यों पैदा करना चाहता है : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष पर करारा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हिंडनबर्ग एजेंसियों की जांच का सामना कर रहा है। हिंडनबर्ग द्वारा सात समंदर पार से एक सुर उठाया जाता है और सारा विपक्ष उस में ताल मिलाने लगता है। विपक्ष संसद सत्र के साथ उसका संबंध जोड़ देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि विपक्ष को यह पता था कि संसद सत्र के दौरान ही वो रिपोर्ट आनी थी।

उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से जब-जब संसद का सत्र चलता है तो विदेश से रिपोर्ट आती है। पिछले साल की

हिंडनबर्ग रिपोर्ट, बीबीसी डॉक्यूमेंट्री बजट सत्र शुरू होने से ठीक पहले जारी किए गए थे, जो संदेह पैदा करता है। विपक्ष को इस तथ्य के बारे में अच्छी तरह से पता था कि संसदीय सत्र से पहले ऐसा कुछ होने वाला है। कांग्रेस और विपक्ष भारत में आर्थिक अराजकता पैदा क्यों करना चाहता है? एलआईसी और एचएएल को भी पहले बदनाम किया गया था। विपक्ष अब सेबी पर हमले कर रहा है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि आप विदेशी कंपनियों के पक्ष में खड़े रहते हैं और देशी कंपनियों पर अटैक क्यों करते हैं? मैं कांग्रेस पार्टी से जानना चाहता हूं कि विदेशी कंपनियों से आपका नाता कितना पुराना है?

उन्होंने दावा किया था कि एलआईसी, एचएएल और एसबीआई घाटे में चल रहे थे। इस साल, एलआईसी ने 17,000 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया। एसबीआई ने 21,000 करोड़ रुपये और एचएएल ने 29,000 करोड़ रुपये लाभ दर्ज किए, जो अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं। राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने 1984 में यूनियन कार्बाइड, 1987 में बोफोर्स, अगस्ता वेस्टलैंड और हाल ही में बीबीसी और हिंडनबर्ग जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए कांग्रेस पार्टी पर विदेशी संस्थाओं का समर्थन करने का इतिहास होने का आरोप लगाया। संसद सत्र के समापन को लेकर उन्होंने कहा कि संसदीय सत्र की तारीखें बिजनेस एडवाइजरी कमेटी द्वारा निर्धारित की जाती हैं, जिसमें केवल सत्तारूढ़ दल ही नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। कांग्रेस और विपक्ष लगातार आर्थिक अस्थिरता और अराजकता क्यों फैलाना चाहती है?

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने संसद सत्र से पहले एक विदेशी एजेंसी की रिपोर्ट जारी की है ताकि सत्र के दौरान अस्थिरता पैदा की जा सके। मैं पूछना चाहता हूं कि संसद सत्र के समय ये विदेशी रिपोर्ट क्यों आती हैं? यह स्पष्ट है कि विपक्ष भारत में असंतुलन पैदा करना चाहता है। जब हम विपक्ष में होते हैं तो स्वदेशी आंदोलन की बात करते हैं, जबकि जब हम सत्ता में होते हैं तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हैं।

नटवर सिंह का 93 साल की उम्र में निधन, राजनेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का 93 वर्ष की उम्र में शनिवार को लंबी बीमारी के बाद गुड़गांव में निधन हो गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिवंगत नेता नटवर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री नटवर सिंह के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। अपने लंबे करियर में, उन्होंने एक प्रतिष्ठित राजनयिक से लेकर एक उत्कृष्ट सांसद तक की भूमिका निभायी। पद्म भूषण से सम्मानित, वह एक प्रसिद्ध व्यक्ति भी थे। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

श्री धनखड ने कहा, श्री सिंह ने

विदेश मंत्री के तौर पर तथा अन्य पदों पर राष्ट्र की सेवा की। वह अच्छे लेखक थे और उन्होंने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री सिंह ने साहित्य और सार्वजनिक क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। इसके लिए उन्हें सदैव याद रखा जाएगा। मैं दुःख की इस घड़ी में श्रीमती हेमिन्दर कौर, उनके पुत्र जगत सिंह तथा अन्य परिजनों और मित्रों एवं प्रशंसकों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। ॐ शांति।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, श्री नटवर सिंह जी के निधन से दुख हुआ, उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में समृद्ध योगदान दिया। वह अपनी बुद्धि के साथ-साथ विपुल लेखन के लिए भी जाने जाते थे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।ओम शांति।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री के नटवर सिंह जी के निधन पर हमारी गहरी संवेदना है। एक प्रशंसित बुद्धिजीवी और पद्म भूषण प्राप्तकर्ता, उन्होंने भारत की कूटनीति और विदेश मामलों में गहरा योगदान दिया। हमारी संवेदनाएं उनके उनके परिवार, दोस्त और अनुयायियों के साथ है।

गौरतलब है कि नटवर सिंह ने प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान मई 2004 से दिसंबर 2005 तक विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया।

कार पानी में बही नौ मरे, एक लापता

होशियारपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला के देहला गांव के एक ही परिवार के लोग शादी समारोह में भाग लेने होशियारपुर के महालपुर जा रहे थे। जैजो गांव के पास लगातार हो रही बारिश से बाढ़ आ गई। मौके पर स्थानीय लोगों ने चालक को आगे जाने के लिए मना किया लेकिन चालक ने कार को पानी से निकालने की कोशिश की लेकिन पानी के तेज बहाब में कार बह गई। दीपक भाटिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान महालपुर गांव के सुरजीत, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना (18), अंजू (20) और हरमीत (12) के रुप में की गयी हैं। घटना की सूचना पाकर प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लापता की तलाश शुरू कर दी है।

सैकड़ों किमी पैदल चल कर अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालु गदगद

जम्मू, 11 अगस्त (ब्यूरो)।

अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वालों में इस बार चार श्रद्धालु ऐसे भी हैं जो अमरनाथ यात्रा में शिरकत करने के लिए सैंकड़ों किमी पैदल चल कर इसमें शामिल हुए हैं। यह सच है कि भारत के विभिन्न राज्यों से चार यात्री गुरुवार को अमरनाथ की अपनी तीर्थयात्रा के 33वें दिन काजीगुंड पहुंचे थे और अब वे अमरनाथ गुफा में दर्शन भी करचुके हैं।

उन्होंने 850 किलोमीटर से अधिक पैदल यात्रा करने के बाद पवित्र गुफा की ओर अपनी यात्रा जारी रखते समय पत्रकारों से बात करते हुए अपने मिशन के बारे में बताया था। उनमें से एक मोहन सिंह भंडारी ने ने पत्रकारों के साथ अपने विचार साझा किया कि वे देवभूमि उत्तराखंड से हरिद्वार से अमरनाथ तक 850 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं। भंडारी ने जोर देकर कहा कि पैदल यात्रा का मुख्य उद्देश्य रास्ते में विभिन्न लोगों से मिलना है।

भंडारी कहते थे कि टीवी समाचार

चैनलों पर कश्मीर में यहां और वहां क्या हो रहा है, इस बारे में अलग-अलग खबरें होती हैं। वास्तव में, यदि हम किसी स्थान पर जाते हैं, तो हम वहां के लोगों से मिलते हैं और एक नया अनुभव प्राप्त करते हैं। हम स्थानीय लोगों के बारे में जानकारी इकट्ठा करते हैं। हम उस अनुभव को हासिल करने के लिए यह पदयात्रा कर रहे हैं।

भंडारी ने कश्मीरियों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे बहुत अच्छे लोग हैं और बहुत मददगार हैं। वीरवार को उनकी यात्रा का 24वां दिन था और वे औसतन हर दिन लगभग 30-35 किलोमीटर की यात्रा करते हैं। वे कहते थे कि अब जब हम कश्मीर पहुंच चुके हैं, तो पहलगाम पहुंचने में बस एक या दो दिन का समय लगेगा।

इसी तरह पैदल आने वाले उत्तर प्रदेश के एक जिले लखीमपुर खीरी के एक अन्य यात्री हन्ना प्रसाद ने कहा कि वह बाबा बर्फानी की की यात्रा पैदल ही कर रहे हैं। वे कहते थे कि पैदल यात्रा का उद्देश्य लोगों को पैदल यात्रा करने के लिए प्रेरित करना है। कार से यात्रा करने वाले लोगों और पैदल यात्रा की कठिनाइयों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पैदल यात्रा के अलग-अलग लाभ हैं। सबसे पहले, हम फिट रहते हैं। दूसरे, लोग प्रेरित होते हैं। तीसरे, हमें सड़कों के बारे में जानकारी मिलती है और हम जिन लोगों से मिलते हैं उनकी संस्कृति को जान पाते हैं।

प्रसाद ने कहा कि वह वर्तमान में अपने पांचवें राज्य में हैं, उन्होंने अब तक चार राज्यों की यात्रा की है। उन्होंने कहा कि मुझे घर से निकले 33 दिन हो गए हैं। वे कहते थे कि लोगों को जम्मू कश्मीर आना चाहिए, विभिन्न स्थानों की यात्रा करनी चाहिए और बिना किसी तनाव के आनंद लेना चाहिए। वे कहते थे कि पूरी यात्रा के दौरान लोगों ने अच्छा आतिथ्य प्रदान किया।

रक्षाबंधन के बाद घोषित होंगे जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव

जम्मू, 11 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों को जल्दी करवाए जाने की सुगबुगाहट के बीच बताया जा रहा है कि तारीखों की घोषणा अगले कुछ दिनों में रक्षा बंधन के उपरांत किसी भी समय की जा सकती है।

दरअसल अमरनाथ यात्रा के सुरक्षा प्रबंधों में दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी जुटे हुए हैं और उनका इस्तेमाल चुनावों के लिए किए जाने की संभावना है। यही कारण था कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव करवाए जाने की सुगबुगाहट और तैयारियों के बीच विधानसभ परिसरों व एमएलए होस्टलों की मुरम्मत का कार्य भी आरंभ कर दिया गया है।

दरअसल भारतीय चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का सही समय है, इसलिए इन चुनावों का कार्यक्रम 21 से 25 अगस्त के बीच घोषित किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इस केंद्र शासित प्रदेश में चुनावों की घोषणा करने के लिए 25 अगस्त की ऊपरी सीमा तय की है।

सूत्रों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने इस केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर की समयसीमा तय की है। पिछले छह सालों से यहां कोई निर्वाचित सरकार नहीं है, जबकि पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था।

उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की 20 अगस्त की समयसीमा का इंतजार कर रहा है और तब तक सुरक्षाबलों की उपलब्धता के बारे में सुरक्षा बैठक पूरी हो जाएगी और 21 से 25 अगस्त के बीच कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

उम्मीद है कि जम्मू कश्मीर की 90 सीटों के लिए चार चरणों में चुनाव की घोषणा की जा सकती है, जिसमें एक छोर से दूसरे छोर तक बलों की आवाजाही समेत कई मुद्दों को ध्यान में रखा जाएगा।

इस बीच विधानसभा चुनाव करवाए जाने की तैयारियों के बीच मुख्य सचिव अटल डुल्लू की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के बाद श्रीनगर और जम्मू दोनों स्थानों पर विधानसभा परिसरों को सत्र के लिए तैयार करने की योजना तैयार की गई। इस बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने संबंधितों को समयबद्ध तरीके से श्रीनगर और जम्मू दोनों स्थानों पर विधानसभा परिसरों के जीर्णोद्धार/नवीनीकरण के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने दोहराया कि साउंड सिस्टम की कार्यक्षमता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, अग्नि सुरक्षा, लिफ्टों की कार्यक्षमता, भवनों को नया रूप देने और संबद्ध सुविधाओं के प्रावधान जैसी सुविधाओं को भी जल्द से जल्द हाथ में लिया जाना चाहिए और पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, विपक्ष के नेता के चैंबरों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ उनके आधिकारिक वाहनों और आवासीय आवासों के लिए प्रावधान करने के लिए कदम उठाने को कहा।

डुल्लू ने संबंधितों से दोनों शहरों में विधायक छात्रावासों की मरम्मत का काम करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए जाने वाले विधानसभा चुनावों की समाप्ति तक उपलब्ध समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक सुविधाएं स्थापित की जानी चाहिए।

कोचीन हवाईअड्डे पर बम की झूठी टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

कोच्चि, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

केरल के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री को नियमित सुरक्षा जांच के दौरान अनुचित टिप्पणी करने के बाद रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह करीब 06:40 बजे एयर इंडिया की उड़ान एआई 682 पर कोचीन से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाले मनोज कुमार (42) ने निरीक्षण के दौरान एक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ)अधिकारी से अनुचित टिप्पणी करते हुए कहा

कि क्या मेरे बैग में कोई बम है? इस बयान के बाद तत्काल चिंता उत्पन्न हुई और हवाई अड्डे की सुरक्षा टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुये उसे गिरफ्तार कर लिया। मनोज की अनुचित टिप्पणी के बाद, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) ने उसके सामान का गहन निरीक्षण किया गया। आवश्यक जांच पूरी करने के बाद, जिसमें कोई खतरा नहीं होने की बात सामने आई, उसको आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

इस स्थिति का आकलन करने के लिए बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) सुबह करीब 07:25 बजे बुलाई गई। बीटीएसी ने सुबह करीब आठ बजे अपनी कार्यवाही समाप्त की। बाद में, उड़ान समय पर रवाना हुई। इस बीच, स्वतंत्रता दिवस नजदीक आने के मद्देनजर, सभी भारतीय हवाई अड्डों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अभी भी कश्मीर में चल रहा है हीट वेव

जम्मू, 11 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में 1 जून 2024 से 7 अगस्त 2024 तक चालू मौसम के दौरान 43 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है पर अब मौसम विज्ञानियों ने दिन के समय कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है, जबकि कश्मीर संभाग के छिटपुट स्थानों और जम्मू संभाग के कई स्थानों पर देर रात और सुबह के समय हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

मौसम विभाग के निदेशक डा मुख्तार अहमद ने कहा कि 12 अगस्त से 14 अगस्त तक दिन के समय कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि देर रात और सुबह के समय छिटपुट स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

इसके अलावा, 15 अगस्त को जम्मू संभाग के कई स्थानों पर सुबह और देर रात हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि कश्मीर संभाग के कुछ स्थानों पर सुबह और शाम के समय हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 16 से 18 अगस्त तक जम्मू कश्मीर के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

इस बीच, मौसम विभाग ने अपनी सलाह में जम्मू कश्मीर के संवेदनशील स्थानों पर अचानक बाढ़, भूस्खलन, मिट्टी धंसने और पत्थर गिरने की संभावना के साथ कुछ समय के लिए तीव्र बारिश की संभावना का उल्लेख किया है। इसमें आगे कहा गया है कि 11, 14 और 16 अगस्त के दौरान जम्मू संभाग के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर समेत कश्मीर के कई इलाकों में एक बार फिर भीषण गर्मी पड़ रही है, जहां शनिवार को पारा 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, श्रीनगर और कुपवाड़ा स्टेशन जम्मू संभाग से अधिक गर्म रहे। स्थानीय मौसम विभाग (डमज्) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि श्रीनगर में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक रहा।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कश्मीर के प्रवेशद्वार काजीगुंड में भी लगातार दूसरे दिन 33.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.0 डिग्री अधिक था। कश्मीर घाटी और जम्मू के कुछ इलाकों में लंबे समय तक सूखा जारी रहा, जिससे आम तौर पर किसानों और खास तौर पर फल उत्पादकों में चिंता पैदा हो गई।

कश्मीर भर के आंकड़ों के अनुसार सभी स्टेशनों ने सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया है, जबकि पहलगाम और कोकरनाग इलाकों में पारा गर्म हवा के करीब पहुंच गया है। पहलगाम में अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कोकरनाग में 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट कुपवाड़ा और गुलमर्ग में अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस और 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जम्मू, कश्मीर के हिस्सों की तुलना में थोड़ा ठंडा रहा, क्योंकि स्टेशन पर पारा 33.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि बनिहाल में यह 30.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बटोटे, कटरा और भद्रवाह स्टेशनों पर अधिकतम तापमान क्रमशः 27.4 डिग्री सेल्सियस, 31.5 डिग्री सेल्सियस और 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दें

खराब प्रदर्शन वाले जिलों के पुलिस अफसरों पर सीएम सख्त

महिलाओं संबंधी अपराध के निस्तारण में ढिलाई पर योगी नाराज

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रूख अख्तियार किया है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए ला-परवाही पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी है। साथ ही सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि सीएम योगी के अल्टीमेटम के बाद भी सुधार न होने पर कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। वैसे तो उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश में पहले स्थान पर है। बावजूद इसके प्रदेश के कई जिलों का महिला संबंधी अपराधों के निस्तारण का रेश्यो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षा के अनुरुप नहीं है। सीएम योगी की मंशा है कि महिला संबंधी अपराधों का निस्तारण शत-प्रतिशत होना चाहिये, जबकि प्रदेश के कुछ जिलों का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी।

बैठक में अधिकारियों ने सीएम योगी के सामने आईटीएसएसओ पोर्टल के आधार पर 1 अपैल 2023 से 30 अप्रैल 2024 की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश भर के राज्यों में पहले स्थान पर है। प्रदेश का निस्तारण रेश्यो 98.70 प्रतिशत है। वहीं केंद्र शासित राज्यों में लद्दाख पहले और दादरा और नगर हवेली एवं दमन दीव दूसरे स्थान पर है। इस पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए गृह विभाग की पीठ थप-थपाई। वहीं अधिकारियों ने रिपोर्ट के आधार पर सीएम को बताया कि प्रदेश के कुछ जिलों के अधिकारी निस्तारण को लेकर गंभीर नहीं हैं। रिपोर्ट में उनकी लापरवाही सामने आयी है। इस पर सीएम योगी ने नाराजगी जाहिर करते हुए ऐसे अधिकारियों (एसपी, एसएसपी और पुलिस कमिश्नर) को एक माह में सुधार लाने का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही अधिकारियों को एक माह बाद लापरवाह अधिकारियों की रिपोर्ट शासन को उपब्लध कराने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि यदि लापरवाह अधिकारियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होता है तो उन पर गाज गिर सकती है। अधिकारियों के अनुसार इन जिलों में निस्तारण का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है जबकि सीएम योगी महिला एवं बच्चियों संबंधी अपराधों के निस्तारण का रेश्या शत-प्रतिशत चाहते हैं। उन्हे महिला संबंधी मामलों में ला-परवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है।

गृह विभाग के इंवेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंस (आईटीएसएसओ) पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज कमिश्नरेट का कॉम्प्लाएंस रेट क्रमश: 80.48 प्रतिशत है। वहीं प्रतापगढ़ का कॉम्प्लाएंस रेट 84.31 प्रतिशत, कानपुर देहात का 85.37 प्रतिशत और चित्रकूट का 86.27 प्रतिशत है। इस पर सीएम योगी ने बेहद नाराजगी जाहिर की है। सीएम ने इन जिलों के अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधों पर लगाम लगाने के साथ दर्ज मामलों में कम से कम समय में आरोपियों को सजा दिलाने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह बरेली में महिला अपराध संबंधी 2997 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 8 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.27 प्रतिशत है। अलीगढ़ में 1910 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 6 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.31 प्रतिशत है। सुल्तानपुर में 952 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 3 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.32 प्रतिशत है। फतेहगढ़ में 767 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.26 प्रतिशत है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राथमिकता के आधार पर पेंडिंग मामलों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने इसको लेकर वह एक माह बाद भी समीक्षा करेंगे अगर स्थिति संतोषजनक नहीं मिली तो बेपरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अमरोहा में महिला अपराध संबंधी 1142 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1117 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 97.81 प्रतिशत है। बाराबंकी में 1580 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1549 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.04 प्रतिशत है। लखनऊ कमिश्नरेट में 2686 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2636 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.13 प्रतिशत है। इसी तरह प्रतापगढ़ में 1246 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1223 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.15 प्रतिशत है। बरेली में 2997 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2942 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.16 प्रतिशत है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में मौजूद गृह विभाग के अधिकारियों को जांच प्रक्रिया में तेजी लाने तथा लंबित जांच को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जब अगली बैठक हो तो इनमें सुधार होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मामलों में जिन जिलों का प्रदर्शन अच्छा नहीं है इन पर खासा फोकस किया जाए। इसकी बाद भी स्थिति में सुधार नहीं होता है तो उनपर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

हाईटेक होंगे प्रदेश के धान क्रय केंद्र

खाद्य और रसद विभाग कर रहा बड़ी तैयारी

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रदेश के किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित योगी सरकार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के तहत धान खरीद की तैयारियों में जुट गई है। वहीं अब प्रदेश के धान खरीद केंद्रों को भी हाईटेक बनाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पूरा जोर है। सीएम योगी के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग धान क्रय केंद्रों को इंटरनेट, कंप्यूटर, लैपटॉप, आईपैड, ई-पॉप मशीनों से लैस करेगा। बता दें कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 अक्टूबर से तथा पूर्वी यूपी में 1 नवंबर से क्रय केंद्रों पर एमएसपी पर धान की खरीद शुरू होगी।

खाद्य एवं रसद विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि ई-उपार्जन के लिए क्रय केंद्रों पर कम्प्यूटर, लैपटॉप, आई पैड, इंटरनेट और ई-पॉप मशीन सहित अन्य अवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही इनके संचालन में आने वाली कठिनाइयों को पश्चिमी यूपी में 15 सितंबर और पूर्वी यूपी में 15 अक्टूबर से पहले ही दूर कर ली जाए। इसके अलावा क्रय केंद्रों पर बोरे की उपलब्धता, स्टाफ की तैनाती, किसानों की सुविधा की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, छनना, नमी मापने की मशीन, जनरेटर, बैनर की व्यवस्था और धान व चावल के गुणवत्ता परीक्षण के लिए उपकरण की व्यवस्था की समर पर कर ली जाए।

बता दें कि प्रदेश की योगी सरकार ने मूल्य समर्थन योजना के तहत आगामी 1 अक्टूबर से पश्चिमी यूपी और 1 नवंबर से पूर्वी यूपी के जिलों में किसानों से सीधे धान की खरीद शुरू करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक समय सारिणी जारी की जा चुकी है। प्रमुख सचिव ने बताया कि जारी समय सारिणी में अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ई-टेंडर के माध्यम से हैंडलिंग ठेकेदारों की नियुक्ति, परिवहन के लिए ई टेंडरिंग के जरिए परिवहन ठेकेदारों की नियुक्ति भी समय से करने के निर्देश दिये गये हैं। सरकार की स्पष्ट मंशा है कि प्रदेश के किसानों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं सुलभ हों, साथ ही उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिल सके। धान क्रय के लिए बेहतरीन और आधुनिक तकनीक का प्रयोग हो, जिससे किसानों कों क्रय केंद्रों पर कोई असुविधा न हो।

यूपी में पर्यटन सेक्टर को पांच गुना बढ़ाएगी योगी सरकार

80 करोड़ से अधिक पर्यटकों को यूपी लाने का प्रयास

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार का पूरा जोर प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर है। पर्यटन स्थलों का कायाकल्प करके कनेक्टिविटी के लिए ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को बीते साढ़े सात साल में सुदृढ़ किया गया है। यही वजह है कि बीते वर्ष 2023 में प्रदेश में 48 करोड़ से अधिक पर्यटक यूपी को एक्सप्लोर करने आए। योगी सरकार अब प्रदेश में पर्यटन सेक्टर को पांच गुना बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। पर्यटन सेक्टर का ग्रॉस वैल्यू ऐडेड (जीवीए) जहां वित्त वर्ष 2016-17 में 11 हजार करोड़ रुपए का था, वहीं इसे वित्त वर्ष 2028 तक 70 हजार करोड़ रुपए करने का लक्ष्य सरकार लेकर चल रही है। इसके अलावा सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक यूपी में 80 करोड़ से अधिक पर्यटकों को लाने पर भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ ही राज्य में पर्यटन गतिविधियों को और अधिक बढ़ाया जाए। धार्मिक दृष्टि से प्रदेश में कई महत्वपूर्ण स्थल हैं, जहां प्रतिदिन लाखों यात्रियों का आगमन हो रहा है। काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट, प्रयागराज, नैमिषारण्य, गोरखपुर जैसे धार्मिक महत्व वाले शहरों में विगत साढ़े सात साल में पर्यटन गतिविधियां अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। इन शहरों में विश्वस्तरीय सुविधाओं के विकास के साथ ही सरकार का ध्यान यहां आने वाले पर्यटकों को एक से अधिक डेस्टिनेशन्स तक ले जाने की है। इसके अलावा पर्यटकों को स्थानीय उत्पादों को खरीदने के लिए प्रेरित करने के लिए ओडीओपी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो गई है। यही नहीं प्रदेश में पर्यटकों के ठहरने के लिए नये होटल, गेस्ट हाउस और होमस्टे की संख्या बढ़ाने पर भी सरकार का पूरा जोर है। इसके साथ ही सरकारी टूरिस्ट बंग्लो और राही बंग्लो के कायाकल्प का भी प्लान है।

योगी सरकार में पर्यटन सेक्टर में हुई बढ़ोतरी की बात की जाए तो वित्त वर्ष 2016-17 में इसकी ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) 11 हजार करोड़ रुपए थी, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 14 हजार करोड़ रुपए हो गई। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 तक इसे 70 हजार करोड़ रुपए तक ले जाने का है। वहीं टूरिस्ट फुटफॉल में भी बड़ा इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2016-17 तक प्रदेश में 23 करोड़ पर्यटक आए थे तो वहीं वर्ष 2023-24 में ये आंकड़ा 48 करोड़ से अधिक पहुंच गया।

25 से 29 सितंबर तक यूपी में होगा इंटरनेशनल ट्रेड शो

मुख्यमंत्री योगी ने तैयारियों की समीक्षा की

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के क्राफ्ट, कुज़ीन और कल्चर से दुनिया भर के उद्यमियों, विनिर्माताओं और व्यापारियों को परिचित कराने वाले महत्वपूर्ण आयोजन उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी के दूसरे संस्करण का आयोजन आगामी 25 से 29 सितंबर तक होगा। इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट, ग्रेटर नोएडा के विशाल परिसर में आयोजित होने जा रहे इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का पहला संस्करण 21 से 25 सितंबर 2023 तक आयोजित किया गया था। जिसमें 2,000 एक्ज़िबिटर और 60 देशों से आए 500 से अधिक तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से आए 70 हजार से अधिक खरीददारों सहित 03 लाख से अधिक लोगों की सहभागिता हुई थी। इस दौरान 01 लाख से अधिक नए व्यापारिक सूत्रों का उद्भव देखने को मिला था। 2023 में पहला प्रयास आशातीत सफलता दिलाने वाला रहा, अब इस वर्ष शो की थीम सोर्सिंग का अद्वितीय मंच रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो के माध्यम से पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश के अद्भुत क्राफ्ट, कुज़ीन और कल्चर से साक्षात्कार करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो, उत्तर प्रदेश के बड़े उद्योगों, आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा, ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, आंत्रप्रेन्योर, विनिर्माताओं और निर्यातकों के लिए वैश्विक मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इसे भव्य स्वरूप देने में कोई कसर न रखी जाए।

ट्रेड शो में अब तक 2500 से अधिक एक्ज़िबिटर्स का पंजीयन पर प्रसन्नता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेड शो के सफल आयोजन में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग प्रोत्साहन एवं आंतरिक व्यापार विभाग और एमएसएमई मंत्रालय की ओर से अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। अधिकाधिक देशों में तैनात भारतीय राजदूतों/उच्चायुक्तों से लगातार संवाद बनाते हुए और अधिक विदेशी खरीदारों, उद्यमियों, कंपनियों को आमंत्रित किया जाए। यह मल्टीसेक्टोरल ट्रेड शो हमारे स्थानीय उद्यमियों, उत्पाद और शिल्प को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने में बड़ा सहायक बनने जा रहा है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस वर्ष ट्रेड शो में वियतनाम पार्टनर कंट्री के रूप में सहयोग कर रहा है। ट्रेड शो में वियतनाम का प्रतिनिधिमंडल उपस्थित होगा। वियतनाम के उच्चकोटि के उत्पाद ट्रेड शो में प्रदर्शित किए जाएंगे। साथ ही, वियतनाम का सांस्कृतिक मंडली का प्रदर्शन भी किया जाएगा। आगंतुकों को वियतनाम और भारतीय व्यंजनों का लुत्फ भी मिल सकेगा।

ट्रेड शो को भव्य बनाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 05 दिवसीय इस महत्वपूर्ण ट्रेड शो के दौरान हर दिन एक विशेष थीम पर नॉलेज सेशन भी आयोजित किए जाएं। इरडा के सहयोग से बीमा सेक्टर पर सत्र आयोजित किया जाए, इसी प्रकार, नवाचार और स्टार्टअप को लेकर प्रदेश में हुए प्रयासों पर केंद्रित विशेष सत्र आयोजित हों। विशेष सत्रों में केंद्रीय मंत्रीगणों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। ट्रेड शो में खादी केंद्रित फैशन शो भी आयोजित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी 05 दिन उत्तर प्रदेश की कला संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी कराई जाएं, साथ ही सभी के लिए उत्तर प्रदेश के जायकेदार व्यंजनों से परिचय कराते विशेष स्टॉल लगाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अनेक देशों से लोग इस आयोजन के प्रति उत्साहित हैं और प्रतिभाग करने आ रहे हैं। ऐसे में इसकी महत्ता के दृष्टिगत आयोजन में सभी विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न राज्यों में रोड शो आयोजित किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं को ट्रेड शो भ्रमण कराने की व्यवस्था के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर, पुलिस कमिश्नर, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक प्राधिकरण के सीईओ से गणमान्य जनों, अतिथियों, उद्यमियों, शिल्पकारों के आवागमन, सुरक्षा व अन्य सुविधाओं के दृष्टिगत सभी प्रबंध करने के निर्देश दिए

शिवभक्तों की सुविधा के लिए सरकार की तैयारियां पूरी

चौथे सोमवार को होगा बाबा के अलौकिक स्वरूप का दर्शन

भक्तों के लिए रेड कारपेट बिछाकर पुष्प वर्षा करा रही है सरकार

वाराणसी, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार कांवड़ियों और भोले के भक्तों के लिए न केवल रेड कारपेट बिछाकर पुष्प वर्षा कर रही है, बल्कि उनकी सुविधा और सुगम दर्शन का पूरा ध्यान भी रख रही है। सोमवार को सावन माह का चौथा सोमवार है, इसे लेकर सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पिछले सोमवार को 3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रीकाशी विश्वनाथ के ज्योतिर्लिंग का दर्शन किया था।
चौथे सोमवार पर भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसके साथ ही मंदिर ट्रस्ट की ओर से काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ के रुद्राक्ष श्रृंगार की तैयारियां भी पूरी हो चुकी हैं। महादेव के भक्त बाबा के इस अलौकिक स्वरूप का दर्शन पाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण माह के हर सोमवार को देवाधिदेव महादेव के अलग-अलग स्वरूप का शृंगार किया जा रहा है। इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। बाबा हर सोमवार को अपने अलग-अलग स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दे रहे हैं।

औघड़दानी का सबसे प्रिय महीना श्रावण माह माना जाता है। श्रावण माह के सोमवार को बाबा के दर्शन का विशेष फल व पुण्य मिलता है। अबतक देवाधिदेव महादेव बाबा विश्वनाथ के तीन स्वरूपों में दर्शन पाकर भक्तों निहाल हो चुके हैं। शिव भक्त सावन के चौथे सोमवार को बाबा के विशेष स्वरूप का दर्शन कर पाएंगे। चौथे सोमवार को देवाधिदेव महादेव का श्रृंगार रुद्राक्ष से किया जाएगा। इससे पहले श्रावण माह में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पिछले तीन सोमवार को बाबा विश्वनाथ का अलग अलग ढंग से श्रृंगार हो चुका है।

पहले सोमवार को चल प्रतिमा स्वरूप, दूसरे सोमवार को गौरी शंकर (शंकर-पार्वती) स्वरूप, तीसरे सोमवार को अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार हो चुका है। वहीं श्रावण के पांचवें व अंतिम सोमवार 19 अगस्त को बाबा का शंकर, पार्वती, गणेश श्रृंगार एवं श्रावण पूर्णिमा पर वार्षिक झूला श्रृंगार होगा।

उल्लेखनीय है कि सावन माह में काशी आने वाले शिवभक्तों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। वहीं गंगा के जलस्तर के बढ़ने से विश्वनाथ धाम पहुंचने के चार में से तीन द्वारों से प्रवेश संभव नहीं है। इसके बाद चौथे प्रवेश द्वार पर सोमवार को ज्यादा भीड़ होने की संभावना है। इसे लेकर मंदिर प्रशासन के साथ ही जिला और पुलिस प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप से परख लिया है।

ओलंपियन ललित उपाध्याय का हुआ रेड कारपेट वेलकम

लखनऊ/वाराणसी, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी राज में न सिर्फ खिलाड़ियों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है बल्कि उन्हे हर स्तर पर भरपूर सम्मान भी दिया जा रहा है। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्लेयर ललित उपाध्याय के वाराणसी पहुंचने पर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। यही नहीं योगी सरकार ने ललित के काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचने पर उनका रेड कारपेट वेलकम किया। इस दौरान मंदिर प्रशासन के अधिकारियों ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर ललित का माल्यार्पण कर उत्साह बढ़ाया। वहीं शंखनाद से उनका मंदिर परिसर में विशेष अभिनंदन किया गया।

हॉकी टीम के प्लेयर ललित ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा का विधि-विधान से दर्शन पूजन किया और आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने अपना मेडल बाबा श्री काशी विश्वनाथ को अर्पित भी किया। उनके साथ बड़ी संख्या में उनके फैंस मौजूद रहे। इससे पहले ललित उपाध्याय का वाराणसी पहुंचने पर बाबतपुर एयरपोर्ट पर जबरदस्त तरीके से स्वागत किया गया। वह ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद पहली बार काशी आए थे। यहां ढोल नगाड़ों के साथ लोगों ने ललित उपाध्याय का स्वागत किया।

ललित के वाराणसी पहुंचने पर एयरपोर्ट हर हर महादेव का उद्घोष किया गया। भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में 2-1 से स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था। इसके बाद रविवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन कर बाबा काशी विश्वनाथ को अपना मेडल अर्पित किया।

संपादकीय

विनेश, तुम चैंपियन हो

बिटिया विनेश! तुम ही भारत का 'गोल्ड' हो, गौरव और प्रेरणा हो। तुम वाकई योद्धा हो, कुश्ती का आक्रामक जज्बा हो। तुम ही देश का सम्मान और सरताज हो। क्या हुआ, यदि तुम ओलंपिक पदक हासिल नहीं कर पाईं? स्वर्ण और रजत पदक तो स्मृति-चिह्न और खेल के प्रतीक हैं। तुम तो 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस' हो। देश के प्रधानमंत्री ने भी इन्हीं शब्दों में तुम्हारे हुनर को बयां किया है। वह भी पीड़ित और व्यथित हैं। तुम असली चैम्पियन हो, क्योंकि तुमने चार बार की विश्व चैम्पियन एवं टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन यूई सुसाकी को चित्त किया है। वह 82 मुकाबलों से अजेय खिलाड़ी थीं। तुमने एक ही दिन में तीन कुश्तियां लड़ीं और यूक्रेन, क्यूबा की महिला पहलवानों को भी पटखनी देकर फाइनल तक पहुंचीं। विनेश! तुम बेमिसाल हो और अभूतपूर्व पहलवान हो, जो मुकाबले के फाइनल दौर में पहुंचीं। तुम्हारी उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं और दुनिया के मानस पर अंकित हैं। तुम वाकई अद्वितीय हो। बेशक ओलंपिक खेलों का महाकुंभ है, लेकिन उसके नियम अमानवीय और अतार्किक हैं। यदि विनेश फोगाट का वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम अधिक हो गया था, तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति उसे 'फाइनल कुश्ती' के अयोग्य करार दे सकती थी। बेशक नियम तो नियम हैं और भारत भी उनके उल्लंघन का पक्षधर नहीं है, लेकिन विनेश ने तय वजन की परिधि में रहकर ही तीन कुश्तियां लड़ीं और जीतीं। इन उपलब्धियों को कैसे छीना जा सकता है? उनके सम्मानस्वरूप रजत पदक से भी वंचित कैसे किया जा सकता है? यह तो एक किस्म की तानाशाही हुई। क्या ओलंपिक खेल भी 'एकाधिकारवादी' हो सकते हैं? रजत पदक की उपलब्धि तक विनेश का वजन लिया गया, तो 49.9 किग्रा था। अधिकतम सीमा 50 किग्रा. के भीतर ही था। ओलंपिक की ज्यूरी ने ही हर बार उन्हें 'विजेता' घोषित किया। फिर अयोग्यता का सवाल कहां पैदा होता है? छह बार के विश्व चैम्पियन पहलवान एवं ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अमरीकी पहलवान जॉर्डन ब्यूरोज ने भी यही सवाल उठाते हुए मांग की है कि विनेश को कमोबेश रजत पदक जरूर दिया जाए। कई कुश्ती विशेषज्ञों और पहलवानों ने भी ऐसे ही आग्रह किए हैं। सभी विशेषज्ञ गलत हों और ओलंपिक समिति ही सही हो, यह कैसे संभव है? प्रिय विनेश! तुमने ओलंपिक के मंच पर जिस तरह जीत का परचम लहराया है, देश उन दृश्यों का साक्षी रहा है। देश में जश्न और उत्साह का माहौल था। एक बेहद सुंदर सपना साकार होने वाला था कि अचानक सब कुछ धराशायी हो गया, टूट कर बिखर गया। करीब 144 करोड़ की आबादी वाला देश एकदम स्तब्ध हो गया। सन्निपात की सी स्थिति आ गई। मात्र 100 ग्राम के वजन ने करोड़ों की उम्मीदों, उनके सपनों और उनकी खुशियों को एकदम कुचल दिया। बेशक यह असहनीय पीड़ा और व्यथा है, लेकिन विनेश बिटिया! तुम यकीन करना कि हम निराश, हताश, कुंठित नहीं हैं, पराजित भी नहीं हुए हैं। शायद खेल पंचाट न्यायालय का विवेक जाग जाए और वह कोई असंभावित फैसला सुना दे! बहरहाल यह देश अपनी चैम्पियन बेटी के साथ खड़ा है। हालांकि हम साजिश या ओलंपिक के बहिष्कार की नकारात्मक राजनीति और प्रचारवाद के खिलाफ हैं। विनेश को भी ये प्रवृत्तियां स्वीकार्य नहीं होंगी, लेकिन कुछ बुनियादी सवाल तो हैं कि अचानक वनज बढ़कर 49.9 किग्रा. से 52.7 किग्रा. कैसे हो गया? क्या डाइट में कुछ लापरवाही हुई? या हेवी डाइट दे दी गई? क्या विनेश की निजी टीम ने ध्यान नहीं दिया अथवा विनेश ने ही डाइट ज्यादा ले ली? बेशक विनेश ने रात भर वजन घटाने की कई कोशिशें कीं। खून तक निकाला गया, बाल काटने पड़े, सॉना बाथ लिया, लेकिन वजन अचानक ठहर गया और अयोग्यता का आधार बना दिया। पुराने पहलवान बताते हैं कि वजन जहां रुक जाता है, तो पसीना आना भी बंद हो जाता है। विनेश के लिए भी ऐसी ही स्थितियां बन गईं। इन सवालों और कथित लापरवाहियों की जांच तो जरूर की जानी चाहिए और सभी जवाब देश के सामने रखे जाने चाहिए। फिलहाल विनेश अपनी लड़ाई को पूरा करे, लेकिन देश की इच्छा है कि वह कुछ अंतराल के बाद अगले सफर पर निकलने का मन जरूर बनाएं। विनेश कई पीढ़ियों की प्रेरणा हैं, वे साकार रहनी चाहिए। बाद में आई खबरों के अनुसार विनेश ने कुश्ती से संन्यास ले लिया है।

स्वर्ण और रजत पदक तो स्मृति-चिह्न और खेल के प्रतीक हैं। तुम तो 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस' हो। देश के प्रधानमंत्री ने भी इन्हीं शब्दों में तुम्हारे हुनर को बयां किया है। वह भी पीड़ित और व्यथित हैं। तुम असली चैम्पियन हो, क्योंकि तुमने चार बार की विश्व चैम्पियन एवं टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन यूई सुसाकी को चित्त किया है। वह 82 मुकाबलों से अजेय खिलाड़ी थीं। तुमने एक ही दिन में तीन कुश्तियां लड़ीं और यूक्रेन, क्यूबा की महिला पहलवानों को भी पटखनी देकर फाइनल तक पहुंचीं। विनेश! तुम बेमिसाल हो और अभूतपूर्व पहलवान हो, जो मुकाबले के फाइनल दौर में पहुंचीं। तुम्हारी उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं और दुनिया के मानस पर अंकित हैं। तुम वाकई अद्वितीय हो।

कांग्रेस विभाजन का तो समर्थन करती है और उसके पक्ष में है, लेकिन उसे विभाजन का आधार कारक 'मजहब' स्वीकार नहीं है

बांग्लादेश में उथल-पुथल व हिंदू समाज

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कांग्रेस ने भारत विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर, पाकिस्तान के गठन का रास्ता साफ कर दिया। परंतु जिस सत्र में कांग्रेस ने भारत के विभाजन का प्रस्ताव पारित किया, उस सत्र में भी उसने मजहब के आधार पर विभाजन का विरोध किया। यह बीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा रहस्य है कि कांग्रेस विभाजन का तो समर्थन करती है और उसके पक्ष में है, लेकिन उसे विभाजन का आधार कारक 'मजहब' स्वीकार नहीं है। तब प्रश्न पैदा होता है कि कांग्रेस ने जब विभाजन को स्वीकार किया और वह वास्तव में हुआ भी, तो वह किस आधार पर हुआ। मुस्लिम लीग और जमायत-ए-इस्लामी का तो तब भी यही मानना था और आज भी यही मानना है कि विभाजन मजहब के आधार पर ही हुआ।

पाकिस्तान का गठन 1947 में हुआ था। इसके गठन की मांग करने वाली मुस्लिम लीग थी और उसने इसके गठन का आधार इस्लाम को स्वीकारा गया था। मुस्लिम लीग राजनीतिक दल थी है और इसकी इस मांग को वैचारिक आधार पर भारत के एटीएम और देसी मूल के मुसलमानों में पहुंचाने और पुख्ता करने का काम जमायत-ए-इस्लामी कर रही थी/है। कांग्रेस मजहब के आधार पर देश के विभाजन का विरोध कर रही थी। यह उचित और तार्किक ही था। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने भारत विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर, पाकिस्तान के गठन का रास्ता साफ कर दिया। परंतु जिस सत्र में कांग्रेस ने भारत के विभाजन का प्रस्ताव पारित किया, उस सत्र में भी उसने मजहब के आधार पर विभाजन का विरोध किया। यह बीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा रहस्य है कि कांग्रेस विभाजन का तो समर्थन करती है और उसके पक्ष में है, लेकिन उसे विभाजन का आधार कारक 'मजहब' स्वीकार नहीं है। तब प्रश्न पैदा होता है कि कांग्रेस ने जब विभाजन को स्वीकार किया और वह वास्तव में हुआ भी, तो वह किस आधार पर हुआ। मुस्लिम लीग और जमायत-ए-इस्लामी का तो तब भी यही मानना था और आज भी यही मानना है कि विभाजन मजहब के आधार पर ही हुआ। लेकिन कांग्रेस ने यह विभाजन किस आधार पर किया? यहां यह प्रश्न हो सकता है कि विभाजन कांग्रेस ने नहीं किया, बल्कि ब्रिटेन ने किया। इसलिए इस प्रश्न को संशोधित किया जा सकता है कि जब कांग्रेस ने भारत के विभाजन के लिए प्रस्ताव पारित करके ब्रिटेन सरकार को दिया तो उसने विभाजन का आधार क्या रखा था?

कांग्रेस से यह प्रश्न किसी ने आज तक नहीं पूछा, इसलिए उसने इसका उत्तर भी नहीं दिया। यदि कांग्रेस 14 जून 1947 को ही इस पर विचार करती और इसका उत्तर देती तो आज जो समस्याएं पैदा हो रही हैं, वे शायद न होतीं। इसका उत्तर डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने 1946 में ही दिया था, जब कांग्रेस को छोड़कर बाकी सबको स्पष्ट हो रहा था कि देश का विभाजन निश्चित है। तब अंबेडकर ने कहा था कि यकीनन यह विभाजन मजहब के आधार पर ही हो रहा है, जो इसको नहीं देख और समझ रहा, वह अंग्रेजी की कहावत के अनुसार 'फूल्ज पाराडाईज' में रह रहा है। लेकिन दुर्भाग्य इस बात का था कि जो 'फूल्ज पाराडाईज' में रह रहे थे, वही भारत के भाग्य का निर्णय कर रहे थे। अंबेडकर जब समझ गए कि विभाजन तो होगा और वह मजहब के आधार पर ही होगा तो उन्होंने इसके लिए शांतिपूर्ण तरीके से प्रक्रिया भी सुझाई थी। उनका कहना था कि भारत और नए बनने वाले देश पाकिस्तान में से हिंदू, सिख और मुसलमानों को स्थानांतरित कर दिया

जाए। इसके लिए उन्होंने यूरोप के कुछ देशों के उदाहरण भी दिए कि किस प्रकार वहां जब मजहब के आधार पर विभाजन हुए तो मुसलमान और ईसाई मजहब के लोगों की शांतिपूर्ण ढंग से अदला-बदली की गई थी। पंडित जवाहर लाल नेहरु, अंबेडकर की यह बात सुनने के लिए भी तैयार नहीं थे। उन्हें अंबेडकर से वैसे ही चिढ़ थी क्योंकि अंबेडकर, नेहरु की बौद्धिक क्षमता पर सदा सवाल उठाते थे। दूसरे नेहरु यह स्वीकार करने को तैयार ही नहीं थे कि कांग्रेस मजहब के आधार पर देश का विभाजन स्वीकार कर रही है। लेकिन वह किस आधार पर देश का विभाजन स्वीकार कर रही है, इसका उत्तर देने को भी नेहरु तैयार नहीं थे। लेकिन इसका उत्तर भी अंबेडकर ने ही दिया है। उन्होंने यह उत्तर 1947 से कई साल पहले दिया था। अंबेडकर का यह आकलन कांग्रेस की विचारधारा, उसकी कार्यपद्धति के गहरे अध्ययन से ही निकला था। अंबेडकर का मत था कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं लड़ रही, बल्कि देश की सत्ता प्राप्ति के लिए लड़ रही है।

नेहरु के चिंतन को देखने के बाद महात्मा गांधी की भी कुछ ऐसी ही राय बनी होगी। यही कारण था कि अंग्रेजों के चले जाने के बाद गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को तुरंत भंग कर देना चाहिए। जो लोग अब देश की सत्ता हासिल करना चाहते हैं, उन्हें नए राजनीतिक दल बना कर लोगों के पास जाना चाहिए। कांग्रेस की विरासत पर किसी एक दल का दावा नहीं हो सकता। लेकिन नेहरु ने गांधी जी की इस राय को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। इस पृष्ठभूमि में एक ही निष्कर्ष निकलता है कि नेहरु ने देश का विभाजन केवल जल्दी सत्ता प्राप्त करने के लालच में स्वीकार कर लिया। मुस्लिम लीग को कम से कम यह श्रेय तो दिया जा सकता है कि वह पाखंडी नहीं थी। लेकिन कांग्रेस का आचरण पाखंड से ज्यादा नहीं था। विभाजन मजहब के आधार पर हो रहा था, कांग्रेस विभाजन के समर्थन में भी उतर आई थी, लेकिन यह नहीं मान मान रही थी कि विभाजन मजहब के आधार पर हो रहा था। कांग्रेस के इसी पाखंड में से वे सभी समस्याएं उत्पन्न हुईं जिनका सामना 1947 से लेकर अभी तक करना पड़ रहा है। आठ सौ साल से अरब, तुर्क व मुगल हुक्मरान भारत को इस्लाम पंथ और शिया पंथ में मतांतरित करने के काम में लगे हुए थे। लेकिन बहुत थोड़ी जनसंख्या को ही मतांतरित कर सके। पूरे भारत को मतांतरित करना संभव नहीं था। इसके बाद रणनीति बदली गई। भारत के एक हिस्से की पूर्वी पाकिस्तान व पश्चिमी पाकिस्तान के नाम से घेराबंदी कर दी गई। पाकिस्तान को इस्लामी राष्ट्र घोषित कर दिया गया। पाकिस्तान को लगता था कि इस घेरे में फंसे हिंदू-सिखों को अब इस्लाम में मतांतरित करने में कोई बाधा नहीं आ सकती। लेकिन उनकी इस चाल को वहां के हिंदू-सिखों ने ही असफल कर दिया। वे वहां की घेराबंदी में रहने की बजाय भाग कर भारत आने लगे। अधिकांश हिंदू-सिख पश्चिमी पंजाब से भाग आए लेकिन कुछ लोग विवशताओं के चलते वहां से नहीं आ सके। पश्चिमी पाकिस्तान ने उनकी घेराबंदी कर उन्हें मुसलमान बनाना शुरू कर दिया। अब वहां हिंदू-सिखों की संख्या गिनती की रह गई है। भारत का दूसरा हिस्सा जिसको भारत से अलग कर उसकी घेराबंदी की गई थी, वह पूर्वी बंगाल था। पूर्वी बंगाल और असम के सिलहट को मिला कर पूर्वी पाकिस्तान के नाम से एक अलग घेरा बनाया गया। उसको राजनीतिक लिहाज से पश्चिमी पाकिस्तान के साथ ही रखा गया, जबकि उसका पश्चिमी पाकिस्तान से कुछ संबंध नहीं था।

इसलिए जल्दी ही वह पश्चिमी पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के नाम से जाना जाने लगा। इस घेरे को भी इस्लामी देश घोषित कर यहां के हिंदुओं को इस्लाम में मतांतरित किया जाने लगा। कभी इस राजनीतिक घेरे में 22 फीसदी हिंदू-बौद्ध थे लेकिन आज उनकी संख्या सात-आठ प्रतिशत बची है। कुछ भाग कर भारत आ गए हैं या अभी भी आ रहे हैं। जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के नाम से अलग हो गया, तो बहुत से विद्वान यह सोच कर प्रसन्न थे कि यह हिस्सा पाकिस्तान के घेरे से मुक्त हो गया है और यहां हिंदू-बौद्ध आराम से रह सकेंगे। लेकिन चार साल बाद 1975 में बांग्लादेश में उस समय के प्रधानमंत्री और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की पूरे परिवार सहित हत्या कर दी गई और देश को इस्लामी देश घोषित कर दिया। उनकी पुत्री शेख हसीना इसलिए बच गई थीं, क्योंकि उस समय वे देश में नहीं थीं। लेकिन 2024 में उनकी उसी बेटी को बांग्लादेश की सेना ने पैंतालीस मिनट के अंदर-अंदर देश छोड़ने के लिए आदेश दिया।

दृष्टि कोण

व्यापक बने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य-रुख और भू-राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्रायः तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति-निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है। भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा ख़तरा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर ख़तरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है।

भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नज़रअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं।

कुछ अलग

जीत जैसी शिकस्त

जीवटता की धनी महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था। देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था। लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी। निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है। खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है। कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी। भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था। इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिये थोड़ा समय मांगा था। लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है। रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है। ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अवसर तय किये जा सकें। यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है। इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती। हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है। साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है। फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है। विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है। लेकिन भारतीयों के लिये यह फैसला असहनीय है। निस्संदेह, हर भारतीय के लिये यह फैसला कष्टदायक है। वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं। उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं। आप में लड़ने की क्षमता है। आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है। निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है। भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं। बेशक, फाइनल में खेलने के लिये वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी। विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी। उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता। लेकिन यह बात तो जरूर है कि उन्हें उनकी मेहनत का वह फल नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थीं। लेकिन एक बात तो तय है कि विनेश और भारतीय खेल दल के कर्ता-धर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही तो हुई है। वजन की निगरानी बेहद सावधानी से होनी चाहिए। लड़कों के मामले में वजन घटाना आसान होता है।

देश दुनिया से

कब तक बर्बाद होते रहेंगे सिंथेटिक ट्रैक

हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है, मगर वहां भी हालत ठीक नहीं है। पिछले दिनों वहां मनोरंजन के लिए क्रिकेट देखने वालों के लिए बीच मैदान में स्क्रीन लगा दी थी और अब 15 अगस्त की परेड वहां हो रही है। यह आयोजन पुलिस मैदान व अन्य कहीं और भी हो सकता है।

खेल शिक्षा का जरूरी हिस्सा है और प्ले फील्ड उसका कक्षा स्थल है। हम जब अच्छा माहौल देंगे, तभी परिणाम अच्छे मिलेंगे। खिलाडियों को अच्छी प्ले फील्ड देना जरूरी है, तभी हम ओलंपिक व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा पदक विजेता प्रदर्शन करने की सोच सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है, मगर वहां भी हालत ठीक नहीं है। पिछले दिनों वहां मनोरंजन के लिए क्रिकेट देखने वालों के लिए बीच मैदान में स्क्रीन लगा दी थी और अब 15 अगस्त की परेड वहां हो रही है। यह आयोजन पुलिस मैदान व अन्य कहीं और भी हो सकता है। हमीरपुर के उपायुक्त को इस विषय पर सोचना होगा। क्रिकेट वाले अपने मैदानों में किसी को एक कदम भी नहीं रखने देते हैं। अच्छी बात है, मगर दूसरी अंतरराष्ट्रीय प्ले फील्ड को बरबाद करना कहां तक सही है? सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट सप्ताह भर कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है।

करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं? क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे, ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फिल्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर की सोच ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है, जो काबिलेतारीफ है। विशाल लूहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से बिलासपुर में सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है, इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है, मगर उसकी गति बहुत धीमी है और कितने वर्ष लगेंगे? किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए, तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा।

इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा। तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर कई बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी। तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है।

आप का नजरिया

प्रबंधन को क्या नाम दें

सार्वजनिक क्षेत्र अपनी विश्वसनीयता के ताज पर अहम किरदार निभाता है, लेकिन प्रतिस्पर्धा के माहौल में ये तालियां भी हार रही हैं। जोगिंद्रनगर का पीलिया से संघर्ष बताता है कि जीवन को चरागाह बनाने में, हम व्यवस्था के तमाशबीन बन रहे हैं। हम साक्षी हैं उन बसों के जो हमें ही आधे अधूरे सफर की दास्तान बना देती हैं। दो दिन पहले धर्मशाला बस अड्डे से दिल्ली के लिए एक वोल्वो बस निकली, लेकिन शहर की सीमा के भीतर ही उसने आगे बढऩे से इनकार कर दिया। टांडा मेडिकल कालेज में जलापूर्ति ठप हो गई या पानी पीने के लायक नहीं रहा, तो इस प्रबंधन को क्या नाम दें। संपूर्ण व्यवस्था में कई विभाग, कई घोषणाएं, कई सरोकार, कई उपकार, कई उपक्रम, कई योजनाएं व कई परियोजनाएं व नीतियां-कार्यक्रम हैं, लेकिन कोई एक स्थायी चरित्र या तहजीब नहीं। हम जोगिंद्रनगर के पीलिया या टीएमसी के पानी में मीन मेख निकालते जलशक्ति विभाग की कमियां गिन सकते हैं, लेकिन दोनों जगह चिकित्सा संस्थान आखिर किस मर्ज की दवा हैं। जाहिर है स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों में निरीक्षण-परीक्षण के अलावा योग्यता-दक्षता है, लेकिन विश्वसनीयता क्यों हार रही है। जिस प्रदेश में सरकारी ढांचा पूरे देश की औसत से अव्वल हो और जहां चार कदम पर कोई न कोई चिकित्सा संस्थान हो, वहां पीलिया रोग का समाधान इतना नाजुक नहीं हो सकता। दरअसल हम मेडिकल कालेजों की इमारतों में ईंटें गिनते जा रहे हैं, जबकि इन संस्थानों की बुनियाद से जुड़े प्रश्न या तो मेडिकल कौंसिल की छानबीन व अन्य औपचारिकताओं में फंसे हैं या ऐसा माहौल पैदा नहीं हुआ जिसमें रैफरल सिस्टम की आड़ में निजी अस्पतालों को रास्ता दिखाया जा रहा है। अभी हाल ही में हिमाचल सरकार द्वारा निजी अस्पतालों में हिम केयर योजना का बंद होना बताता है कि मरीजों की आड़ में राज्य का बजट ही शिकार है। ईडी की छापामारी ने भी आयुष्मान योजना को छीलने वाले अस्पतालों की सूची बनाई है यानी अब बीमारी भी कहीं बिक रही है उनके कारनामों में। बहरहाल व्यवस्था को पारंगत करने के लिए अस्पतालों की योग्यता, उपस्थिति और हुलिए को बदलने की जरूरत है। सरकार अगर जिला स्तर व कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण सिविल अस्पतालों को रोग विशेष के राज्य स्तरीय संस्थान बना दे, तो यह चिकित्सा क्षेत्र में एक नया संकल्प होगा। मसलन अगर हमीरपुर अस्पताल को न्यूरो का राज्यस्तरीय संस्थान बना दें, तो वहां की परिपाटी शोध, अध्ययन व वचनबद्धता के साथ मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। इसी तरह कहीं आर्थो, कहीं बाल, कहीं कैंसर, तो कहीं अन्य रोग विशेष का राज्य स्तरीय अस्पताल बन जाएगा। दूसरी ओर जलशक्ति विभाग हो या पीडब्ल्यूडी, इन विभागों की रूपरेखा में परिवर्तन लाना होगा। कल तक सार्वजनिक सेवाएं केवल नागरिकों के लिए थीं, आज इनसे उपभोक्ता की अपेक्षाएं हैं, तो इस परिवर्तन को समझना होगा। सरकारी क्षेत्र के लक्ष्य अपनी जगह सही भी हों, कार्यान्वयन में उपयोगिता लाने के लिए उचित प्रबंधन की जरूरत है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रूस पर यूक्रेन का हमला, रूसी शहर पर की बमबारी, 20 लोगों की मौत

मॉस्को, 11 अगस्त (एजेंसियां) रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध फिर तेज हो गया है. हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर भारी बमबारी की थी, जिसके जवाब में यूक्रेन की बमबारी में दो बच्चों समेत 20 लोग मारे गए. रूसी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की उत्तरी सीमा से जुड़े शहर बेलगोरोद पर बमबारी से 111 लोग घायल भी हुए हैं. इस शहर पर यूक्रेन का ये सबसे बड़ा हमला था.

न्यूजपेपर कोमर्सेंट ने रूसी जांच कमेटी के सूत्रों के हवाले से कहा कि यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से दागी गई मिसाइलों ने सेंट्रल कैथेड्रल स्क्वायर पर एक स्केटिंग रिक, एक शॉपिंग सेंटर और आवासीय इमारतों को निशाना बनाया।

रूसी हमले में गई थीं कई जानें

इससे पहले रूसी सेना ने यूक्रेन पर 122 मिसाइल और 36 ड्रोन से हमले किए थे. यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया था कि रूसी हमले में 39 लोगों की जान गई है और 159 लोग घायल हुए हैं. उन्होंने कहा था कि हमलों ने 120 शहरों और गांवों को प्रभावित किया. यूक्रेनी सेना लंबे समय से अपनी सीमा से लगते रूसी क्षेत्रों पर हमला कर रही है, लेकिन यह अब तक का सबसे खूनी हमला बताया जा रहा है.

बेलगोरोद पर हमले के बाद यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि दो रूसी एस-300 मिसाइलों ने यूक्रेन के दूसरे शहर खार्कीव पर हमला किया था, जिसमें दो युवकों समेत 21 लोग घायल हो गए. एक मिसाइल ने खार्कीव पैलेस होटल और दूसरी एक अपार्टमेंट इमारत को निशाना बनाया. अधिकारियों ने कहा कि एक चिकित्सा संस्थान और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है.

हवाई हमले के सायरन पहले ही पूरे बेलगोरोद में बज चुके थे क्योंकि क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने सभी निवासियों से आश्रयों में जाने का आग्रह किया था।

रूसी अधिकारियों ने दी यूक्रेन को चेतावनी

रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि कीव शासन ने प्रतिबंधित क्लस्टर कॉन्फिगरेशन में दो ओल्खा मिसाइलों के साथ चेक निर्मित वैम्पायर रॉकेटों का इस्तेमाल किया है. बेलगोरोद शहर पर हुए इस अंधाधुंध हमले का अपराध बख्शा नहीं जाएगा. इसमें कहा गया है कि दोनों ओल्खा मिसाइलकों को मार गिराया गया रहै, जिससे बहुत बड़ा नुकसान होने से बच गया है।

यूक्रेन के इस हमले में बड़ी संख्या में वाणिज्यिक संपत्ति, शॉपिंग सेंटर और दुकानों के साथ-साथ 22 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हुई और 100 से अधिक कारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रूस ने यूक्रेन पर फरवरी, 2022 में हमला किया था, जिसे रूस विशेष सैन्य अभियान बताता है. रूसी सेना ने शुक्रवार को युद्ध का अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया है।

न्यूज ब्रीफ

रूस ने सेना में शामिल भारतीयों पर दी सफाई, कहा - एक अरसे से भर्ती बंद है

मॉस्को। रुसी दूतावास ने कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली उन भारतीय नागरिकों की शीघ्र पहचान और सेवा से मुक्ति के लिए काम कर रहे हैं, जो स्वेच्छा से सैन्य सेवा में संविदात्मक कार्य में शामिल हुए थे और अब घर लौटना चाहते हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि कांट्रैक्ट की सभी शर्तों को पूरा किया जाएगा और इन्हें पूरा मुआवजा भी दिया जाएगा। रूसी दूतावास के बयान में कहा गया है कि इस साल अप्रैल से रूसी रक्षा मंत्रालय ने भारत सहित कई अन्य देशों के नागरिकों को सैन्य सेवा में भर्ती करना बंद कर दिया है। उसने कहा कि रूसी सेना इस तरह के किसी अभियान का हिस्सा नहीं है, जिसमें दूसरे देश के लोगों को वहां पर नौकरी देने की बात कही गई है। इस तरह के अभियान जालसाजी हो सकते हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने बयान में कहा कि सीबीआई इस तरह के मामलों की जांच कर रही है। जांच में कुछ मानव तस्करों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक भारतीयों को यह कहकर गुमराह किया गया कि उन्हें विदेश में अच्छी नौकरी दिलाई जाएगी। इसके बाद उन्हें ले जाकर रूस की सेना में भर्ती कर दिया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि कुल 91 भारतीयों की रूस की सेना में नियुक्ति हुई थी। इनमें से आठ लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है। अन्य 14 लोग या तो सेना द्वारा मुक्त कर दिए गए या किसी अन्य मदद से भारत लौटने में सफल रहे। विदेश मंत्री के मुताबिक फिलहाल कुल 69 भारतीय नागरिक रूसी सेना द्वारा सेवा से मुक्त किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले महीने रूस के दौरे पर गए पीएम मोदी ने भी प्रेसीडेंट पुतिन के साथ मुलाकात में इस मुद्दे को उठाया था।

अरे वाह! बीमार छात्र की जगह रोबोट क्लास अटेंड कर रहा

लंदन। छात्र हायर एजुकेशन में भी रोबोटिक्स और एआई की पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन साउथ वेस्ट लंदन से एक बिल्कुल ही अलग मामला सामने आया है। यहां 12 साल के एक बच्चे के बीमार पड़ने पर उसकी जगह रोबोट कक्षा में शामिल हो रहा है। इससे बच्चे की पढ़ाई का नुकसान होने से बच रहा है। 12 वर्षीय हावर्ड साउथ-वेस्ट लंदन के एक स्कूल में पढ़ाई करता है। दिसंबर 2023 में एक रेयर आर्म कैंसर ने हावर्ड को जकड़ लिया। जनवरी 2024 से उसकी कीमोथैरेपी चल रही है। इस हालत में वह स्कूल जाने में सक्षम नहीं है। हालांकि इस रोबोट की वजह से उसके स्ट्रगल में थोड़ी राहत पहुंची है। दरअसल, स्कूल अटेंड न कर पाने की वजह से उपस्थिति कम हो रही थी। इससे उसे आगे परेशानी हो सकती थी। यह रोबोट इलेक्ट्रॉनिक डबल के तौर पर स्कूल जाकर क्लासेस अटेंड करता है। बता दें कि यह ऑडियो-विजुअल रोबोट एक इंटरैक्टिव अवतार है। इसकी मदद से हावर्ड घर या हॉस्पिटल से क्लासेस अटेंड कर लेता है। इसके जरिए हावर्ड क्लास में अपनी बात कहता है और टीचर की बातें सुनता है। वह नोट्स भी बना लेता है। इस तरह से हावर्ड घर या हॉस्पिटल में रहते हुए भी हर क्लास का हिस्सा बन पा रहा है। स्कूल के टीचर्स और स्टूडेंट्स को भी रोबोट ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे वे एवी हावर्ड (रोबोट) की मदद से असली हावर्ड की पढ़ाई में मदद कर सकते हैं।

रोहिंग्या पर म्यांमार में ड्रोन अटैक

200 की मौत, कीचड़ में बिखरे पड़े शवों में अपनों की तलाश करते दिखे परिजन

ढाका , 11 अगस्त (एजेंसियां) । बांग्लादेश से भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों के एक समूह पर ड्रोन हमला होने की खबर वायरल हो रही है। खबर सही है या गलत इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई लेकिन खबर काफी चौंकाने वाली है। बांग्लादेश में इन दिनों हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण खूब उथल-पुथल है, इसके बावजूद म्यांमार से कई रोहिंग्या मुसलमान सीमा पार कर बांग्लादेश भागने की कोशिश में जुटे हैं। म्यांमार से भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों के ऐसे ही एक समूह पर बॉर्डर के पास ड्रोन से हमला किया गया। इस ड्रोन अटैक में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 200 लोगों के मारे जाने की खबर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, चार चश्मदीदों, कार्यकर्ताओं और एक राजनायिक ने इन ड्रोन हमलों के बारे में बताया, जिसमें बांग्लादेश की सीमा पार करने का इंतजार कर रहे परिवारों को निशाना बनाया गया था। कई चश?मदीदों ने बताया कि हमले के बाद शवों के ढेर के बीच अपने मृत और घायल रिश्तेदारों की पहचान करने के लिए भटक रहे थे। यह हमला हाल के हफ्तों में सैन्य जुंटा सैनिकों और विद्रोहियों के बीच संघर्ष के दौरान रखाइन राज्य में नागरिकों पर किया गया अब तक का सबसे घातक हमला है। तीन चश्मदीदों के हवाले से बताया कि इसके पीछे अराकान आर्मी का हाथ है, हालांकि समूह ने इन आरोपों से इनकार किया है। म्यांमार की सेना और मिलिशिया ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाया है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में दिख रहा है कि कीचड़ भरे मैदान में शवों के ढेर पड़े हुए थे। उनके आसपास उनके सूटकेस और बैकपैक बिखरे हुए थे। तीन लोगों ने बताया कि 200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि एक चश्मदीद ने बताया कि उसने कम से कम 70 शव देखे हैं। वीडियो के लोकेशन की पुष्टि की है, जो कि म्यांमार के तटीय शहर मौंगडॉ के ठीक बाहर का है। हालांकि यह वीडियो कब का है इसकी पुष्टि नहीं की सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 35 साल के मोहम्मद इलियास नामक एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि हमले में उनकी गर्भवती पत्नी और 2 साल की बेटी घायल हो गईं और बाद में उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश के एक शरणार्थी शिविर से इलियास ने बताया कि वह उनके साथ समुद्र किनारे खड़ा था, तभी ड्रोन ने भीड़ पर हमला करना शुरू कर दिया। इलियास ने कहा, 'मैंने कई बार गोलाबारी की आवाज सुनी।' उसने बताया कि वह खुद को बचाने के लिए जमीन पर लेट गया और जब वह उठा तो उसने देखा कि उसकी पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हैं और उसके कई अन्य रिश्तेदार मृत पड़े हैं।

सेना की अपनी रणनीति के बीच बड़ा सवाल

क्या पूर्व पीएम शेख हसीना लौटेंगी स्वदेश?

ढाका, 11 अगस्त (एजेंसियां) । विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जितने लंबे समय तक सत्ता में रहेगी, सेना के देश की राजनीति में अधिक निर्णायक भूमिका निभाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। उनकी यह टिप्पणी बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक अशांति के बीच आई है। जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद पैदा हुई है, जिसके कारण आम चुनावों का समय अनिश्चित हो गया है। बांग्लादेश में अशांति के दौर में अंतरिम सरकार जितने लंबे वक्त तक सत्ता में रहेगी, सेना की राजनीतिक भागीदारी का जोखिम उतना ही अधिक होगा। इस बात की आशंका को पहले ही जाहिर किया गया था।

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग हाशिए पर, अंतरिम सरकार में भी कोई नुमाइंदा शामिल नहीं

कुगेलमैन ने इस बात पर जोर दिया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग मौजूदा समय में हाशिए पर है। जिसका अंतरिम सरकार में कोई नुमाइंदा नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर अशांति बनी रहती है, तो अवामी लीग भविष्य के चुनावों में फिर से लोकप्रिय हो सकती है। एक इंटरव्यू में कुगेलमैन ने कहा कि 'अगर एक या दो साल बीत जाते हैं, अगर अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होता है, अगर अशांति जारी रहती है, तो मुझे लगता है कि चुनावों में अवामी लीग का पक्ष लिया जा सकता है। अब, मैं यह भी कहूंगा कि जब हम भविष्य के राजनीतिक परिदृश्यों के बारे में बात कर रहे हैं। अंतरिम सरकार जितनी अधिक समय तक सत्ता में रहेगी, मुझे लगता है कि सेना के राजनीति में अधिक निर्णायक भूमिका निभाने की संभावना बढ़ जाती है। कुगेलमैन ने कहा कि 2006, 2007 और 2008 में, जब बांग्लादेश में एक लंबी अंतरिम सरकार थी, जो सेना के नेतृत्व में थी। इसलिए हमें सेना के आगे चलकर निभाई जा सकने वाली संभावित राजनीतिक भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस वक्त शेख हसीना की राजनीति में वापसी की संभावना पर कुगेलमैन ने संदेह जाहिर किया, लेकिन उनकी वापसी से इनकार नहीं किया।

प्रचंड का आरोप- शेख हसीना को अमेरिका के इशारे पर सत्ता से हटाया गया

काठमांडू, 11 अगस्त) । माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने दावा किया है कि अमेरिका के इशारे पर उन्हें सत्ता से हटाया गया। प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ करने में अमेरिका का हाथ है। उन्हें एक महीने पहले से सत्ता से हटाने के पीछे षडयंत्र चल रहा था।

माओवादी पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में अध्यक्ष प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक षडयंत्र के तहत हटाया गया। उनका आरोप है कि अमेरिकी प्रभुत्व न मानने के कारण शेख हसीना को सत्ता से हटाकर देश छोड़ने को बाध्य कर दिया गया। अमेरिकी शर्त नहीं मानने के कारण रातों रात दो विपरीत ध्रुव के राजनीतिक दलों के बीच समझौता करा कर उन्हें पद से हटने पर मजबूर कर दिया गया।

प्रचंड ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते शेख हसीना पर अमेरिका की महत्वाकांक्षी स्टेट पार्टनरशीप प्रोग्राम (एसपीपी) समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लगातार दबाब दिया जा रहा था। इस समझौते में नेपाल को शामिल करा कर अमेरिका नेपाल में अपना सैन्य बेस बनाना चाहता है। यह सैन्य बेस भारत और चीन दोनों के लिए खतरा बन जाता, इसलिए उन्होंने अमेरिकी दबाब को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप बढ़ना पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है। उन्होंने सभी दक्षिण एशियाई देशों के राजनीतिक नेतृत्व से एकजुट होकर इसका सामना करने का सुझाव भी दिया है।

ब्राजील विमान हादसे में मृत सभी 62 लोगों के अवशेष बरामद, पहचान के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की ली मदद

ब्रासिलिया, 11 अगस्त (एजेंसियां) । ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में एक विमान हादसे में मारे गए सभी यात्रियों के अवशेष बरामद हो गए हैं। इसके साथ बचाव अभियान खत्म हो गया है। मृतकों के परिजन अपने प्रियजनों की शिनाख्त करने और उन्हें दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे हैं। ब्राजील की विमानन कंपनी वेपास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त 'एटीआर72' विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार मेंबर सवार थे।

जानकारी के अनुसार विमान ग्वारूलोस में साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कंपनी ने पहले बताया था कि उसके विमान में 62 यात्री सवार थे। बाद में उनकी संख्या को संशोधित कर 61 कर दिया और शनिवार सुबह फिर संख्या बढ़ा दी थी। जब उसने पूता तो कॉन्स्टेंटिनो माइया नामक यात्री का नाम उसकी मूल सूची में नहीं था।

शवों की पहचान करने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की ली मदद

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने विमान के पायलट और सह-पायलट के शवों की पहचान कर ली है और मलबे से 34 पुरुषों व 28 महिलाओं के शव बरामद किए हैं। ब्राजील के अधिकारियों ने परिजनों से मृतकों की पहचान करने में मदद के लिए किसी भी चिकित्सकीय जांच, एक्स-रे या दंत परीक्षण की रिपोर्ट लाने को कहा। शवों की पहचान करने के लिए खून की जांच भी की गई। ब्राजील की वायुसेना ने बताया कि विमान के दोनों ब्लैक बॉक्स जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं। उसने कहा कि हमें उम्मीद है कि 30 दिनों के अंदर जांच सामने आ जाएगी।

भारतीय विदेश सचिव नेपाल पहुंचे, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख नेताओं से होगी मुलाकात

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिस्री का हुआ भव्य स्वागत

काठमांडू, 11 अगस्त (एजेंसियां) । भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय नेपाल दौरे पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरे भारतीय विदेश सचिव मिस्री का नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल और नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने स्वागत किया।

विदेश सचिव मिस्री नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के साथ औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं। दोपहर 2.45 बजे उनका राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा, कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचंड से मुलाकात का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वह सोमवार को स्वदेश लौटेंगे।

नेपाल पहुंचे विदेश सचिव मिस्री ने कहा कि उनकी यात्रा नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने के लिए है। भारत सरसार की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत वो पड़ोसी देशों का भ्रमण कर रहे हैं और भूटान के बाद उनकी दूसरी विदेश यात्रा नेपाल हो रही है। इस भ्रमण के क्रम में द्विपक्षीय समझौते के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी भारतीय दूतावास के तरफ से दी गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव मिस्री की यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय बैठकों की परंपरा को जारी रखेगी और भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत नेपाल के साथ संबंधों को दी गई प्राथमिकता को प्रतिबिंबित करेगी।

भारत सरकार की मदद से नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और नई परियोजनाएं चल रही हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और अधिक मजबूत हुआ है।

विदेश सचिव मिस्री ने काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

दो दिवसीय दौरे पर रविवार को नेपाल पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने काठमांडू के नरदेवी में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस भवन का निर्माण भारत के सहयोग से किया गया है। नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के निमंत्रण पर सुबह काठमांडू पहुंचे मिस्री राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मुलाकात करेंगे। उनका उप प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह, उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री बिष्णु प्रसाद पौडेल और गृहमंत्री रमेश उखर से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। विदेश सचिव बनने के बाद मिस्री की यह पहली नेपाल यात्रा है। लम्साल ने मिस्री के सम्मान में रविवार को रात्रिभोज का आयोजन किया है। सोमवार सुबह उनका विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद मिस्री शाम को नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

अरशद-नीरज के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा फायदेमंद : रजा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।
पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पीसीबी प्रमुख रहे रमीज राजा ने कहा है कि पाक भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम और भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के बीच प्रतिद्वंद्विता होना अच्छी बात है। अरशद ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीता है जकि नीरज को रजत पदक मिला है। इन दोनो ही शीर्ष खिलाड़ियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा की रमीज ने प्रशंसा की है।

उन्होंने कहा कि दोनो ही स्टार खिलाड़ी हैं और उनके बीच इसी तरह से प्रतिस्पर्धा जारी रहनी चाहिये। अरशद जहां पाक की ओर से ओलंपिक के व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं नीरज भी ओलंपिक और विश्वचैम्पियनशित के स्वर्ण विजेता हैं। रमीज ने कहा कि जिस प्रकार इस ओलंपिक में अरशद ने एक छोटे से गांव से निकलकर ओलंपिक में जीत दर्ज की है उसकी जितनी प्रशंसा करें वह कम है। साथ ही कहा कि ये उनके लिए एक बड़ी जीत है। इसमें सबसे अहम ये है कि अरशद का स्वभाव बेहद शांत है उसने न कोई ज्यादा उत्साह दिखाया न वह मुकाबले से पहले चिन्तित नजर आया। वह दयालु दिखते के अलावा कठोर भी रहा। उनके अंदर जो गुस्सा था। वह उनके थ्रो में दिखाई दे रहा था। राजा ने इसके साथ ही नीरज की खेल भावना की भी जमकर प्रशंसा की। साथ ही कहा कह नीरज इतनी सफलता के बाद भी जमीन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नीरज उस दिन एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ थे। जो उनसे बेहतर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि दोनो ही देखों के बीच खेल मुकाबले होने चाहिये। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि राजनीतिक तनाव के कारण खेल मुकाबले देखने का आनंद प्रशंसकों को नहीं मिल पा रहा।

उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को राजनीति के कारण नुकसान क्यों होना चाहिये और दोनो देशों के बीच प्रतिस्पर्धाएं होनी चाहिए। दुनिया इस प्रकार के मुकाबले देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैंने पीसीबी प्रमुख के पद पर रहते हुए हमेश ही दोनो देशों के बीच क्रिकेट सीरीज शुरु करने की बात कही थी।

पेरिस ओलंपिक में भारत को नहीं मिला एक भी स्वर्ण

पेरिस। हैवीवेट महिला मुक्केबाज रीतिका हुड्डा के बाहर होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल का अभियान समाप्त हो गया है। रीतिका 76 किलो भार वर्ग में उतरी थीं जहां उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही भारत के पदक जीतने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। भारत को पेरिस ओलंपिक में एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल छह पदक मिले हैं। ये पिछले बार के टोक्यो ओलंपिक से भी कम है। टोक्यो में भारत को एक स्वर्ण मिला था तब उसे भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने ये पदक दिलाया था पर इस बार उसे एक भी स्वर्ण नहीं मिला। नीरज भाला फेंक में रहत ही जीत पाये। रीतिका को हराने वालीं किर्गिस्तान की पहलवान फाइनल में पहुंच जाती तो भारतीय पहलवान को रेपचेज दौर में मौका मिलता और एक कांस्य का अवसर रहता पर वह भी हाथ से निकल गया।

न्यूज ब्रीफ

श्रीजेश बोले मेरी जगह लेने के लिए देश में पर्याप्त प्रतिभाएं

पेरिस। ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही खेल से संन्यास लेने वाले स्टार गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा है कि उनकी जगह लेने के लिए देश में पर्याप्त प्रतिभाएं हैं। श्रीजेश पिछले दो दशक से भारतीय टीम के गोलकीपर रहे हैं। उन्हें अपनी बेहतरीन गोलकीपिंग के कारण भारतीय गोल पोस्ट के सामने की मजबूत दीवार माना जाता है। पेरिस ओलंपिक में भी श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में ये सवाल उठता है कि अब कौन उनकी जगह संभालेगा। इसी को लेकर श्रीजेश ने कहा, ''मेरे जाने से कोई खालीपन नहीं होगा। मेरी जगह कोई और बेहतर खिलाड़ी आएगा। ऐसा सभी खेलों में होता है। जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट टीम में पहले सचिन तेंदुलकर थे। वहीं अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा। इसलिए श्रीजेश की जगह कोई और आएगा। ये सिलसिला चलता रहेगा।'' उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के आस-पास ही घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता। साल 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं।'' श्रीजेश ने आगे कहा, ''मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले। हमेशा एक मजेदार माहौल होता है। जीत के बाद जश्न मनाना या हार के बाद साथ में रोना, यह मेरी जिंदगी रही है। शायद हम नहीं जानते कि इससे बाहर रहना कैसा होता है।'' श्रीजेश को भारतीय जूनियर टीम में कोच की भूमिका निभाने का प्रस्ताव मिला है और ऐसे में अब प्रशंसक उन्हें युवाओं को निखारते हुए देखेंगे।

एचपीआरसी क्लब चैम्पियनशिप के लिए तैयार

HPRC

हैदराबाद। हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) 15 अगस्त को अजीज नगर स्थित अपने नवीनीकृत परिसर में स्वतंत्रता दिवस स्मारक क्लब चैम्पियनशिप का आयोजन कर रहा है।

एचपीआरसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक जीवंत और उत्साहजनक माहौल के बीच रोमांचक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें सभी उम्र और लिंग के लोग एक साथ आएंगे और वे ड्रेसेज, घुड़सवारी, शो जंपिंग, तैराकी और बैडमिंटन सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धा करेंगे। क्लब चैम्पियनशिप में एथलेटिकिज्म, दृढ़ता और सामुदायिक एकजुटता की भावना को दर्शाया जाएगा, जो एक अविस्मरणीय अनुभव के लिए गर्मजोशी, मस्ती, उल्लास और दोस्ती से भरा दिन होगा। पंजीकरण सहित अन्य विवरण एचपीआरसी सचिव (प्रशासन) शेख रियाज अहमद से जानकारी प्राप्त की जा सकते हैं।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर जनत पर आईसीसी ने प्रतिबंध लगाया, तीन अन्य खिलाड़ियों की जांच जारी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के युवा क्रिकेटर इंशानुल्लाह जनत पर मैच फिक्सिंग के मामले में पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। जनत फिक्सिंग के आरोपों की जांच में दोषी पाये गये थे। 19 साल की उम्र में पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इंशानुल्लाह जनत उभरते हुए सलामी बल्लेबाज हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक तीनों ही प्रारुपों में खेला है। आईसीसी के अनुसार जनत को काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में भ्रष्टाचार रोधी आचार संहित के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इस कारण इस क्रिकेटर पर प्रतिबंध लगाया गया है। आईसीसी ने कहा है कि वह अफगानिस्तान के तीन और क्रिकेटरों पर लगे आरोपों की भी जांच कर रहा है। इस शीर्ष संस्था के अनुसार अब तक की जांच में पर्याप्त सबूत लग रहे हैं। साथ ही कहा कि जनत के अलावा अन्य क्रिकेटरों की भी जांच चल रही है औ इस मामले में शीघ्र ही फैसला सुनाया जाएगा। आईसीसी ने हालांकि इन क्रिकेटरों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किये हैं। अगर ये खिलाड़ी दोषी साबित होते हैं तो इससे अफगानिस्तान क्रिकेट की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। जनत ने 24 फरवरी 2007 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैच से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी।

श्रीलंका हार से उबरने के बाद टीम को तरोताजा करने की कवायद

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)।
भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने कर अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है। इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है। ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है।

भारत ओर बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट- चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला, दिल्ली और हैदराबाद में 6, 9 और 12 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा।

इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेर्हा में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी।

इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा - एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर, चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा।)

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

महिला टी20 विश्वकप : बीसीबी ने सेना प्रमुख से मांगी सुरक्षा गारंटी

ढ़ाका। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी उसके हाथ से निकलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी से चिन्तित बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान से टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा मांगी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। इस स्थिति में महिला टी20 विश्व कप का अक्टूबर में आयोजन मुश्किल माना जा रहा है हालांकि नई सरकार बनने के बाद बीसीबी को उम्मीद है कि सेना आयोजन में सहायता करेगी। महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश के सिलहट और मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के अभ्यास मैच अगले माह 27 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसी को देखते हुए ही बीसीबी ने सेना प्रमुख को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बीसीबी अंपायरिंग कमेटी के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिठू ने कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें दो माह ही बचे हैं, इसलिए हमने महिला टी20 विश्व कप में सुरक्षा की गारंटी को लेकर प्रमुख को एक पत्र भेजा है क्योंकि हमारे पास अब केवल दो महीने का समय बचा है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भी बांग्लादेश के हालातों पर नजरें लगी हुई हैं। माना जा रहा है कि अगर हालात ठीक नहीं हुए तो आईसीसी किसी अन्य देश को इसकी मेजबानी दे सकता है।

नीरज चोपड़ा बोले- आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन करुंगा

पेरिस, 11 अगस्त (एजेंसियां)।
भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है आने वाले समय में वह अपने प्रदर्शन की कमियों को सुधार कर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीता था, ऐसे में भारतीय प्रशंसकों को उनसे अपना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद थी पर वह इस बार रजत ही जीत पाये।

नीरज का कहना है कि अब वह अपने थ्रोइंग एंगल (भाला फेंकने के कोण) और रन-अप को ठीक कर और भी अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे। ओलंपिक से पहले वह पैर में मांसपेशियों की चोट से भी गुजर रहे थे। इस कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। नीरज ने कहा, ''मैं अपनी ताकत से खुश हूं पर मुझे लगता है कि अगर मेरा थ्रोइंग एंगल बेहतर हो जाए तो मैं और दूर तक थ्रो कर सकता हूं। मैंने अभी अपना वीडियो नहीं देखा है। मुझे लगा है कि थ्रो के बाद ऊंचाई कुछ कम पड़ रही थीं, मुझे अपने रन-अप को भी ठीक करना होगा। इसलिए अगर मैं फिट रहा तो और बेहतर थ्रो कर सकूंगा।''

उन्हें उम्मीद है कि भारत को 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर देखा जाये तो यह भारतीय दल के लिए एक अच्छा ओलंपिक था। कई खिलाड़ी चौथे स्थान पर थे और उन्होंने अच्छी तरह से प्रतिस्पर्धा की। साथ ही कहा, ''यह अच्छा है कि लोग अब हमारे खेल को देख रहे हैं। वे हमारे खेल को लाइव देखते हैं, वे इन खेलों को देखने के लिए जल्दी उठ रहे हैं और देर से सो रहे हैं। यह एक संकेत है कि भारत में खेल को लेकर माहौल बदल रहा है।''

महावीर फोगाट बोले- विनेश को जरूर मिलेगा सिल्वर मेडल

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ महावीर फोगाट ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही फैसला आएगा कि विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, खेल पंचाट का फैसला भारत को हक में आएगा। खेल कोर्ट यानि कोर्ट ऑफ आर्बिरेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) द्वारा विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल देने का फैसला रविवार तक टालने के बाद महावीर फोगाट ने कहा कि सुनवाई पूरी हो चुकी है। हमें सीएएस के फैसले का इंतजार है। हमें इंतजार करते तीन दिन हो गए हैं... अब जब भी फैसला आएगा उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, इसके लिए उनका धन्यवाद। उन्होंने उम्मीद जताई कि विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल जरूर मिलेगा।

शाकिब के अड़ियल रवैये से टी20 कनाडा लीग से बाहर हुई बांग्ला टाइगर्स

टोरंटो, 11 अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का विवादों से पूराना नाता रहा है। इसी कारण उनपर आरोप भी लगते रहे हैं। अब ग्लोबल टी20 कनाडा लीग के दौरान भी उनकी जिद के कारण ही उनकी टीम बाहर हो गयी।

इस टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा और टोरंटो नेशनल्स के बीच खेला जाना था पर मगर खराब मौसम के चलते मैच होना संभव नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में अंपायरों ने 1-1 ओवर का मैच रखा पर टीम के कप्तान शाकिब इसमें उतरने को तैयार नहीं हुए।

एक रिपोर्ट के अनुसार शाकिब ने 1-1 ओवर का मैच खेलने से मना दिया। उनका कहना था कि यह नियमों का उल्लंघन है। नियम यह है कि 1-1 ओवर का मैच तभी होता है जब मैच टाई हो। इसके अलावा किसी भी मैच का परिणाम निकालने के लिए 5-5 ओवर का खेल होना जरूरी है। अगर बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा वर्सेस टोरंटो नेशनल्स एलिमिनेटर बारिश के चलते नहीं हो पाता तो नियमों के तहत शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा को क्वालिफायर-2 के तौर पर प्रवेश मिल जाता क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में तीसरे पायदान पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची थी।

मैच अधिकारी शाकिब को खेल के लिए समझाते रहे पर उन्होंने उपनी जिद नहीं छोड़ी। अंत में जब शाकिब टॉस के लिए मैदान पर नहीं उतरे तो अंपायों ने मैच को रद्द करते हुए अंक तालिका में नंबर-4 पर होने के बाद भी टोरंटो नेशनल्स को अगले दौर मे में भेज दिया।

पेरिस ओलंपिक-2024 में इस बार छह भारतीय खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे

पेरिस, 11 अगस्त (एजेंसियां)।
भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ी केवल छ पदक ही जीत पाये जबकि पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में उसने 7 पदक जीते थे जिसमें एक स्वर्ण भी शामिल था। इस बार भारतीय दल के पास और भी पदक जीतने का अवसर था पर क्वार्टर फाइनल में हार से वह निकल गया। 6 खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे जिससे हाथ आये पदक निकल गये। इस बार केवल निशानेबाज ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। वहीं अन्य खेलों में निर्णायक क्षणों में हार से भारतीय खिलाड़ियों के हाथ से पदक निकल गये।

निशानेबाजी में दो पदक जीतकर, मनु भाकर ने प्रभावित किया। मुन ने एकल के बाद मिश्रित इवेंट में निशानेबाज सरबजोत सिंह के साथ कांस्य जीता। इसके अलावा व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य जीता। भाला फेंक में पिछले बार के स्वर्ण विजेता नीरज इस बार रजत पदक ही जीत पाये। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने एक मात्र पदक जीता। कुश्ती में विनेश फोगाफ के सेमीफाइनल में वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने से भी भारत के हाथ से एक पदक निकल गया।

मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रही ओर उनके हाथ से तीसरा पदक निकल गया। इसके अलावा निशानेबाज अर्जुन बबूता भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चौथे नंबर पर रह गए। इसके अलावा महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नरूका भी निशानेबाजी के स्कीट टीम इवेंट में चौथे नंबर पर रहे।

बैडमिंटन में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार ओलंपिक पदक जीतने से रह गयीं। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी सेमीफाइनल में पहुंच पर वहां हार से पदक नहीं जीत पाये।

वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई चानू भी पदक जीतने में विफल रहीं। . उन्होंने वेटलिफ्टिंग की अपनी कैटेगरी में कुल 199 किलो का वजन उठाया और चौथे नंबर पर रहीं. 200 किलो वजन उठाने वाली वेटलिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह मीराबाई चानू एक किलो वजन से मेडल चूक गईं. तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवड़ा की जोड़ी भी चौथे स्थान पर रही और पदक हासिल नहीं कर पायी। मुक्केबाजी में निशांत देव और पिछले बार की रजत विजेता लवलीना बोरगोहेन भी क्वार्टर फाइनल में आकर हार गयीं।

रेसलर विनेश फोगाट को मेडल मिलेगा या नहीं ? 13 तक के लिए टला फैसला

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियाणा की रेसलर विनेश फोगाट को पेरिस में मेडल मिलेगा या नहीं। इस पर फैसला कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स ने साढ़े नौ बजे अपना फैसला देने की बात कही थी। हालांकि आईओए के हवाले से खबर आ रही है कि ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ विनेश फोगाट की अपील पर सीएएस का फैसला 13 अगस्त तक टाला गया है।

50 किलोग्राम फ्री स्टाइल कुश्ती में बढ़े वजन के चलते हो गई थी डिस्क्वालिफाई

डिजिटल डेस्क, पानीपत। हरियाणा की रेसलर को पेरिस में मेडल मिलेगा या नहीं। इस पर फैसला आने में कुछ ही समय बचा है।इसको लेकर खेल कोर्ट यानी कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स 13 अगस्त को फैसला आने की बात कही थी।

खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) यानी कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स ने भारतीय पहलवान विनेश फोगट की ओलंपिक खेलों के महिला 50 किग्रा फ्री-स्टाइल फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील पर निर्णय लेने में एक और दिन लेगा।

29 वर्षीय विनेश को बुधवार को वजन के समय 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उनकी अपील पर बहुप्रतीक्षित फैसला शनिवार शाम को घोषित किया जाना था।

13 अगस्त शाम 6 बजे तक का दिया समय

आईओए ने एक बयान में कहा कि सीएएस ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट को निर्णय जारी करने के लिए 13 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे तक का समय दिया है। इसमें कहा गया कि तर्कसंगत आदेश बाद में जारी किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा ने विनेश फोगाट को लेकर कही ये बात

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक से अयोग्य ठहराए जाने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगट की कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में रजत पदक के लिए अपील पर खुलकर बात की और कहा कि अगर 29 वर्षीय विनेश को पदक मिलता है तो यह 'बहुत अच्छा' होगा।

विनेश को स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी थी, लेकिन बुधवार को वजन सीमा से केवल 100 ग्राम अधिक होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने सीएएस से अनुरोध किया कि उन्हें रजत पदक दिया जाए।

विनेश फोगाट के देश लिए किए गए कार्यों को न भूले- नीरज चोपड़ा

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने घोषणा की कि महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश फोगट को रजत पदक देने का निर्णय चल रहे मार्की इवेंट के खत्म होने से पहले लिया जाएगा। इंडिया हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, नीरज ने नागरिकों से विनेश फोगट द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों को न भूलने के लिए कहा।

अगर पदक नहीं जीतते तो वे लोग हमें भूल जाते हैं- नीरज चोपड़ा

नीरज ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अगर वह पदक जीतती है तो यह वाकई बहुत अच्छा होगा। अगर ऐसी स्थिति नहीं आती तो उसे पदक मिल जाता। अगर हम पदक नहीं जीतते तो लोग हमें कुछ समय के लिए याद रखते हैं और कहते हैं कि हम उनके चैंपियन हैं, लेकिन अगर हम पदक नहीं जीतते तो वे हमें भूल जाते हैं...मैं लोगों से बस इतना अनुरोध करना चाहता हूं कि विनेश ने देश के लिए जो किया है उसे न भूलें...।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद सोमवार को शेयर बाजार पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडानी समूह के कथित धन शोधन घोटाले में उपयोग की गईं विदेशी कंपनियों में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी ने अडानी समूह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर को ही कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। इस मामले में शेयर बाजार विश्लेषकों का कहना है कि हिंडनबर्ग द्वारा सेबी प्रमुख माधबी और उनके पति धवल बुच पर लगाए आरोपों पर बाजार प्रतिक्रिया तो करेगा, लेकिन बड़ा असर नहीं होगा। उनका मानना है कि ये आरोप केवल आरोप हैं, कुछ सिद्ध नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन आरोपों का शेयर बाजार में मामूली प्रभाव तो हो सकता है, लेकिन बाजार में बड़ी हलचल यह हिंडनबर्ग के आरोप पैदा कर देगी, ऐसी आशंका अत्यधिक कम है। यह सेबी के आंतरिक संचालन और कर्मचारी अनुपालन से संबंधित मामला है। बाजार परिपक्व और कोई दहशत जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। एक रिपोर्ट की मानें तो बाजार रिएक्ट तो करेगा लेकिन साथ ही दूसरे निवेशकों के लिए मौके भी बना सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये आरोप मौजूदा सेबी प्रमुख के खिलाफ हैं। हालांकि बाजार में तेजी से सुधार भी आ सकता है। समस्या तभी पैदा होगी जब सेबी अध्यक्ष बुच की इन आरोपों के चलते छुट्टी कर दे। आईसीआईसीआई बैंक में चंदा कोचर के मामले ऐसा देखा गया था। इक्रिनॉमिक्स रिसर्च के एक शोधकर्ता का भी मानना है कि हिंडनबर्ग ने जो कहा है वह, केवल आरोप हैं और वे ऐसी रिपोर्टों पर विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने सोमवार को शेयर बाजार के स्थिर रहने की संभावना जताई है। अल्फानिटी फिनटेक के एक विश्लेषक ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों का वैसा प्रभाव पड़ने की संभावना बहुत कम है, जैसी अडानी पर आई रिपोर्ट पर हुआ था। हिंडनबर्ग के आरोपों का बाजार की धारणा पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। आरोप अप्रत्यक्ष हैं और इसका ज्यादा मतलब नहीं है। किसी भी तरह की शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद बाजार में फिर से तेजी आएगी।

जानकार बोले-बाजार में बड़ी हलचल की आशंका कम है, दहशत जैसी स्थिति जरूर बन सकती है!

न्यूजब्रीफ

वाहनों में फैंसी नंबर प्लेट्स लगाना होगा महंगा, 28 फीसदी जीएसटी लगाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। वाहनों में पसंदीदा नंबर प्लेट्स लगवाना जल्द ही महंगा हो सकता है, क्योंकि सरकार फैंसी नंबर प्लेट्स पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू करने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्या फैंसी नंबर या नंबर ऑफ चॉइस को लग्जरी आइटम के रूप में मानकर उस पर उच्चतम जीएसटी दर लगाना उचित है। सूत्रों के अनुसार फील्ड फॉर्मेशंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) को पत्र लिखकर यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या फैंसी नंबर प्लेट्स पर जीएसटी की देनदारी बनती है। फील्ड फॉर्मेशंस का कहना है कि फैंसी नंबर प्लेट्स लग्जरी आइटम हैं और इस पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू होनी चाहिए। वाहनों में नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन प्लेट देने का काम राज्य सरकार के प्राधिकरणों का होता है। फैंसी नंबर देने के लिए राज्य सरकारें नीलामी करती हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। कई बार फैंसी नंबर की नीलामी लाखों रुपए में होती है और लोग अपनी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगवाने के लिए लाखों रुपए खर्च भी करते हैं। फील्ड फॉर्मेशंस सभी राज्यों और जोन में स्थित केंद्र सरकार के दफ्तर होते हैं, जो टैक्स कलेक्शन के लिए जिम्मेदार होते हैं। टैक्स कलेक्शन के अलावा फील्ड फॉर्मेशंस के पास टैक्स से जुड़े नियमों को लागू कराने की भी जिम्मेदारी होती है और वही टैक्सपेयर्स के साथ बात भी करते हैं। अगर फील्ड फॉर्मेशंस की बात मानी गई तो जल्दी ही फैंसी नंबर के लिए लोगों का खर्च बढ़ सकता है।

घरेलू खाद्य बाजार बढ़कर 1,274 अरब डॉलर पहुंच सकता है : रिपोर्ट

नई दिल्ली। घरेलू खाद्य बाजार के 2027 तक 47 प्रतिशत से बढ़कर 1,274 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अत्याधुनिक तकनीक के साथ नवाचारी स्टार्टअप उभर रहे हैं। भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र दक्षिणी राज्यों के लिए संभावनाएं शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु भारत के प्रसंस्कृत फलों, जूस और मेवों के निर्यात में सबसे आगे है। राज्य की मात्रा के हिसाब से 33 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अध्ययन में उभरते रुझानों, प्रौद्योगिकियों और निर्यात अवसरों के बारे में विचार किया गया है। सीआईआई नेशनल काउंसिल फॉर कोल्ड चेन एंड एग्री लॉजिस्टिक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस वृद्धि को रफ़्तार देने में प्रौद्योगिकी अग्रणी भूमिका निभाएगी।

अरबिंदो फार्मा का मुनाफा पहली तिमाही में 61 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। अरबिंदो फार्मा का जून 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 61 प्रतिशत बढ़कर 919 करोड़ रुपये हो गया। हैदराबाद स्थित दवा विनिर्माता ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 571 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जून तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 7,567 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6,851 करोड़ रुपये थी। अरबिंदो फार्मा के एक अधिकारी ने कहा कि हम इस तिमाही में अपने लगातार मजबूत प्रदर्शन से खुश हैं, जिसमें हमारे सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय आय वृद्धि हुई है।

सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस और एलआईसी को हुआ

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.66 लाख करोड़ घटा

मुंबई,11 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में संयुक्त रूप से 1,66,954.07 करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 33,930.56 करोड़ रुपये घटकर 19,94,765.01 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह रिलायंस की बीते हफ्ते शीर्ष 10 कंपनियों में से सर्वाधिक नुकसान हुआ। पिछले हफ्ते देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में 30,676.24 करोड़ रुपये घटकर 7,17,001.74 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 21,151.33 करोड़ रुपये घटकर 7,35,566.52 करोड़ रुपये, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 20,973.19 करोड़ रुपये घटकर 7,35,277.28 करोड़ रुपये, टाटा समूह की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 19,157.77 करोड़ रुपये घटकर 15,30,469.11 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,993.56 करोड़ रुपये घटकर 8,33,396.32 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,975.55 करोड़ रुपये घटकर 8,25,201.23 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,095.87 करोड़ रुपये घटकर 12,56,505.53 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,946.24 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,808.65 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन भी 8,406.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,19,829.37 करोड़ रुपये हो गया। पिछले हफ्ते बड़ा नुकसान उठाने के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनी परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल: विश्लेषक

मुंबई। इस सप्ताह वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनियों के जून तिमाही के परिणाम, जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि भी बाजार में गतिविधियों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस सप्ताह चार दिन ही कारोबार होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह सबका ध्यान वैश्विक बाजारों पर रहेगा क्योंकि हम स्थिरता की लंबी अवधि के बाद कमजोरी का असर देख सकते हैं। भारतीय इक्विटी बाजार में भी इस सप्ताह कुछ हद तक स्तर बनाए रखने की स्थिति से जूझ सकते हैं। बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के अलावा भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अप्रैल-जून तिमाही के लिए कंपनियों के वित्तीय नतीजों का अंतिम दौर इस सप्ताह खास शेयरों की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह हीरो मोटोकॉर्प और हिंडाल्को जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रवाह भी बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वोडाफोन आइडिया, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी, एसजेवीएन और पीसी ज्वैलर भी सप्ताह के दौरान अपनी तिमाही आय की घोषणा करेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर सोमवार को जून के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े और जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को जारी किया जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह आने वाले भारतीय मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजार घरेलू बाजार की दिशा तय करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे

एचसीएल सॉफ्टवेयर कंपनी को 2.4 करोड़ यूरो में खरीदेगी जीनिया

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एचसीएलटेक के सॉफ्टवेयर कारोबार अनुभाग एचसीएल सॉफ्टवेयर ने 2.4 करोड़ यूरो (लगभग 218 करोड़ रुपये) में डेटा कैटलॉग और संचालन समाधान देने वाली पेरिस की कंपनी जीनिया का अधिग्रहण करने की घोषणा की। यह अधिग्रहण सितंबर 2024 में पूरा हो सकता है।

एचसीएल सॉफ्टवेयर इस अधिग्रहण के जरिये अपने डेटा ऐंड एनालिटिक्स कारोबार (ऐक्शन) को बढ़ाएगी। एचसीएल सॉफ्टवेयर ऐक्शन डेटा प्लेटफॉर्म ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान हाइब्रिड डेटा प्रबंधन और एकीकरण में जोरदार वृद्धि देखी है। कंपनी ने कहा कि मेटाडेटा प्रबंधन, डेटा कैटलॉग और संचालन क्षमताओं को जोड़ने से ग्राहक डेटा प्लेटफॉर्म की इन क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। एचसीएल सॉफ्टवेयर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे ग्राहकों के लिए कारोबारी कार्यों में अपनी जेनएआई पहलों को बढ़ावा देने के मामले में मेटाडेटा प्रबंधन महत्वपूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे एचसीएल सॉफ्टवेयर एकीकृत डेटा इंटेलिजेंस समाधान कर सकेगी।

सिग्नेचर ग्लोबल का कर्ज जून तिमाही में 16 फीसदी घटा

नई दिल्ली। रियल्टी फर्म सिग्नेचर ग्लोबल का कर्ज जून तिमाही में 16 फीसदी कम होकर 980 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने कहा कि आवासीय परियोजनाओं में मजबूत बिक्री के बीच बेहतर नकदी प्रवाह की वजह से कर्ज में कमी आई है। कंपनी ने जून तिमाही के लिए अपनी ताजा निवेशक प्रस्तुति में बताया कि पिछले माह 30 जून तक उसका कर्ज 980 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वित्त वर्ष के आखिर में यह 1,160 करोड़ रुपये था। प्रस्तुति में कहा गया कि कंपनी का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में कर्ज को अनुमानित परिचालन अधिशेष के 0.5 गुना से कम पर रखना है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि पहली तिमाही में वार्षिक पूर्व-बिक्री लक्ष्य का 30 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है।

जून तिमाही में कोयला आयात बढ़कर 7.52 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत का कोयला आयात 5.7 प्रतिशत बढ़कर 7.52 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.11 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था। ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के जुटाए आंकड़ों के मुताबिक जून में देश का कोयला आयात भी 6.59 प्रतिशत बढ़कर 2.29 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.15 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था। जून 2024 के दौरान कुल आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.41 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल जून में आयात किए गए 1.32 करोड़ टन से अधिक है। कोकिंग कोयले का आयात 54.5 लाख टन रहा, जबकि जून 2023 में 53.3 लाख टन आयात किया गया था।अप्रैल-जून तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 4.91 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में आयात किए गए 4.65 करोड़ टन से अधिक है।

अप्रैल-जून तिमाही में कोकिंग कोयले का आयात 1.54 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1.52 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन हो गया था जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में देश का कोयला आयात 24.90 करोड़ टन था। घरेलू कोयला उत्पादन पिछले वित्त वर्ष में 11.71 प्रतिशत बढ़कर 99.78 करोड़ टन हो गया, जबकि 2022-23 में यह 89.31 करोड़ टन था।

देश में 10,000-20,000 रुपए कीमत वाले स्मार्टफोन की मांग ज्यादा: इन्फिनिक्स इंडिया

लखनऊ,11 अगस्त (एजेंसियां)। देश के स्मार्टफोन उद्योग में 10,000-20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन का दबदबा बरकरार है, जो कुल बाजार आकार का 40 प्रतिशत से अधिक है। इन्फिनिक्स इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। अधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में 5जी सक्षम हैंडसेट की मांग बढ़ी है और 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच की कीमत वाले डिवाइस की मांग अधिक देखी जा रही है, जबकि पहले 10,000 रुपये से कम कीमत वाले डिवाइस बाजार में छाए रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से बाजार में जो ठहराव था, वह बदल गया है और बाजार एक बार फिर से बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा कि पहले भारत में 10,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन का बाजार पर दबदबा था और यह करीब 35 से 40 फीसदी था। अब प्रमुख बाजार 10,000 से 20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन के पास चला गया है, जो करीब 43 फीसदी है। उन्होंने इस नए रुझान का श्रेय उन्नत सुविधाओं और नवीनतम तकनीक के प्रति उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकता को दिया। फिलहाल 5जी फोन की कीमत 10,000 से 11,000 रुपये से शुरू है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हमारे लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही दृष्टि से सबसे बड़े बाजारों में से एक है, और एक ब्रांड के रूप में हमारे लिए प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी ने ...

उन्होंने कहा कि इनसे किसानों की आय बढेगी, पैदावार में इजाफा होगा और लागत घटेगी। श्री चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु अनुकूल है और खराब मौसम में भी बेहतर पैदावार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये किस्में पोषक तत्वों से भरपूर हैं।

बता दें कि भारत सरकार पहले से ही पर्यावरण की चिंता के साथ हरित और टिकाऊ कृषि और अच्छी कृषि प्रथाओं के माध्यम से हरित कृषि को बढ़ावा दे रही है। यह राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) को लागू कर रहा है जो जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत राष्ट्रीय मिशनों में से एक है। एनएमएसए का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए रणनीतियों को विकसित और लागू करना है। इसके अलावा, सरकार ने बजट 2023-24 में धरती माता के पुनरुद्धार, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) योजना की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

बेलगावी एविएशन...

दोनों बीते दिन 10 अगस्त को गुना पहुंचे थे।

आज रविवार को टेस्टिंग के लिए एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी, लेकिन 40 मिनट बाद वह क्रैश हो गया। कैंट थाना प्रभारी दिलीप राजौरिया हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि दोनों घायल पायलटों को इलाज के संजीवनी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना कैसे हुई है, इसकी शा-शिब एकेडमी द्वारा जांच की जा रही है।

सीएए के तहत ...

गहन जांच के बाद, समिति ने सिफारिश की कि कुछ व्यक्तियों को नागरिकता दी जाए। अब तक, आरएच शिविरों में 146 बंगलादेशी शरणार्थियों ने सीएए के तहत भारतीय नागरिकता पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा किए हैं। गौरतलब है कि शिविरों की हालत खस्ता है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसर सीमित हैं। कई निवासी भारत में लंबा समय बिताने के बावजूद अभी भी बाहरी होने का कलंक झेलते हैं।

जयशंकर ने...

उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि यह मालदीव में एनपीएस कर्मियों को प्रशिक्षण देने का केंद्र बन गया है। भारत ने अड्डू को क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने का एक स्थायी तरीका खोजने के लिए अड्डू रिक्लेमेशन और तट संरक्षण परियोजना पर मालदीव सरकार के साथ समझौता किया है। 184 हेक्टेयर भूमि का पुनर्ग्रहण इस वर्ष की शुरुआत में संपन्न हुआ था। 80 मिलियन डॉलर के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में पर्यटन विकास उद्देश्यों और अड्डू के समग्र आर्थिक विकास के लिए पुनर्ग्रहण शामिल है।उन्होंने कहा, भारतीय सहायता से चलाई जा रही एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना अड्डू रोड और ड्रेनेज डेवलपमेंट का पुनर्विकास है। जो 70 मिलियन डॉलर की लागत से पूरा होने वाला है और इसके पूरा होने पर अड्डू में जलभराव और सड़कों की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा, अड्डू डेटोर लिंक रोड का आज उद्घाटन किया जा रहा है, जो इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने एक्स पर लिखा, 4-लेन डेटोर लिंक रोड और अड्डू शहर में तट संरक्षण और पुनर्ग्रहण परियोजना के पूरा होने के अवसर पर आयोजित समारोह का संयुक्त रूप से उद्घाटन करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जुड़कर खुशी हुई। उन्होंने कहा, भारत हमारे सामाजिक-आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है। आज उद्घाटन की गई दो परियोजनाएं हमारे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को और मजबूत करती हैं। शनिवार को विदेश मंत्री ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की उपस्थिति में राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक समारोह में मालदीव सरकार के लिए 28 द्वीपों में पेयजल और स्वच्छता परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट की साइट का भी दौरा किया, जो मालदीव में भारत की प्रमुख परियोजना है। वर्तमान में, भारत और मालदीव 65 विकास परियोजनाओं पर सहयोग कर रहे हैं।

तुंगभद्रा बांध...

और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतनी चाहिए।हमारी टीमें स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं, और जहां भी जरूरत होगी हम सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और घटना से संभावित परिणामों का प्रबंधन करने के लिए आपदा प्रबंधन टीमों को तैनात किया गया है। स्थिति अस्थिर बनी हुई है, और निवासियों को नवीनतम अपडेट के लिए आधिकारिक चैनलों के माध्यम से सूचित रहने की सलाह दी जाती है। चूंकि बाढ़ का पानी नीचे की ओर बह रहा है, इसलिए प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सतपुड़ा पर्वत के घने जंगल में अद्भुत हाटकेश्वर महादेव मंदिर

साल में एक बार दर्शन, मार्कण्डेय ऋषि से जुड़ा है इतिहास

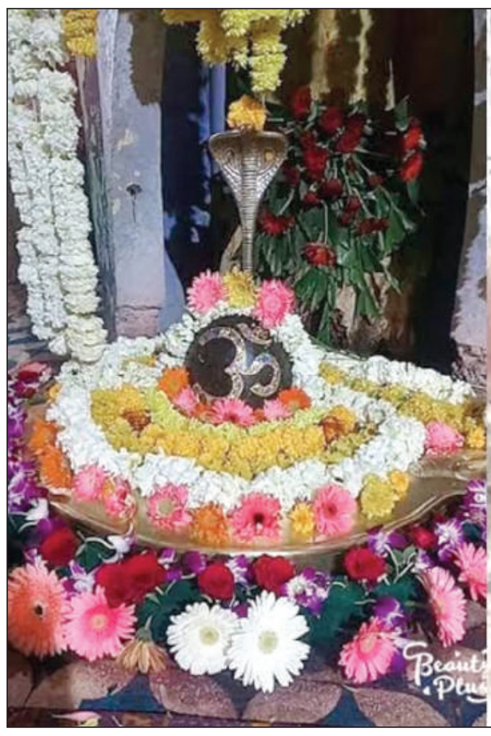

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के भगवान पूरा क्षेत्र के श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर, सतपुड़ा पर्वत के घने जंगल में छुपा हुआ एक धार्मिक स्थल है । यह मंदिर विशेष रूप से अपनी अद्भुत शिवलिंग के लिए जाना जाता है। जिसके दर्शन भक्तों को साल में एक बार ही होते है। यहां श्रावण माह में अध्यात्म के साथ प्रकृति के अनुपम दृश्य भी भक्तों को खूब लुभाते है।

नन्हेश्वर धाम में स्थित श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर को मार्कण्डेय ऋषि की तपोभूमि भी कहा जाता है। मंदिर के पुजारी हरी ओम बाबा के अनुसार यह स्थल मार्कण्डेय ऋषि की तपो स्थली है। मार्कण्डेय ऋषि को 21 कल्पों के बाद इसी जगह अमरत्व की प्राप्ति हुई थी। यह स्थान उनकी तपस्या और दिव्य शक्ति का प्रतीक माना जाता है। शिवलिंग की स्थापना भी उनके द्वारा ही स्थापित बताई जाती है।

तीन दशक पहले हुई शिवलिंग की खोज

ग्रामीणों के अनुसार, आज से 27 साल पहले, हरी ओम बाबा को इस क्षेत्र में शिवलिंग के अस्तित्व का आभास हुआ। खुदाई के दौरान, सात फीट नीचे एक कुंड में अद्भुत पारद की शिवलिंग मिली। इससे पहले इस स्थान पर किसी को इस शिवलिंग के बारे में जानकारी नहीं थी। बाबा ने कुंड की सफाई करवाई और शिवलिंग की पुनः स्थापना की गई। जिस दिन स्थापना की उस दिन जनवरी माह की 7 तारीख थी।

साल में एक बार होते हैं दर्शन

अब यह शिवलिंग मंदिर के तलघर में एक गहरे कुंड में साल भर जलमग्न रहता है। सिर्फ 7 जनवरी को कुंड का पानी निकालकर शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक होता है। उसी दिन मात्र 12 घंटे के लिए जल से बाहर निकले प्राचीन पारद शिवलिंग के दर्शन भक्तों को होते है। भक्त शिवलिंग को छू पाते है। हैरानी की बात यह है कि बावड़ी में पानी सालभर एक नियत स्थान तक ही सीमित रहता।

बावड़ी में नहाने से दूर होते हैं रोग

यहां सतपुड़ा पर्वत की खूबसूरती और महादेव के दर्शन का अद्भुद समागम देखने को मिलता है। सावन में अखंड रामायण पाठ चलता है। इस श्रावण माह में हर साल अद्भुत शिवलिंग के दर्शन के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से सैकड़ों भक्त आते हैं। यहां एक प्राचीन बावड़ी भी है। जिसे लोग चमत्कारी मानते है। श्रद्धालु का मानना है कि, इस बावड़ी में स्नान करने से शारीरिक एवं मानसिक रोगों से मुक्ति मिलती है।

700 साल पहले मंदिर कर दिया था खंडित

हरी ओम बाबा ने बताया कि श्री हाटकेश्वर महादेव का यह मंदिर अति प्राचीन है। यह किसने बनवाया नही पता है। लेकिन, 1333 ईसवी में मंदिर खंडित हो गया था। अब जन सहयोग से राजस्थान और जोधपुर के लाल पत्थरों से मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है।

सावन सोमवार और शिवामूठ व्रत का महत्व और पूजा विधि

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार चातुर्मास प्रारंभ होने पर आने वाला पहला माह सावन होता है। रूढी परंपरा के अनुसार इस माह से व्रत आदि शुरू हो जाते हैं। इस माह को पवित्र माह कहा जाता है। इस माह में सावन सोमवार, नाग पंचमी, मंगला गौरी पूजन, जन्माष्टमी ,नारियल पूर्णिमा ,रक्षाबंधन, शुक्रवार के व्रत ऐसे अनेक व्रत किए जाते हैं। इस माह के प्रत्येक सोमवार को सावन सोमवार व्रत किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 21, 28 अगस्त एवं 4 ,11 सितंबर को होंगे। सावन माह में सोमवार को शिव मंदिर में जाकर शिव पिंडी का अभिषेक, पूजा एवं शिवामूठ अर्पित करना इस तरह यह व्रत किया जाता है। प्रस्तुत लेख में सावन सोमवार का व्रत किस तरह अंगीकृत करना चाहिए इस संबंध में किया विस्तार से बताया गया है। सोमवार के अलावा अन्य व्रत धर्म द्वारा बताए अनुसार एवं परंपरा के अनुसार शुरू रहते हैं। ऐसे इस पवित्र सावन माह के व्रत भक्ति भाव से करके उस के माध्यम से देवता का तत्व ग्रहण करके आनंद प्राप्त करेंगे।

प्रत्येक सोमवार को किया जाने वाला व्रत अर्थात सावन सोमवार

सावन महीने के प्रत्येक सोमवार को भगवान शंकर के मंदिर में जाकर उनकी पूजा करनी चाहिए और संभव हो तो निराहार व्रत करना चाहिए अथवा एक भुक्त अर्थात (एक समय भोजन) करना चाहिए। इससे भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं एवं शिव सायुज्य मुक्ति प्राप्त होती है। सावन सोमवार को उपवास करके भगवान शिव की विधिवत पूजा करने का महत्व ग्रंथ 'व्रत राज 'में निम्न श्लोक के माध्यम से बताया गया है।

उपोषितः शुचिर्भूत्वा सोमवारे जितेन्द्रियः।
वैदिकैर्लौकिकै मन्त्रैर्विधिवत पूजयेच्छिवम्।।

अर्थ- संयम एवं शुचिता आदि नियमों का पालन करते हुए सोमवार को उपवास करके वैदिक अथवा लौकिक मंत्र से भगवान शिव की विधिवत पूजा करनी चाहिए।

शास्त्रकारों ने मन पर संयम रखकर शुचिता आदि नियमों के पालन के विषय में उसी तरह उपवास करने के संबंध में बताया है। उसी तरह अपने अपने ज्ञान के आधार पर संभव हो उस वैदिक अथवा लौकिक मंत्र के द्वारा शिवपूजन करना चाहिए ऐसा बताया है।

अपने घर के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

शिवलिंग उपलब्ध ना हो तो शिवजी के चित्र की पूजा करनी चाहिए।

शिवजी का चित्र भी उपलब्ध ना हो तो पाट पर शिवलिंग अथवा शिवजी का चित्र बनाकर कर उसकी पूजा करनी चाहिए।

उपरोक्त कुछ भी संभव ना हो तो शिव जी का 'ओम नमः शिवाय' यह नाम मंत्र लिखकर उसकी भी पूजा की जा सकती है ।

शिवजी की षोडशोपचार अथवा पंचोपचार पूजा की जा सकती है। पूजा करते समय भगवान शिव को सफेद फूल चढ़ा सकते हैं। त्रिदल बिल्वपत्र चढ़ाना चाहिए। शिव को अर्ध प्रदक्षिणा करनी चाहिए। उस दिन शिव जी का 'ओम नमः शिवाय' यह नाम जप अधिक से अधिक करना चाहिए।

शिवामूठ व्रत करने की पद्धति

विवाह के बाद प्रथम 5 वर्ष सावन सोमवार को शिवामूठ व्रत किया जाता है।

सावन माह में आने वाले चार सोमवारों को चार अलग-अलग तरह के धान्य भगवान शिव को अर्पित किए जाते हैं। इसमें सावन माह के प्रत्येक सोमवार को एक भुक्त रहकर शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए एवं क्रमानुसार चावल, तिल, मूंग, जौ एवं सत्तू (पांचवा सोमवार आए उस दिन) इन अनाजों की पांच मुठ्ठियां भगवान पर चढ़ानी चाहिए।

सज्जन आदमी में होते हैं ये 3 गुण, हमेशा करते हैं तरक्की

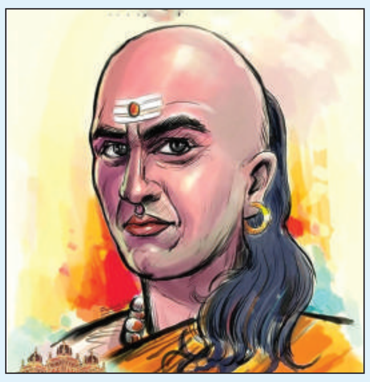

आचार्य चाणक्य ने एक महान ग्रंथ की रचना की है, जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है। इस नीति शास्त्र में धर्म-अधर्म, कर्म, पाप-पुण्य से जुड़ी सभी बातों का जिक्र है। इनका अध्ययन करने पर सफलता हासिल करने में आसानी होती हैं। आचार्य चाणक्य की गणना देश के महान विद्वानों में की जाती है। उन्हें न केवल किताबी विषयों का ज्ञान था, बल्कि जीवन में आने वाली हर परिस्थिति के समाधान से वह भली भांति परिचित थे।

यही कारण है कि आज भी उनकी नीतियां कठिन समय से निकलने में काम आती है। उनका मानना है कि आपके अंदर आत्मविश्वास है, तो बड़ी से बड़ी जंग को भी जीता जा सकता है। वहीं आचार्य चाणक्य ने मनुष्य के उन तीन गुणों का उल्लेख भी किया है, जो उसे दूसरों से अलग बनाते हैं। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

सन्तोषाऽमृततृप्तानां यत्सुखं शान्तचेतसाम् ।
न च तद् धनलुब्धानामितश्चेतश्च धावताम् ।।

आचार्य चाणक्य के इस श्लोक का अर्थ है कि जो व्यक्ति संतोषरूपी अमृत से तृप्त है और मन से शांत है,उस व्यक्ति को जो सुख मिलता है। वह धन के लिए इधर-उधर भागने वाले को कभी प्राप्त नहीं होता। चाणक्य के अनुसार मन से शांत रहने वाले व्यक्ति को हमेशा सुख की प्राप्ति होती है। वहीं लालच करने वाला इंसान हमेशा भागदौड़ में उलझा रहता है।

नाऽत्यन्तं सरलैर्भाव्यं गत्वा पश्य वनस्थलीम्।
छिद्यन्ते सरलास्तत्र कुब्जास्तिष्ठन्ति पादपाः ।।

चाणक्य के अनुसार इंसान को इतना सीधा भी नहीं होना चाहिए कि लोग आपको दुर्बल और मूर्ख समझने लगे। उनका मानना है कि वन में जाकर देखो, सीधे वृक्ष काट दिए जाते हैं और टेढ़े-मेढ़े गांठों वाले पेड़ खड़े रहते हैं।

वाचः शौचं च मनसः शौचमिन्द्रियनिग्रह।
सर्वभूते दया शौचं एतच्छौत्रं पराऽर्थिनाम् ।।

आचार्य चाणक्य के इस श्लोक का अर्थ है कि व्यक्ति की वाणी की पवित्रता और मन की शुद्धि, इंद्रियों का संयम, प्राणिमात्र पर दया, धन की पवित्रता, मोक्ष प्राप्त करने वाले के लक्षण होते हैं।

चाणक्य के अनुसार जो सज्जन व्यक्ति में प्राणिमात्र पर दया और धन की पवित्रता के गुण होते हैं। इनके चलते वह हमेशा समाज में मान-सम्मान प्राप्त करता है। इन गुणों को अपनाने पर इंसान के प्रभाव में भी वृद्धि होती हैं।

कब से शुरू हो रहा है पितृ पक्ष

पितृ पक्ष लगभग 15 दिन की अवधि होती है, जिसमें लोग अपने पूर्वजों को भोजन व अर्पण आदि कर उन्हें श्रधांजलि देते हैं। माना जाता है कि इस समय पितृ, पितृलोक से धरती पर आते हैं। देखा जाए तो यह पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए एक उत्तम समय माना गया है। वहीं अगर कोई व्यक्ति पितृ दोष से परेशान है, तो पितृ पक्ष में वह इससे छुटकारा पाने के उपाय भी कर सकता है, जो लाभकारी साबित होते हैं।

इस दिन से हो रही है शुरुआत

पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्रपद पूर्णिमा से होती है और यह आश्विन माह की अमावस्या तिथि तक चलते हैं। ऐसे में इस बार पितृ पक्ष 17 सितंबर 2024 से शुरू हो रहे हैं, जो 02 अक्टूबर तक रहने वाले हैं। इस दौरान लोग अपने पितरों के निमित्त आश्विन कृष्ण पक्ष में तर्पण और श्राद्ध कर्म आदि करते हैं। इन्हें 'श्राद्ध' के नाम से भी जाना जाता है।

पितृ पक्ष की तिथियां –

17 सितंबर 2024, मंगलवार – प्रोषठपदीड़ पूर्णिमा श्राद्ध
18 सितंबर 2024, बुधवार – प्रतिपदा का श्राद्ध
19 सितंबर 2024, गुरुवार – द्वितीया का श्राद्ध
20 सितंबर 2024, शुक्रवार – तृतीतया का श्राद्ध
21 सितंबर 2024, शनिवार – चतुर्थी का श्राद्ध
22 सितंबर 2024, रविवार – पंचमी का श्राद्ध
23 सितंबर 2024, सोमवार – षष्ठी का श्राद्ध और सप्तमी का श्राद्ध
24 सितंबर 2024, मंगलवार – अष्टमी का श्राद्ध
25 सितंबर 2024, बुधवार – नवमी का श्राद्ध
26 सितंबर 2024, गुरुवार – दशमी का श्राद्ध
27 सितंबर 2024, शुक्रवार – एकादशी का श्राद्ध
29 सितंबर 2024, रविवार – द्वादशी का श्राद्ध
29 सितंबर 2024, रविवार – मघा का श्राद्ध
30 सितंबर 2024, सोमवार – त्रयोदशी का श्राद्ध
01 अक्टूबर 2024, मंगलवार – चतुर्दशी का श्राद्ध
02 अक्टूबर 2024, बुधवार – सर्व पितृ अमावस्या

इन बातों का रखें ध्यान

पितृ पक्ष के दौरान कई तरह के नियमों का ध्यान रखना जरूरी होता है। साथ ही इस दौरान कई कार्यों को करने की मनाही भी होती है। नए कपड़े, वाहन, जमीन आदि खरीदना और शुभ कार्य जैसे विवाह, सगाई, मुंडन, उपनयन संस्कार आदि करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान व्यक्ति को तामसिक भोजन से भी दूरी बनाने की सलाह दी जाती है। साथ ही इस अवधि में किसी भी तरह के नए बिजनेस की शुरुआत करना भी शुभ नहीं माना जाता।

सावन दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को ऐसे करें प्रसन्न

सभी परेशानी होंगी दूर

मासिक दुर्गाष्टमी का पर्व मां दुर्गा को समर्पित है। यह त्योहार हर महीने बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। मासिक दुर्गाष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा की विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ तिथि पर सच्चे मन से मां दुर्गा की पूजा और व्रत करने से साधक को जीवन में शुभ फल की प्राप्ति होती है और मां दुर्गा का आशीर्वाद मिलता है। अगर आप भी जीवन में खुशियों का आगमन चाहते हैं, तो सावन दुर्गाष्टमी के दिन पूजा के दौरान दुर्गा चालीसा का पाठ करें। इससे साधक को जीवन की परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

ज्योतिषियों की मानें तो सावन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 12 अगस्त को भारतीय समयानुसार सुबह 07 बजकर 56 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 13 अगस्त को सुबह 09 बजकर 31 मिनट पर होगा। अत: 13 अगस्त को सावन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी है।

सिद्धनाथ मंदिर का त्रेता युग से है संबंध

दर्शन करने से सभी मुरादें होती हैं पूरी

सनातन धर्म में सावन के महीने को बेहद शुभ माना जाता है। यह महीना सृष्टि के रचयिता देवों के देव महादेव को समर्पित है। इस पूरे महीने सच्ची श्रद्धा के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही महादेव की कृपा प्राप्त करने के लिए सोमवार और मंगलवार का व्रत किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य में वृद्धि होती है और जातक को सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। वहीं, सावन में शिव मंदिरों को सुंदर तरीके से सजाया जाता है। श्रद्धालु अपने आराध्य के दर्शन करने के लिए अधिक संख्या में मंदिरों में पहुंचते हैं। क्या आप जानते हैं कि देश में एक भगवान शिव को समर्पित ऐसा मंदिर है, जिसका संबंध त्रेता युग से है और यहां दर्शन करने से साधक की सभी मुरादें जल्द पूरी होती हैं। आइए , इस मंदिर के बारे में जानते हैं।

सिद्धनाथ मंदिर कानपुर के जाजमऊ में स्थित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना है। प्राचीन समय में मंदिर में एक महात्मा रहा करते थे, जिनका नाम श्याम गिरी था। उन्होंने अपने जीवन काल के दौरान अधिक तपस्या की थी। सिद्धनाथ मंदिर के नजदीक गंगा नदी थी। प्रत्येक दिन गंगा नदी सिद्धनाथ भगवान को स्पर्श करती थी।

श्याम गिरी गंगा नदी के किनारे मिट्टी से बनी शिवलिंग की पूजा-अर्चना करता था, लेकिन वह कुछ समय के बाद शिवलिंग गंगा नदी में विलीन हो जाता है।

इसके पश्चात महात्मा ने महादेव की आराधना कर स्वयं को रखने की कठोर तपस्या की। इसके बाद शिवलिंग अपने स्वरूप में रह गया और गंगा नदी शिवलिंग से दूर चली गईं।

ऐसी मान्यता है कि जो साधक यहां महादेव की पूजा करता है। महादेव प्रसन्न होकर उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। हर साल सावन के महीने श्रद्धालु सिद्धनाथ मंदिर में महादेव का जलाभिषेक करते हैं। सावन में सिद्धनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का काशी विश्वनाथ मंदिर जैसा उत्साह देखने को मिलता है।

आप ने बेचैन इतना ज़ियादा किया ..

अभिनेत्री श्रीदेवी के जन्मदिन पर विशेष

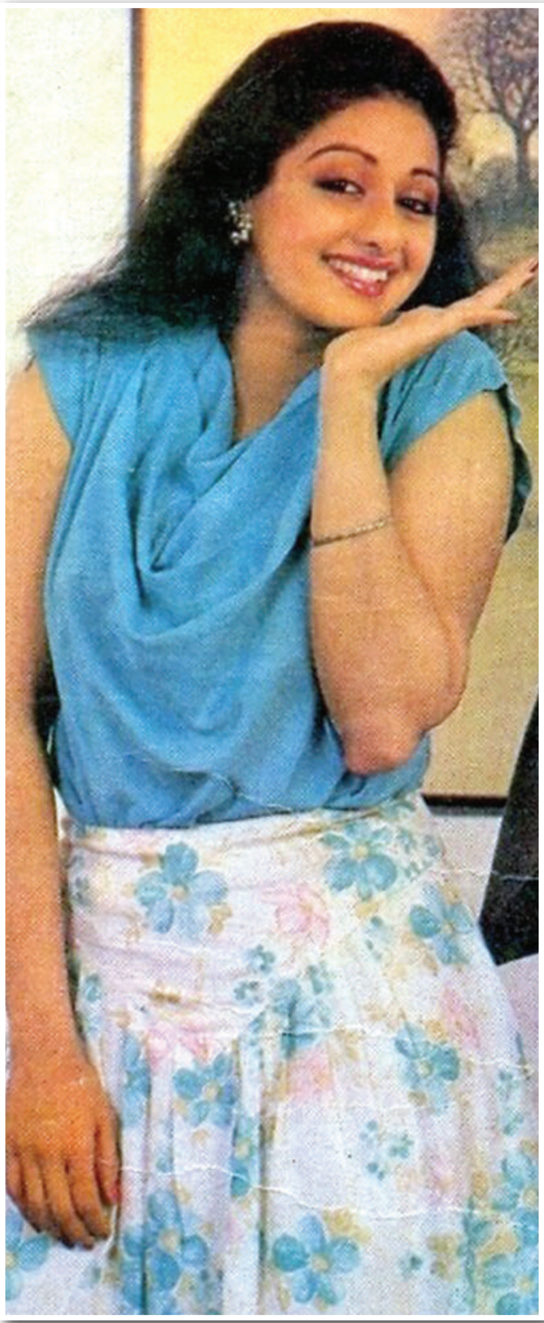

प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीदेवी का इस धरती पर जन्म लेकर कल (यानी कि 13 अगस्त 2024 को) 61 वर्ष पूरे हो जाएंगे। 1980 के दशक में वह बॉक्स-ऑफिस पर हावी हो कर दर्शकों के मन में छा गई। साल 1983 से साल 1989 के बीच की सात वर्ष की कालखंड में श्री ने बॉलीवुड में सुपर हिट फिल्में और हिट फिल्में मिलाके कुल बारह (12) सफल फिल्में दी थीं। और फिर फिल्मी दुनिया में स्टारडम की चरम बिन्दु को छू ली। वह एक ऐसी सुपर स्टार एवं अभिनेत्री रही हैं की उनकी छवि तो अटूटसी है। उनका सुडौल शरीर, उफ़ .. क्या कहना!

उनके खाते में तीन– तीन भाषाओ में हिट ही हिट :–

तमिल, तेलुगु तथा हिन्दी फिल्मी लोकों मे श्री अभिनीत फिल्में हिट हुयी थी । फॉर इग्ज़ैम्पल 'प्रिया' फिल्म तमिल में (1978 दिसम्बर में रिलीज हुई), इसे 'प्रिया' टाइटल से कन्नड भाषा के दर्शकों के लिए बनाया गया था और यह कन्नड भाषा फिल्म 1979 जनवरी में रिलीज हो कर हिट रही । श्री के टाइटल किरदार वाली इस फिल्म में रजिनीकांत उनके सह-कलाकार थे । अम्बरीष इस फिल्म के हीरो थे । जरा सोचो, टाइटल वाली भूमिका में श्री , फिल्म में सह-कलाकार की जगह रजिनीकांत का होना ! करिअर के प्रारम्भिक काल में ही श्री जी का यह आलम था। यही फिल्म ' अजेयुडु ' टाइटल से तेलुगु में वर्ष 1979 में रिलीज हो कर अच्छी चली थी । श्री जी की ' सोलवाँ सावन ' (सन् 1979 में आई थी) उनकी ही अभिनीत एक तमिल सुपर हिट फिल्म ' 16 वयदिनिले ' पर आधारित थी । यह दोनों भी फिल्में साल 1979 में रिलीज हुए थे । इनमें हिन्दी फिल्म सफल नहीं हुयी। श्री जी की ' सदमा ' (सन् 1983 में आई थी) तमिल फिल्म ' मूँडराम पिरयी ' को आधार ले कर और ' मक़सद ' (सन् 1984 में आई थी) उन्हीं के एक और तेलुगु सुपर हिट फिल्म ' मूंदडुगु ' को आधार ले कर बनीं थी । ' गुरु ' (तमिल और तेलुगु इन दोनों भाषाओं में सेम (एक ही) टाइटल से सन् 1980 में रिलीज हुयी) ; ' प्रेमाभिषेकम ' तेलुगु (साल 1981 में आई) , 'वाल्वे मायम' तमिल (सन् 1982 में आई) ; 'वारुमाइन निरम् सिवपपु ' (सन् 1980 में आई) , 'आकली राज्यम् ' (1981 में आई) श्री जी कि क्रमश: तमिल और तेलुगु वरजन् स् हिट् स् साबित हुई। इनके अतिरिक्त ' पोक्किरि राजा ' (तमिल), ' चुट्टालून्नारु जाग्रत्ता ' (तेलुगु), ' मवालि ' (हिन्दी) 1983 रिलीज ; ' अडवि सिंहालु ' (तेलुगु), ' जानी दोस्त '(हिन्दी) 1983 रिलीज,; ' जस्टिस चौदरि ' (तेलुगु),' जस्टिस चौधरी ' (हिन्दी) 1983 रिलीज; 'देवता ' (तेलुगु), ' तोहफा ' (हिन्दी) 1984 रिलीज ; ' कैदी रूद्रय्या ' (तेलुगु), ' वक़्त की आवाज ' (हिन्दी) 1988 रिलीज यह सब भी सफल रहे ।

गीतों में श्री की बोलबाला :–

श्री के नाम से उनके फिल्मों मे कुछ गीत लिखे गए थे। मिसाल के तौर पर लें तो फिल्म 'सरफ़रोश' (वर्ष 1985 में आई इस फिल्म के निर्देशक दासरी नारायणराव जी थे) में गीतकार आनंद बक्शी ने एक गाना का मुखड़ा ऐसा लिखा

''श्रीदेवी ओ श्रीदेवी
श्री देवी श्री देवी
श्री देवी श्री देवी
श्री देवी तू नहीं
उससे मिलती जुलती तेरी सूरत है
तू उससे भी जियादा ख़ूबसूरत है
ओ श्री देवी '' ।

यह श्री के नाम अनूठा एवं अनूठा ओडे हैं, हैं न।

फिल्म ' नाकाबंदी ' (वर्ष 1990 में आई इस फिल्म के निर्देशक शिबु मित्रा है) में गीतकार अनजान ने तो श्री जी के बारे में एक फुल लेंथ गाना लिखे थे । तीन चरणों वाली उस नघमा कुछ यूँ शुरू होती है..

''थाम थाम ज़रा
दिल को ले थाम
दिल को ले थाम
ज़रा दिल को ले थाम
रेखा को देखा तूने हेमा को देखा ..''

इस गीत में फनकार का कलाम रेखा जी , हेमा जी , नरगिस, नूतन, मधुबाला सहित अन्य कुल दस दिग्गज अभिनेत्रियों के तुलना में श्रीदेवी के प्लस मार्क्स को गिनाते व श्री की गुणगान करते रुकती नहीं हैं , फिर थकती भी नहीं हैं। इस गाना का विशिष्टता सुनने से व देखने से ही बनती हैं। इस गीत में शब्दों के माध्यम से कवि ने श्री के प्रतिभा को एक दम समाँ बांधना जैसा कर छोड़ा । फिल्म के इस गीत में श्रीदेवी , सह- नर्तकियों के अलावा सदाशिव आम्रपुरकर , मेक मोहन , राजेन्द्रनाथ , विजु खोटे एवं अन्य लोग परदे पर नज़र आते हैं। वैसे उपरोक्त दोनों फिल्मों में श्री के भूमिकाओं के नाम श्रीदेवी नहीं बल्कि क्रमशः विजय, गीता / सीता थे। तो यह बात साफ स्पष्ट हो रहा हैं कि यह गाने श्री के स्टारडम को मद्दे नज़र रख कर लिखें गयें।

श्री के नाम को मिलाकर के फिल्मी गाने लिखने का अंदाज केवल हिन्दी फिल्मों में ही नहीं, उनके अभिनीत तेलुगु फिल्मों में और तमिल फिल्मों में भी जारी थी। उदाहरण के तौर पर ''पक्कनुंटे श्रीदेवी एन्दुकिंका देवदेवि..'' यह पंक्ति श्री जी के और एक हिट तेलुगु फिल्म 'आटगाडु ' (जो वर्ष 1980 में आई) के ''एको नारायणा एलूकोरा मोहना.. '' गाना में आती हैं। इस वाक्य का अर्थ है कि अगर श्री बाजू में होती हैं तो फिर देवकन्या का क्या जरूरत हैं ! ''देवी मौनमा श्रीदेवी मौनमा.. '' यह श्री जी के सुपरहिट तेलुगु फिल्म ' प्रेमाभिषेकम ' (जो वर्ष 1981 में आई) में एक युगल गीत का पल्लवी है।

''मुद्दे मंदारम मनसे मकरंदम सिगगे सिंदूरम श्रीदेवि कि'' यह शब्द श्री जी के एक और हिट तेलुगु फिल्म ' ओका राधा इद् दरू कृशणुलु ' (जो वर्ष 1986 में आई) के '' मधुर मुरलि हृदय रवलि रवलि अधरा सुधला यमुना पोरलि पोंगे येदा पोंगे.. '' गाना में आती हैं। इस वाक्य का अर्थ यह है कि श्रीदेवी के लिए उनका लाज ही उनका सिंदूर हैं !

यह तीन फिल्मों में ' प्रेमाभिषेकम ' में श्री जी के किरदार का नाम देवी थी। फिल्म ' आटगाडु ' में श्री जी के किरदार का नाम विजया तथा तीसरी फिल्म ' ओका राधा इद् दरू कृशणुलु ' में उनका नाम राधा थी।

''नुव्वु श्रीदेवइते ने ने चिरंजीवंटा ..'' यह शब्द तेलुगु फिल्म 'वालतेर वीरय्या (जो वर्ष 2023 में आई) के ''नुव्वु सीतवइते नेनु रामुडि नंटा '' गीत में आते हैं। इन लफ्जों का मतलब यह हैं कि तुम अगर श्रीदेवी हो तो मैं ही चिरंजीवी हूँ !

तमिल फिल्म ' वाल् वे माय म् ' (यह पदों का अर्थ हैं.. जीवन रहस्य मय हैं) जो साल 1986 में रिलीज हुई , उक्त फिल्म में एक युगल गीत का मुखड़ा इस प्रकार है..

''देवी श्री देवी उन थिरुवाइ मलर दोरु सोल्लि विडम्मा .. '' यह बोल के अर्थ कुछ ऐसा होता है.. देवी श्रीदेवी.. आपका मूँह फूलों के परिमल से भर गया हैं, एक शब्द तो भी बोलो ना।

राधा, देवी बनाम श्रीदेवी :

श्री के फिल्मी भूमिकाओं में हिन्दी फिल्मों में पाँच बार , तेलुगु फिल्मों मे छह बार उनके चरित्रों के नाम 'राधा' रखा गया था। श्री के तेलुगु फिल्मों मे पाँच फिल्मों में उनके किरदारों का नाम 'देवी' थी।

सीक्वल का श्रेय :

फिल्म ' नगीना ' (सन् 1986 में आई थी) जैसी सुपर हिट फिल्म देने वाली श्री उस फिल्म की दूसरी भाग में भी काम की थी । उक्त फिल्म के सीक्वल का टाइटल था ' निगाहें ' (' नगीना ' पार्ट 2) । उनकी एक और सुपर हिट फिल्म ' मि. इंडिया ' (सन् 1987 में आई थी) का सीक्वल का भी अनेकों बार चर्चे हुवे थे यह किस्सा के बारे में बहुत सारे फिल्म प्रेमियों को पता है।

डायरेक्टरस् उन पर फिदा :

कई डायरेक्टर श्रीदेवी के प्रशंसक (फेन्स) थे । मिसाल मांगते हो तो के. बापय्या, फ़िरोज़ खान, शेखर कपूर, विनोद मेहरा, पंकज पाराशर, एस. वि. राजेन्द्र सिंह बाबु (कन्नड फिल्म जगत के मशहूर डायरेक्टर), राम गोपाल वर्मा, आदि । इनमे फ़िरोज़ खान जी ने श्री जी को अमित मोहक शैली में परदे पर उजागर किए। त द् द्वारा श्री जी का अइकॉनिक इम्प्रिन्ट को तराशें । विनोद मेहरा ने श्री जी से इस क़दर प्रभावित थे कि उन्होंने अपनी 'गुरुदेव' फिल्म को बना डाला श्री के साथ। उक्त फिल्म को स्वयं निर्माण किया और डिरेक्ट भी की । यही नहीं फिल्म में श्री को दो किरदारें सौंप दिए । यह फिल्म सन् 1993 में रिलीज हुयी। राम गोपाल वर्मा ने तेलुगु फिल्म 'क्षण क्षणं' को डायरेक्ट कर के एक जर्नलिस्ट को दिया गया अपने इंटरव्यू में बतायें कि वह एक ओर तो फिल्म है सही, दूसरे ओर श्री को सिल्वर स्क्रीन पर लिखी गई खुद का प्रेम पत्र भी थीं, ऐसा कह कर हर किसी को अचंभित कर डाला ।

निर्देशक के. बापय्या के निर्देशन में श्री जी के कुल आठ (8) फिल्में सिल्वर स्क्रीन पर अपनी जलवे बिखेरें। इनमे से , ' मवालि ' (जो वर्ष 1983 में आई) , ' मक़सद ' (जो वर्ष 1984 में आई) , ' घर संसार ' (जो वर्ष 1986 में आई) और ' वक़्त की आवाज ' (जो वर्ष 1988 में आई) लोकप्रियता प्राप्त कर ली।

निर्देशक हर्मेश मल्होत्रा के निर्देशन में श्री जी के कुल 5 फिल्में आई। और इनमे से ' नगीना ' (वर्ष 1986 में आई थी) श्री के फिल्म करिअर में सिल्वर जुबिली मना कर के मील का पत्थर साबित हुई। इसके अलावा ' शेरनी ' (साल 1988 में रिलीज हुई थी) और ' हीर रांझा ' (सन् 1992 में रिलीज हुई थी) भले ही बॉक्स-ऑफिस पर उतना नहीं चली , फिर भी इन दो फिल्मों में श्री का काम बहुत ही सराहनीय साबित हुई थी । हर्मेश मल्होत्रा ने श्री के साथ फिल्माई अन्य फिल्मों में निगाहें – नगीना भाग 2 तथा बंजारन (यह फिल्म वर्ष 1985 में रिलीज हुई) रहे हैं ।

यश चोपड़ा को फिर से यश–
ओ–धन मिलने का कारण बनीं श्री :

निर्देशक यश चोपड़ा अपने लगातार चार फिल्में (' सिलसिला ', ' मशाल ', ' फासले ', ' विजय ') टिकट खिड़की पर असफल क़रार दिए जाने के बाद करिअर को नए सिरे से संवरने के लिए जो फिल्म को शुरू किये थे तो उस फिल्म के लिए तबकी सुपस्टार श्री को ही चुन लिये थे । वह फिल्म का नाम जी हाँ, ' चांदनी ', हैं । और ' चांदनी ' (सन् 1989 में रिलीज हुयी) ने यश चोपड़ा एवं श्री .. यह दोनों शख्सियतों.. के करिअरों में चार चाँद लगा दी।

रमेश 'शोले' सिप्पी का जो अधूरा सपना :

श्री के साथ वर्ष 1987 में दिग्दर्शक रमेश सिप्पी जी अपनी फिल्म ' ज़मीन ' के 3/4 th भाग को फिल्मबंद करने के तुरंत बाद फिर वह फिल्म अचानक बंद पड़ गई । काश , उस फिल्म थेटर्स तक पहुँच जाती तो न जाने क्या करामात दिखाती।

अभिनेत्रियां भी श्री के मुरीद :

श्रीदेवी के अनगिनत प्रशंसकों में कई अदाकाराएँ भी वाकई शामिल हैं । उनमें रेखा , डिम्पल कपाड़िया, मीनाक्षी शेषाद्री, पूजा भट्ट, जूही चावला, काजोल, शिल्पा शेट्टी , प्रियंका चोपड़ा

आदि शुमार हैं । प्रियंका चोपड़ा ने ओपन स्टैट्मन्ट दी थी कि वह श्री को अपनी कॉलेज डेज़ से ही आराधना करती आई हैं और उन्हें अपना आदर्श आइकन मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा आगे चल कर यह बात भी छेड़ दी हैं कि वह श्री से प्रेरित हो कर फिल्म जगत में पदार्पण की हैं।

उनके हिट फिल्म का तीस वर्ष बाद रीमेक :

एक हीरोइन को अपनी फिल्म का अपने ही जीवनकाल में नए सिरे से निर्माण किया जाना वह अदाकारा के लिये एक बड़ी उपलब्धि है। श्री की हिट फिल्म 'हिम्मतवाला ' (सन् 1983 में आई थी) को उसी टाइटल से रीमेक किया गया। वर्ष 2013 में आई इस फिल्म में नायिका का काम तमन्नाह भाटिया ने किया। इस फिल्म के डायरेक्टर साजिद खान थे । (यह एक अलग बात हैं कि यह फिल्म सफल न हो पाई ।)

दीर्घ विराम के बावजूद वापसी धुरंधर :

निर्माता श्री बोनी कपूर से सन् 1996 में विवाह कर घर बसाने के बाद श्री ने दो बेटियों को जन्म दिए। लगभग आठ (8) वर्ष के अंतराल ले कर सन् 2012 में श्री 'इंग्लिश विंग्लिश ' फिल्म से फिर एक बार चलचित्र जगत में लौट आई। अंग्रेजी भाषा सीखने को ठान लेने वाली सीधी साधी गृहस्थी (होम-मेकर) के भूमिका का श्री ने जिस निष्ठा से साक्षात्कार किया कि वह फिल्म दर्शकों को खूब रिझायीं। फलस्वरूप यह फिल्म सफल रहीं। श्री के लोकप्रियता का यह बेमिसाल उदाहरण कहना सत्य दूर नहीं हैं।

विशेष प्रशस्तियाँ 'सोने पे सुहागा' :

'श्री' 2013 अप्रैल 5 के दिन तब के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हाथों 'पद्मश्री' पौर पुरस्कार से सम्मानित हुई। अपने एक रिश्तेदार के शादी की रस्म में शामिल होने दुबई गई श्री ने 24 फ़रवरी 2018 के आधी रात होटल के बाथरूम में विगत जीव पाई गई। भारत सरकार 13 अप्रैल 2018 के दिन श्री को सर्वश्रेष्ट ऐक्टर (मरणोपरांत) घोषित की। साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'मॉम' में देवकी सभरवाल की भूमिका में चिंतित अभिनय के लिए श्री को यह अवॉर्ड के लिए सिलेक्ट किया गया।

श्रीदेवी की हमशक्ल वैक्स स्टैचू स्टेट्यू (मोम की पुतला) का सिंगापूर के Sentosa Island में Madame Tussauds म्यूज़ीअम में 2019 सितंबर दिनांक 4 को आविष्कार हुआ । इस अवसर पर श्री जी के पति बोनी कपूर के साथ श्री के पुत्रिकाएं जाह्नवी कपूर और कुशि कपूर भी उपस्थित थे।

एकल सम्राज्ञी :

बॉलीवुड (यह शब्द हिन्दी फिल्मी दुनिया को सूचित करती है) , कॉलीवुड (यह तमिल फिल्म इंडस्ट्री का सुपरिचित निकनेम हैं) और टालीवूड (तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री को ऐसा कह कर पुकारा जाता है) में श्रीदेवी की अपनी अद्वितीय स्थान बरक़रार हैं । उन्हें फिल्मी परदे की सम्राज्ञी का खिताब दिया गया। तीन तीन भाषाओं वाली फिल्मी दुनियाओं में धुवांधार सफलताओं (तमिल में एक दर्जन, तेलुगु में दो दर्जन और हिन्दी मे पंद्रह मनी स्पिन् नर्स के गाड़े झंडें तथा लाखों प्रशंसकगण के अनुग्रह से इस प्रख्यात पद ' इंडियन सिनेमा का पहली नारी सुपर स्टार ' का हक़दार जो श्रीदेवी बनीं । यही कारण उनके इस सिंहासन पर आसीन होना तो अन्य हिरोइन् स को नैनों में सपना ही हैं।

–दिलीप

किच्चा सुदीप की फिल्म मैक्स का दमदार टीजर रिलीज़, एक्शन अवतार में नजर आए अभिनेता

किच्चा सुदीप के प्रशंसक उनकी आगामी फिल्म की झलक देखने का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। अब फैंस को तोहफा देते हुए निर्माताओं ने उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म मैक्स का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया है। विजय कार्तिकेय के निर्देशन में बनी इस कन्नड़ फिल्म में किच्चा सुदीप मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके अलावा इस फिल्म में तेलुगु अभिनेता सुनील, प्रमोद शेट्टी, वरलक्ष्मी सरथकुमार, संयुक्ता हॉर्नड, सुक्रथा वागले और अनिरुद्ध भट भी हैं। रिलीज हुआ फिल्म का यह टीजर हुए एक मिनट और छह सेकंड का है। इसमें कन्नड़ सुपरस्टार दमदार एक्शन अवतार में नजर आए हैं। फिल्म की झलक देखने के बाद एक्शन-थ्रिलर के शौकीनों का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। टीजर को देखने के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसमें एक्शन के साथ लोगों को भरपूर ड्रामा भी देखने को मिलेगा।टीजर में किच्चा सुदीप के एक्शन सीन की लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। महज कुछ ही घंटों में फिल्म के कन्नड़ संस्करण वाले टीजर ने चाल लाख से ज्यादा व्यूज बटोर लिए हैं। वहीं, हिंदी भाषा में फिल्म के टीजर को एक लाख 80 हजार बार देखा जा चुका है। इस फिल्म का संगीत बी अजनीश लोकनाथ ने तैयार किया है। वहीं, छायांकन शेखर चंद्रा ने किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो किच्चा सुदीप को आखिरी बार बड़े पर्दे पर विक्रांत रोणा नाम की फिल्म में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कुल 80 करोड़ रुपये का कारोबार किया

शाहरुख खान– अजय पर फूटा जॉन अब्राहम का गुस्सा, पान मसाला बेचने पर बोले– 'फिटनेस का ज्ञान देते हैं और मौत बांट रहे हैं'

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म 'वेदा' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ स्टारर यह फिल्म 15 अगस्त को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी। अब इसी बीच हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जॉन अब्राहम ने शाहरुख खान और अजय देवगन पर निशाना साधा है। दरअसल पान मसाला और गुटखा का एड करने को लेकर जॉन अब्राहम का गुस्सा अजय और शाहरुख समेत टाइगर श्रॉफ पर भी फूटा और उन्होंने कहा कि ये लोग असलियत में मौत बांट रहे हैं।

पान मसाला का एड करने पर शाहरुख खान पर फूटा जॉन अब्राहम का गुस्सा

रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में जॉन अब्राहम ने कहा कि वह अपने फैंस के लिए रोल मॉडल बनना चाहते हैं और वह कभी भी 'मौत' नहीं बचेंगे। जॉन अब्राहम ने इंटरव्यू में कहा कि लोग फिटनेस के बारे में बात करते हैं और वही लोग पान मसाले का एड करते हैं। जॉन अब्राहम ने कहा, 'मैं अपने सभी को-स्टार्स को बहुत प्यार करता हूं और मैं उनमें से किसी का भी अपमान नहीं कर रहा हूं। मैं यहां अपने बारे में बात कर रहा हूं। मैं मौत नहीं बेचूंगा क्योंकि यह उसूलों का मामला है।' जॉन अब्राहम ने आगे कहा कि मैं उन कंपनियों और उत्पादों को कभी सपोर्ट नहीं करूंगा, जो इन्हें माउथ फ्रेशनर के तौर पर बेचते हैं।

पान मसाला से होता है 45000 करोड़ रूपये का कारोबार

एक्टर जॉन अब्राहम ने इस पॉडकास्ट के दौरान बताया कि हर साल पान मसाला से 45000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस हिसाब से सरकार भी इन चीजों का समर्थन कर रही है। हालांकि अक्षय कुमार ने अपने इंटरव्यू में किसी भी स्टार को लेकर कोई गलत टिप्पणी नहीं की बस केवल उन्हें इस तरह के विज्ञापनों से आपत्ति है। फिल्म 'वेदा' में जॉन अब्राहम एक आर्मी अफसर का किरदार निभाएंगे, जिसका कोर्ट मार्शल कर दिया जाता है। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेदा' में अभिषेक बनर्जी और तमन्ना भाटिया भी लीड रोल में नजर आएंगे। जॉन अब्राहम की इस फिल्म को लेकर दर्शक बेहद ही एक्साइटेड हैं। इस फिल्म में दर्शक जॉन को एक्शन अवतार में देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 12 अगस्त 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 07:57 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रातः 08:33 तक
योग : शुक्ल सायं 04:25 तक
करण : वणिज प्रातः 07:57 तक
चन्द्रराशि : तुला उत्तर रात्रि 04:15 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा प्रातः 07:56 से रात्रि 08:49 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम नायब सैनी ने रेवाड़ी से हाफ मैराथन को दिखाई हरी झंडी

धावकों के साथ दौड़ भी लगाई, स्टेडियम में राव तुलाराम की प्रतिमा लगवाने का किया ऐलान

चंडीगढ़, 11अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार को रेवाड़ी में राव तुलाराम स्टेडियम से हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाते हुए धावकों के साथ दौड़ भी लगाई।

श्री सैनी ने इस मौके पर शहर के प्रमुख चौराहों पर स्थापित वीर सपूतों की प्रतिमाओं के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन भी किया। इस अवसर पर लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल, विधायक लक्ष्मण सिंह यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी हाफ मैराथन में भागीदारी की। उन्होंने शहर के राव तुलाराम स्टेडियम में पहुंचकर अमर शहीद राव तुलाराम के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की और स्टेडियम में वीर सपूत राव तुलाराम की प्रतिमा लगवाने की घोषणा की। साथ ही स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक बनवाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों को प्रशासनिक स्तर पर सरलता से पूरा करवाने की बात कही ताकि जिला मुख्यालय के स्टेडियम में खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण मिल सके।

श्री सैनी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि रेवाड़ी जिला वीरों की भूमि है और देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी के रूप में हमारे रणबांकुरे सीना तान खड़े हैं। उन्होंने कहा कि वीरों की इस भूमि पर आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि अग्निवीरों को सेवा उपरांत वापिस आने पर प्राथमिकता के आधार पर हमारी सरकार रोजगार के अवसर मुहैया कराएगी। वीरों की इस भूमि को उन्होंने सलाम करते हुए कहा कि आज की यह हाफ मैराथन हमारे युवाओं को सकारात्मक संदेश देने में कारगर साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री सैनी ने जाट कल्याण सभा के भवन का किया शिलान्यास

चंडीगढ़, 11अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में जाट कल्याण सभा के भवन का शिलान्यास किया। श्री सैनी ने जाट कल्याण सभा को बधाई देते हुए कहा कि यह भवन समाज के सभी वर्गों के काम आएगा। साथ ही न केवल स्थानीय लोगों बल्कि दूर दराज से आने वालों को भी इसका लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आप लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस भवन की आधारशिला रखने का यह अवसर बड़ी खुशी का दिन है। उन्होंने भवन के निर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपए वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने जाट कल्याण सभा द्वारा भवन की पार्किंग के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग पर कहा कि सरकार की नीति के अनुसार इसे पूरा किया जायेगा।

श्री सैनी ने इस मौके पर कहा कि स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए हमारे सेनानियों ने लंबा संघर्ष किया है ताकि हम खुली हवा में सांस ले सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों को हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान भी किया है। इस अभियान को सफल बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लिए हम सबको इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कम होती हरियाली और बढ़ते तापमान पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी उद्देश्य को लेकर एक पेड़ मां के नाम की मुहिम आरंभ की है। इस मुहिम के साथ जुड़कर हम सबको यह संकल्प अवश्य लेना चाहिए कि हम अपने घर, साथ लगते पार्क या सड़क के किनारे पेड़ अवश्य लगाएं और उनकी परवरिश करें।

राजस्थान को बनाएंगे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर : भजनलाल

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ बिजली और पानी के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है और राज्य को वर्ष 2027 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

श्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने सहित भीलवाड़ा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की धुरी है। इसमें प्रदेशवासियों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए राज्य के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है तथा हर क्षेत्र और हर वर्ग को सौगातें दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती है। इसलिए हमारी सरकार इन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को बढावा देने एवं ऊर्जा उत्पादक इकाइयां स्थापित करने के लिए विभिन्न एमओयू किये

गये हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता तथा दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना का धरातल पर क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता से राज्य में कृषि, उद्योग एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा जिससे विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है। भविष्य की जरूरतों को समझते हुए भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट में भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी राज्य बजट में कई प्रावधान किए गए है। लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र की विभिन्न सड़कों का निर्माण उन्नयन एवं चौड़ाईकरण कार्य कराये जायेंगे। इसी तरह अन्य कार्य कराये जायेंगे।

कार्यक्रम में जहाजपुर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से आये लोगों ने मुख्यमंत्री को साफा एवं दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं शौर्य के प्रतीक के रूप में तलवार भेंट की। इस अवसर पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा एवं भीलवाड़ा नगर परिषद के सभापति राकेश पाठक सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

भरतपुर में पानी में डूबने से सात किशोरों एवं युवकों की मौत

भरतपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में बयाना उपखण्ड के पिदावली गांव के पास बाणगंगा नदी में बने गड्ढे में जमा वर्षा के पानी में नहाने के लिए गए सात किशोरों एवं युवकों की रविवार को डूब जाने से मौत हो गई।

जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया और बताया कि बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा एसडीआरएफ टीम भेजकर बचाव कार्य किया गया जिसमें तीन को झील का बाडा तथा चार को भरतपुर आरबीएम अस्पताल ले जाया गया लेकिन इन्हें बचाया नहीं जा सका। उपखण्ड प्रशासन द्वारा नियमानुसार सहायता प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों में श्रीनगर गांव निवासी पवन (20), सौरभ (14) भूपेन्द्र जाटव (18) शांतनु (18), लक्खी (20) पवन पुत्र शुगर सिंह जाटव (22) एवं गौरव (16) शामिल हैं। इनका एक एक साथी किसी तरह से बच गया।

आपा की रानियां में जनसभा आज, मान होंगे मुख्य अतिथि

सिरसा, 11अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) की ओर से सोमवार को रानियां में एक जनसभा का आयोजन रखा गया है। इस जनसभा को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता सहित कई वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

जनसभा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शनिवार को फॉरेस्ट विभाग पंजाब के चेयरमैन राकेश पुरी और पीआरटीसी के डायरेक्टर मनवीर खुडियां रानियां पहुंचे। उन्होंने जिला अध्यक्ष हैप्पी रानियां, लोकसभा अध्यक्ष कुलदीप गदराना, राजेश मलिक, गुरभेज गिल, बलविंद्र सिंह, मैक्स साहुवाला और मनप्रीत फूलो आदि नेताओं के साथ जनसभा स्थल का दौरा किया और नेताओं के साथ प्रबंधों की समीक्षा की।इस अवसर पर चेयरमैन राकेश पुरी ने कहा कि सीएम भगवंत मान के रानियां आगमन को लेकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है जिससे उन्हें विश्वास है कि यह जनसभा रानियां के राजनैतक इतिहास के रिकॉर्ड तोड़ देगी। जिला अध्यक्ष हैप्पी रानियां ने कहा कि रैली की तैयारी के लिए जिला के सभी नेता और कार्यकर्ता पिछले दिनों से गांव गांव जा कर लोगों को निमंत्रण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में भगवंत मान को लेकर लोगों में बहुत उत्साह है और वे बड़ी संख्या में इस बदलाव जनसभा में शिरकत करने का मन बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह रानियां की धरती पर नया राजनैतिक इतिहास रचेगी।

अलसीगढ बांध की टनल में डूबने से युवक की मौत

उदयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले के नाई थाना क्षेत्र में अलसीगढ बांध की टनल में डूबने से एक युवक की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलसीगढ बांध की टनल में शनिवार को एक बैल के गिरने के बाद उसे बचाने के लिए पानी में उतरे दो भाईयों में से एक रमेश मीण (42) की गहरे पानी में उतरने के बाद दल-दल में फंसने से मौत हो गई।

फर्जी कॉल सेंटर चला रहे 18 ठग दो दिन की पुलिस रिमांड पर

पूछताछ में हो सकते हैं बड़े खुलासे

अजमेर,11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में फर्जी कॉल सेंटर चलाकर विदेशी लोगों से ठगी करने वाले 14 युवकों व 4 युवतियों को रविवार को गंज थाना पुलिस ने अवकाशकालीन कोर्ट में पेश किया, जिन्हें 2 दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस सभी आरोपियों से रिमांड अवधि के दौरान उनके मास्टरमाइंड सहित अन्य पूछताछ करेगी। मामले की जानकारी देते हुए गंज थानाधिकारी महावीर सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में फर्जी कॉल सेंटर बनाकर ठगी करने वाले 18 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जिन्हें 2 दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान सभी आरोपियों से अन्य जानकारी को लेकर पूछताछ की जाएगी।

सीआई महावीर सिंह ने बताया कि आरोपियों ने कुछ दिनों पहले ही अजमेर में काम की शुरुआत की थी। यहां नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर ठगी का काम चल रहा था। लोगों को झांसा देकर उनके पैसे अकाउंट में डलवाए जा रहे थे। इनका मास्टरमाइंड कौन है, इस संबंध में आरोपियों से पूछताछ जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फर्जी एप्लीकेशन के जरिए लोगों को फंसाने का काम किया जा रहा था, हालांकि इस पूरे मामले की जांच जारी है।

शनिवार को अजमेर पुलिस ने एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई के निर्देश पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया था। पुलिस टीम ने मित्तल हॉस्पिटल के पेट्रोल पंप के पास होटल डिलाइट में दबिश देकर 18 आरोपियों को पकड़ा था, जिसमें चार लड़कियां भी शामिल

थीं। पुलिस सभी आरोपियों को फॉयसागर रोड स्थित समारोह स्थल पर लेकर पहुंची थी, जहां सभी आरोपियों द्वारा यह कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था। गंज थाना पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है, रिमांड के दौरान पुलिस को कई खुलासे होने की उम्मीद है। पुलिस आरोपियों से जब्त लैपटॉप के डाटा और मोबाइल के नंबरों के आधार पर पता लगाएगी कि ये लोग कहां कॉल करते थे, कैसे बात करते थे और किस तरीके से लोगों से ठगी की रकम ऐंठते थे। इसके अलावा इन लोगों ने देश में भी किसी के साथ ठगी की वारदात की है या नहीं यह तमाम जानकारी पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से जुटाएगी।

सीआई महावीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 29 लैपटॉप, चार एंड्राइड मोबाइल, 17 हेडफोन, 28 माउस, 17 लैपटॉप चार्जर, 27 बोर्ड 4 राउटर सहित अन्य उपकरण बरामद करते हुए उप्र निवासी शिवम सुरमा, इरफान अली, जम्मू और कश्मीर निवासी अक्षित शर्मा, पंजाब निवासी गणेश उर्फ रोनित, हिमाचल प्रदेश निवासी गौरव, उप्र निवासी राहुल यादव, हरियाणा निवासी शुभम कौशल, झारखंड निवासी श्रवण, मणिपुर निवासी हेनरी, पंजाब निवासी पारस मल्होत्रा, शशांक, मणिपुर निवास थोउंगगुमंग ऐंठन, झारखंड निवासी गुरप्रीत, हरीशचंद्र, चंडीगढ़ निवासी नेहा, पंजाब निवासी सिमरनजीत, झारखंड निवासी अंजलि और झारखंड निवासी शिवानी को गिरफ्तार किया है।

पांच नदियों का जलस्तर लाल निशान के पार, पटना में गंगा उफान पर

पटना (एजेंसियां)।

उत्तर बिहार की गंडक, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक और परमार समेत पांच नदियों का जलस्तर लाल निशान के पार हो चुका है। इतना ही नहीं पटना में गंगा भी उफ़ान पर है। पटना के दीघा घाट पर गंगा नदी का जलस्तर तीन सेमी और गांधी घाट पर 66 सेमी खतरे के लाल निशान ऊपर है।

वहीं बेगूसराय जिले के हाथीदह में 43 सेमी और भागलपुर जिले के कहलगांव में 19 सेमी गंगा का जलस्तर लाल निशान से ऊपर है। वहीं सोन नदी के जलस्तर में कोइलवर घाट पर छह सेमी वृद्धि दर्ज की गई है।

इधर, पटना जिला प्रशासन निचले इलाके में बाढ़ से बचाव का पर्याप्त उपाय कर रही है। गांधी घाट स्थित रिवर फ्रंट पर बालू की बोरियां रखी गई हैं। कुर्जी के समीप बिंद टोली इलाका पूरी तरह जलमग्न हो गया है। एलसीटी घाट के पास गंगा टावर में बाढ़ का पानी घुस गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पटनश्र के 20 ब्लॉक के निचले इलाकों में बाढ़ के पानी का फैलाव हो रहा है। जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि नदियों के जलस्तर पर नजर है। निचले इलाकों की लगातार निगरानी की जा रही है।

मौसम विभाग ने बिहार के समेत 23 जिलों बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, मधुबनी, पश्चिम और पूर्वी चंपारण, सीवान, सारण गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, गया, भागलपुर, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा के कुछ भागों में अगले एक से तीन घंटे के बीच हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। यहां हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन इलाकों में वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया है।

पटना में देर रात हुई बारिश के कारण कई इलाकों में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। कंकड़बाग, राजेंद्र नगर, राजीव नगर, एजी कॉलोनी, गोला रोड, बैंक कॉलोनी समेत कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

अटल पथ के सर्विस रोड जलमग्न हो गया है। जमजमाव के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है।

बागमती नदी में पलटी किसानों से भरी नाव, दो लापता

पटना (एजेंसियां)।

खगड़िया में बड़ी घटना घटित हुई है। बागमती नदी की उपधारा में किसानों से भरी नाव पलट गई है। इस घटना में दो किसान लापता बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि एक छोटी सी गांव में एक दर्जन से अधिक किसान दियारा क्षेत्र में सब्जी और पशुओं का चारा लाने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान घटना हुई है।

घटना खगड़िया जिला के मानसी थाना क्षेत्र अंतर्गत खिड़निया घाट की है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही मानसी थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके वारदात पर मौजूद है। जहां लापता दो लोगों की खोजबीन नदी की उपधारा में की जा रही है। बताया जा रहा है कि नाव पर सवार होकर एक दर्जन से अधिक किसान नदी की उपधारा को पार कर दियारा जा रहे थे। लेकिन, जैसे हैं कुछ दूर आगे नाव बढ़ी कि वह अनियंत्रित होकर नदी में डूब गई। इससे नाव पर सवार लोगों में अफरातफरी मच गई।

लोगों ने बताया कि नाव हादसे के बाद आननफानन में लोग नदी में तैरकर अपनी जान बचाने की कोशिश करने लगे। लेकिन, दो लोग नदी में ही डूब गए। हालांकि, इस घटना में अधिकतर लोग बाहर आ गए। लेकिन, एक महिला व एक युवक अभी भी लापता है। दो लापता में एक महिला है। इसकी पहचान आमला देवी (47 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों के परिजनों में कोहराम मचा है। मानसी थानेदार ने बताया कि दो किसान के लापता होने की सूचना दी गई है। एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया है। खोजबीन की जा रही है।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट से युवक की मौत

पटना (एजेंसियां)।

पटना में शनिवार की देर रात्रि एक युवक की मौत गैस सिलेंडर फ्फटने से मौत हो गई। मृत युवक की पहचान नालंदा जिला के करायपशुराय थाना अंतर्गत हुड़ारी गांव निवासी सुजीत केवट के रूप में हुई है।

वह जो दनियावा स्थित सीमेंट कंपनी वेल्डर का काम करता था। काम करने के दौरान सिलेंडर फटने से युवक की मौत हो गई। इधर, तेज धमाके से फैक्ट्री में अफरातफरी का माहोल कायम हो गया। इस घटना के बाद घटना की सूचना परिवार वालो दी गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया ।

वहीं घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनो ने मुआवजा की मांग लेकर जमकर हंगामा किया। परिजनों का कहना था कि फ्फैक्ट्री के वरीय अधिकारी उपस्थित होकर मुआवजा दें। इसके बाद आगे की प्रक्रिया की जायेगी। गुस्साए परिजनों ने पुलिस के काफी समझाने बुझाने के बाद भी शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं जाने दिया। सुबह वरीय अधिकारियों ने परिजनों को उचित मुआवाज का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिए जाने दिया।

पुलिस के अनुसार, फैक्ट्री में सिलेंडर फटने से युवक की मौत हो गई है। सिलेंडर फ्फटने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फैक्ट्री के अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नालंदा में जहानाबाद के युवक की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

जहानाबाद (एजेंसियां)।

नालंदा में इस्लामपुर-जहानाबाद मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की देर रात मौत हो गई। मामला इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मवेशी हाट के समीप का है। मृतक की पहचान जहानाबाद जिला के हुलासगंज थाना क्षेत्र के बेतौली जगतपुर मठ निवासी स्वर्गीय फेकन राम के (34) वर्षीय पुत्र छोटू राम के रूप में की गई है। रविवार की सुबह परिजन शव के पोस्टमार्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे।

घटना के संबंध में ममेरे भाई जितेन्द्र कुमार ने बताया कि हलवाई का काम कर छोटु राम इस्लामपुर से अपनी बाइक से शनिवार की शाम घर लौट रहे थे। इसी बीच मवेशी हाट के समीप अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इस्लामपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई।

परिजन ने बताया कि पुलिस के द्वारा उन्हें घटना की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद वे लोग आनन-फानन में इस्लामपुर पहुंचे। जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में छोटु राम का शव पड़ा हुआ था। शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया परिवार वालों के चीत्कार से अस्पताल परिसर गमगीन हो गया।

वहीं इस मामले में इस्लामपुर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में जख्मी युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई।

मौत की पुष्टि के उपरांत शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

अज्ञात वाहन के विरुद्ध मामला दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

परमाणु अनुसंधान केंद्र से चुराया कैलिफोर्नियम? गुजरात से बिहार की जेल तक जांच

भागलपुर (एजेंसियां)।

गोपालगंज की बलथरी चेक पोस्ट से बरामद कैलिफोर्नियम कहां से आया इस सवाल का जवाब पुलिस खोज रही है। पुलिस यह जानने के प्रयास में जुटी हुई है कि इतना महंगा सामान जिसके एक मुट्ठी की कीमत 850 करोड़ बताई जा रही है, वह सामान इनके पास कहां से पहुंचा। पुलिस यह जानना चाह रही है कि इस सामान के साथ तस्करों का विदेश से कनेक्शन है या फिर देश के किसी बिजली उत्पादन केंद्र या परमाणु अनुसंधान केंद्र से इसे चोरी किया गया है। अब तक की जांच में यह साफ्फ नहीं हो सका है। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र से पहुंची एसएफएल टीम की जांच से ही स्थिति स्पष्ट होगी। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र से एसएफएल की टीम शनिवार की रात ही गोपालगंज पहुंचकर कैलिफोर्नियम की जांच शुरू कर दी है। लेकिन अभी तक इस जांच का रिपोर्ट नहीं मिल पाया है।

गुरुवार को गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेकपोस्ट से बाइक सवार तीन तस्करों को 50 ग्राम कैलिफोर्नियम के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। जनाक्रों के मुताबिक़ 50 ग्राम कैलिफोर्नियम की कीमत 850 करोड रुपए बताई जा रही है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्करों ने यूपी के कुशीनगर जिले के एक व्यक्ति खजांची प्रसाद का नाम बताया था जो गुजरात में रहकर मजदूरी करता है। उसी के द्वारा यह कैलिफोर्नियम पदार्थ तस्करी करने के लिए दिया गया था। खजांची प्रसाद का नाम आने के बाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुट गई।

पुलिस का कहना है कि इस मामले के तह तक पहुंचने के लिए पुलिस सीवान जेल तक पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि सीवान जेल में बंद अपराधी कैलिफोर्नियम लेकर आने वाले तस्करों को फोन पर गाइड कर रहा था। पुलिस के सामने यह पोल खुलते ही सुरक्षा एजेंसियां हाइअलर्ट हो गई हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब जेल में बंद अपराधी को रिमांड पर लेने की तैयारी में जुट गई है। कैलीफोर्नियम के साथ गिरफ्तार तस्कर छोटेलाल प्रसाद के मोबाइल पर लगातार सीवान जेल से फोन आने की बात सामने आई है। पुलिस की एक टीम गुजरात पहुंचने के बाद कैलिफोर्नियम की आपूर्ति करने वाले की तलाश में जुट गई है। आपूर्तिकर्ता का मोबाइल बंद होने से उसका सही लोकेशन नहीं मिल पा रहा। गुजरात पुलिस की टीम भी बिहार पुलिस के सहयोग में जुटी हुई है। पुलिस के अधिकारी फिलहाल इस मामले में कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं। मुख्य रूप से पुलिस अब यह जानना चाहती है कि मुट्ठी भर सामान जिसकी कीमत 850 करोड़ है, आखिर इन तस्करों के पास आया कहाँ से।

तस्करों के द्वारा बरामद कैलिफोर्नियम के मामले में ताजा अपडेट आया है कि वह सामान वह चीज नहीं है जो बताया जा रहा था। इस संबंध में गोपालगंज पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जानकारी देते हुए बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ्फ एटॉमिक एनर्जी की तीन सदस्यीय वैज्ञानिकों की टीम ने सैंपल की जांच की है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि सैंपल में कोई रेडियो सक्रियता नहीं पायी गयी है।

उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा स्थित बलथरी चेकपोस्ट पर बिहार पुलिस ने तीन संदिग्ध लोगों को एक सामन के साथ गिरफ्तार किया गया। वह सामान कार्बन में बंद था। सामान के साथ एक सर्टिफिकेट भी थाजिसे देखने के बाद गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात ने इसे कैलिफोर्नियम बताया। इस संबंध में उन्होंने विशेष जानकारी देते हुए कहा था कि यह कैलिफोर्नियम है जिसके 50 ग्राम की कीमत लगभग 17 करोड़ है। यानी मुट्ठी भर सामन की कीमत 17 करोड़।

यह जानने के बाद पूरे देश की नजर इस पर अटक गई और इसकी जांच के लिए डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी की तीन सदस्यीय वैज्ञानिकों की टीम को बिहार बुलाया गया।

टीम ने जांच के बाद यह स्पष्ट किया कि इस सैंपल में कोई रेडियो सक्रियता नहीं पायी गयी है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि जिस मुट्ठी भर सामान की कीमत 17 करोड़ बताई जा रही थी, यह वह सामान नहीं है। रेडियोएक्टिव पदार्थ की हैंडलिंग और आगे की जांच के लिए एफएसएल की विशेष टीम एवं परमाणु ऊर्जा विभाग को भी सूचित किया गया था। शनिवार रात दिल्ली से परमाणु ऊर्जा विभाग की तीन सदस्यीय टीम शनिवार की शाम गोपालगंज पहुंची थी। विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद यह बताया गया कि इस पदार्थ में रेडियो सक्रियता नहीं है।

फाइलेरिया की दवा खाने से 50 से अधिक लोग पड़े बीमार, तीन की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

पूर्णिया में फाइलेरिया दवा खाने से 50 से अधिक अधिक लोग बीमार हो गए। इसमें तीन की स्थिति काफ्फी गंभीर है जिसे इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में रखा गया है। घटना पूर्णिया जिले के जलालगढ़ थाना क्षेत्र रहिका गांव की है। जहां स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा खाने दी गई फ्फाइलेरिया की दवा और एल्बेंडाजोल दवा खाने के तुरंत बाद ही एक-एक करके सभी लोगों को उल्टी, दस्त, सिर में चक्कर आने लगा। इसके बाद आनन फ्फानन में इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए लाया गया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए आधा दर्जन महिलाओं को पूर्णिया जीएमसीएच रेफ्फर कर दिया। जहां तीन महिला की स्थिति काफ्फी गंभीर है। जीएमसीएच के ट्रामा सेंटर में डॉक्टर की निगरानी में इलाज चल रहा है।

परिजनों ने बताया कि जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान 10 अगस्त यानी शनिवार को शुरू की गई हैं। अभियान के तहत जलालगढ़ स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जलालगढ़ थाना क्षेत्र रहिका गांव में फाइलेरिया की दवा बांटी गई थी।

शाम में फाइलेरिया की दवा खाते ही लगभग से 50 अधिक लोगों को एक-एक कर उल्टी, दस्त, सिर में चक्कर आने लगा। जिसे गांव में हड़कंप मच गया। जिसके बाद लोगों द्वारा इलाज के लिए जलालगढ़ पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां गंभीर स्थिति को देखते आधा दर्जन लोगों को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। बांकि का इलाज जलालगढ़ पीएचसी में जारी है। वहीं बीमार में लकारी पासवान, रितु देवी, सदन लाल पासवान, काजल कुमारी, मधु कुमारी, जयमाला देवी, गीता देवी, तेतरी देवी, विभा देवी सहित अन्य शामिल है।

वहीं डबलूएचओ के डॉक्टर दिलीप कुमार ने बताया कि रोगी को डरने की कोई बात नहीं है। एल्बेंडाजोल एवं फाइलेरिया की दवा खाने के बाद चक्कर आ सकती है। खबर सुनकर काफी संख्या में लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तनवीर हैदर ने बताया कि रोगी की स्थिति अब खतरे से बाहर है। इधर, खबर सुन एसडीओ पूर्णिया, अंचलाधिकारी सबीहुल हसन, प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर, पूर्व प्रमुख सदानंद झा, मुखिया प्रतिनिधि राजू दास, अनिल ठाकुर,संजीव सिंह मुस्तकीम, कामेश्वर जमादार,भरत ठाकुर, कुंदन कुणाल, चंद्रदीप पोद्दार सहित सैकड़ों लोग खबर सुनकर पहुंच गए ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com